শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 142 | गुवाहाटी | मंगलवार, 13 दिसंबर, 2022 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

योग भारत की प्राचीन परंपरा : प्रो. मुखी — पेज 3
हिमाचल के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने संभाला कार्यभार — पेज 4
जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के अंतर्गत विवाह संपन्न कराया... — पेज 5
वर्तमान युग में समाधान मूलक पत्रकारिता की आवश्यकता : प्रो. द्विवेदी — पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graphy
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

ढेकुली नीचे सिर झुकाकर ही कुंए से जल निकालती है अर्थात कपटी या पापी व्यक्ति सदैव मधुर वचन बोलकर अपना काम निकालते हैं।

– आचार्य चाणक्य

तवांग के करीब भारत-चीनी सैनिकों में झड़प, कई घायल

फाइल फोटो

इटानगर /नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश में भारत-चीन सैनिकों में झड़प की खबर सामने आ रही है। तवांग के करीब दोनों देशों की सेना में झड़प हुई है। झड़प में दोनों देशों के सैनिकों के घायल होने की संभावना है। भारत-चीन सैनिकों में झड़प 9 दिसंबर को हुई थी। एक सूत्रों के हवाले से कहा है कि 9 दिसंबर 2022 को पीएलए सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में एलएसी में आमने सामने आए। फिर एक झड़प की स्थिति बनी। जिसका भारतीय सैनिकों ने दृढ़ता और दृढ़ तरीके से मुकाबला किया। इस आमने-सामने की लड़ाई में दोनों पक्षों के कुछ सैनिकों को मामूली चोटें आईं। दोनों पक्ष तुरंत इलाके से हट गए। बाद में स्थिति को संभाला गया। लोकल कमांडर स्तर पर फ्लैग मीटिंग भी की गई। ऐसे कई मौके आए हैं जब भारत और चीन के सैनिक आपस में भिड़ गए हैं। लेकिन तवांग के पास से झड़प की खबर इसलिए भी थोड़ी सी परेशान -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत के मानहानि केस में सिसोदिया को राहत नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को राहत नहीं मिली है। खबरों के मुताबिक, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा दायर मानहानि मामले को रद करने की याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। इसके बाद सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट से याचिका वापस ले ली। वहीं, कोर्ट ने याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी। दरअसल असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा द्वारा दायर दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में मुकदमे दायर किया गया था। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा ने मंगलवार को दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ सिविल जज -शेष पृष्ठ दो पर

वाणीकांत काकोति पुरस्कार

विद्यार्थियों में स्कूटी वितरित

करीमगंज (हि.स.)। विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी और मंत्री पीयूष हजारिका ने करीमगंज जिला के बदरपुर में बानिकांत काकती पुरस्कार के रूप में विद्यार्थियों के बीच स्कूटी वितरण की औपचारिक शुरुआत की। राज्य सरकार के 2022 में प्रज्ञान भारती अभियान के तत्वावधान में करीमगंज जिला के बदरपुर स्थित नवीन चंद्र कॉलेज के प्रांगण में सोमवार को पुरस्कार देने वाले जिला स्तरीय कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी -शेष पृष्ठ दो पर

चुनाव आयोग मेघालय आएगा

शिलांग। मेघालय में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। निर्वाचन आयोग की टीम इसी हफ्ते राज्य का दौरा करेगी और तैयारियों की समीक्षा करेगी। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 119 कंपनियों की तैनाती की मांग की है। मेघालय के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) एफआर खारकोंगोर ने कहा कि केंद्रीय चुनाव आयोग की टीम इस सप्ताह मेघालय का दौरा करेगी और तैयारियों -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

जस्टिस दीपांकर दत्त को सीजेआई ने दिलाई शपथ

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस जज दीपांकर दत्ता ने आज सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर शपथ ले ली। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। दत्ता के शपथ लेने के साथ ही शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या 28 हो गई। भारत के मुख्य न्यायाधीश सहित सर्वोच्च न्यायालय में कुल 34 जज हो सकते हैं। जस्टिस दत्ता का जन्म 9 फरवरी 1965 को हुआ था। जस्टिस दत्ता इस साल 57 साल के हो गए। -शेष पृष्ठ दो पर

अब 2,000 के नोट होंगे बंद!

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक सदस्य ने राज्यसभा में सोमवार को दावा किया कि 2,000 रुपए के नोटों का आपराधिक गतिविधियों व अवैध व्यापार में बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है, लिहाजा सरकार को इसे चरणबद्ध तरीके से बंद कर देना चाहिए। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के सुशील कुमार मोदी ने उच्च सदन में शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बाजार में -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय विस चुनाव : ममता शिलांग में

शिलांग (हि.स.)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मेघालय की राजधानी शिलांग में 13 दिसंबर को पार्टी की प्रस्तावित रैली को संबोधित करने के लिए सोमवार को शिलांग पहुंचीं। तय कार्यक्रम के मुताबिक वे आज दोपहर उमराई एयरपोर्ट पर पहुंचीं, जहां प्रदेश टीएमसी के नेताओं ने उनका स्वागत किया। हवाई अड्डे से मुख्यमंत्री बनर्जी सीधे यहां के प्रतिष्ठित होटल में पहुंची। पार्टी के एक शीर्ष प्रदेश स्तरीय नेता ने कहा कि वह पहले यहां पार्टी के राज्य नेतृत्व के साथ बैठक करेंगी। स्थानीय ज्वलंत मुद्दों से अवगत नेता अगले साल की शुरुआत में राज्य विधानसभा चुनाव के लिए रोडमैप तैयार करेंगे। पार्टी के एक शीर्ष प्रदेश स्तरीय नेता ने बताया कि टीएमसी के नेता मार्च 2023 में 60 सदस्यीय राज्य विधानसभा चुनाव में संभावना तलाशने से पहले मेघालय में अपना आधार मजबूत करने के लिए ममता बनर्जी यहां -शेष पृष्ठ दो पर

1179 ब्रू विद्रोहियों का आत्म-समर्पण

हैलाकांदी (हि.स.)। असम के हैलाकांदी जिला में दो प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 1,179 ब्रू विद्रहियों ने सोमवार को आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोही बराक घाटी में यूनाइटेड डेमोक्रेटिक लिबरेशन फ्रंट (यूडीएलएफ-बीवी) और ब्रू रिवोल्यूशनरी आर्मी ऑफ यूनियन (बीआरएयू) के सदस्य थे। आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोहियों ने 18 एके सिरीज राइफल, एम 16 राइफल और 400 से अधिक कारतूसों सहित कम से कम 350 आग्नेयास्त्र पुलिस को -शेष पृष्ठ दो पर

सदन में जाति और धर्म का जिक्र किया तो होगी कार्रवाई : ओम बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला (ओम बिरला) ने सोमवार को सदन में किसी की जाति और धर्म का उल्लेख करने के खिलाफ सदस्यों को चेतावनी दी। सोमवार कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब कांग्रेस के एक सांसद ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर आरोप लगा दिया कि उन्होंने अपने भाषण में जाति से संबंधित टिप्पणी की है। कांग्रेस सदस्य एआर रेड्डी ने प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्रालय से संबंधित पूरक प्रश्न पूछते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारण की एक टिप्पणी को लेकर जाति के संदर्भ में कुछ कहा था। निर्मला सीतारमण ने कहा था कि सदस्य तेलंगाना से आते हैं। कह रहे हैं कि उनकी हिंदी कमजोर है। मैं कमजोर हिंदी में ही जवाब -शेष पृष्ठ दो पर

गुजरात : भूपेंद्र पटेल ने 16 मंत्रियों के साथ शपथ लीं

अहमदाबाद। भाजपा के नेता भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में सोमवार को गांधीनगर में गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पटेल का यह लगातार दूसरा कार्यकाल है। राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने नए सचिवालय के पास हेलीपैड ग्राउंड में आयोजित एक समारोह में पटेल को राज्य के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ दिलाई। राज्य मंत्री : हर्ष सांघवी और साथ ही 16 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली जिनमें से आठ कैबिनेट रैंक के हैं। इनमें 11 पूर्व मंत्री भी शामिल हैं। जगदीश विश्वकर्मा ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली। उधर पुरुषोत्तम -शेष पृष्ठ दो पर

41 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि साल 2005-06 से साल 2019-21 के बीच 40 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से बाहर निकाल गया। सरकार ने इसके लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) का हवाला दिया। योजना मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) राव इंद्रजीत सिंह ने राज्यसभा में एक लिखित जवाब में कहा कि नीति आयोग द्वारा जारी एमपीआई 2021 की बेसलाइन रिपोर्ट के अनुसार, भारत की 25.01 प्रतिशत -शेष पृष्ठ दो पर

पुष्पा के प्रोड्यूसर्स के घर आईटी की रेड, विदेशी फंडिंग का शक

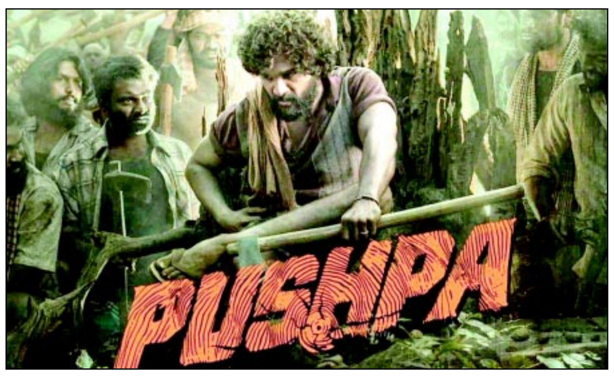

मुंबई। इनकम टैक्स विभाग ने सोमवार को ब्लॉकबस्टर फिल्म पुष्पा फिल्म बनाने वाली तेलुगु प्रोडक्शन कंपनी मैथ्री के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। आईटी अधिकारियों को शक है कि इस प्रोडक्शन कंपनी में कुछ एनआरआई लोगों ने भी निवेश किया है। इसी शक के आधार पर इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने कंपनी के तीन मालिकों यलमंचिली रविशंकर, नवीन अर्नेनी और चेरुकुरी मोहन के आवास सहित 15 ठिकानों पर रेड डाली है जो शाम तक जारी है। मैथ्री फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले पुष्पा समेत रंगस्थलम और श्रीमंथुडु जैसी साउथ की ब्लॉकबस्टर फिल्में बन चुकी हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार आईटी टीम के अधिकारी अलग-अलग राज्यों से हैदराबाद पहुंचे थे। अधिकारी सोमवार सुबह मैथ्री फिल्म्स के ऑफिस पहुंच गए और छापेमारी शुरू -शेष पृष्ठ दो पर

मोदी को लेकर कांग्रेसी नेता के बयान पर बवाल, एफआईआर

भोपाल। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे कार्यकर्ताओं से यह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि अगर संविधान बचाना है तो मोदी की हत्या करने को तत्पर रहो। इस वीडियो को भाजपा नेता राजपाल सिंह सिसौदिया ने सोमवार सुबह ट्विटर पर पोस्ट किया। पीएम मोदी पर इस तरह के बयान पर भाजपा की ओर से तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के असली भाव प्रकट हो गए। ऐसी चीजों को सहन नहीं किया जाएगा। एफआईआर दर्ज कर ली गई है, कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा का ढोंग करने वालों की असलियत सामने आ रही है। मोदी जी जनता के दिलों में बसते हैं। संपूर्ण देश की श्रद्धा और आस्था के केंद्र हैं। कांग्रेस के लोग मैदान में उनसे मुकाबला नहीं कर पाते हैं। इसलिए कांग्रेस के एक नेता मोदी जी की हत्या की बात कर रहे हैं। ये विद्वेष की पराकाष्ठा है, घृणा की अति है। हालांकि बयान वायरल होने के बाद राजा पटेरिया ने माफी मांगी है और कहा कि उनके बयान को तोड़मरोड़ कर प्रस्तुत किया गया। उधर, कांग्रेस ने भी बयान से किनारा कर लिया। मालूम हो कि राजा पटेरिया पन्ना जिले के प्रभारी मंत्री भी रहे हैं। भाजपा नेता राजपाल सिंह सिसौदिया ने ट्वीट कर कहा कि यह कांग्रेस का असली चेहरा है। पूर्व मंत्री व कांग्रेस नेता राजा पटेरिया मोदी जी की हत्या का बयान देकर समाज को विभाजित कर भड़काऊ भाषण दे रहे हैं। मालूम हो कि राजा पटेरिया ने यह बयान पन्ना जिले के पवई तहसील में कांग्रेसी कार्यकर्ताओं की बैठक में दिया। कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया द्वारा मोदी की हत्या करने संबंधी बयान को लेकर भाजपा ने पटेरिया के विरुद्ध गैर कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) सहित विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

रूस ने फिर किया भारत की यूएनएससी में स्थायी सदस्यता का समर्थन

मॉस्को। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने एक बार फिर भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है। 15 देशों की परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस ने संयुक्त राष्ट्र निकाय में भारत के लिए स्थायी सीट का समर्थन किया है। विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने रुख के साथ परिषद में अहम भूमिका निभाई है। लावरोव ने 7 दिसंबर को मॉस्को में प्रिमाकोव रीडिंग इंटरनेशनल फोरम में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ये कहा कि मुझे लगता है कि भारत वर्तमान में आर्थिक विकास के मामले में अग्रणी देशों में से एक है। इसकी आबादी जल्द ही किसी भी अन्य देश की तुलना में बड़ी होगी। रूसी विदेश मंत्री लावरोव ने कहा कि भारत के पास विभिन्न प्रकार की समस्याओं को सुलझाने में विशाल राजनयिक अनुभव है। भारत संयुक्त राष्ट्र के साथ-साथ शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के भीतर दक्षिण एशिया में एकीकरण संरचनाओं की एक श्रृंखला में सक्रिय भूमिका निभाता है। इससे पहले लावरोव ने इस साल सितंबर में 77वें संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अगर अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों को शामिल किया जाता है तो सुरक्षा परिषद अधिक लोकतांत्रिक होगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा था कि भारत और ब्राजील को परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए शामिल किया जाना चाहिए। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और ब्राजील जापान और जर्मनी के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में शामिल होने के लिए अपने आवेदनों को बढ़ावा दे रहे हैं, जो बहुध्रुवीयता का संकेत है। इससे पहले, संयुक्त राष्ट्र में यूके के राजदूत बारबरा वुडवर्ड ने कहा कि हम भारत, जर्मनी, जापान और ब्राजील के लिए नई स्थायी सीटों के निर्माण के साथ-साथ परिषद में स्थायी अफ्रीकी प्रतिनिधित्व का समर्थन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र महासभा की पूर्ण बैठक को *सुरक्षा परिषद की सदस्यता और सुरक्षा परिषद की सदस्यता में वृद्धि और वृद्धि के प्रश्न* पर संबोधित करते हुए, संयुक्त राष्ट्र में फ्रांस के उप स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि फ्रांस की स्थिति स्थिर है और सर्वविदित है। हम चाहते हैं कि परिषद आज की दुनिया का और अधिक प्रतिनिधित्व करे, एक तरह से जो इसके अधिकार और प्रभावशीलता को और मजबूत करे। सुरक्षा परिषद के गैर-स्थायी सदस्य के रूप में भारत का मौजूदा दो साल का कार्यकाल दिसंबर में समाप्त होगा।

कश्मीर विवाद हमारे एजेंडे में सबसे ऊपर : ताहा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के साथ कश्मीर विवाद पर भारत कई बार अपना रुख साफ कर चुका है कि यह भारत का आंतरिक मामला है, इससे निपटने के लिए हम सक्षम हैं। वहीं इस्लामिक देशों के संगठन के महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा ने कहा कि कश्मीर विवाद ओआईसी के एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता पर है। दरअसल, ब्राहिम ताहा पीओके दौरे पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कहा कि इस्लामिक देशों के संगठन भारत और पाकिस्तान के बीच बातचीत का रास्ता ढूंढ रहा है ताकि कश्मीर विवाद का हल निकाला जा सके। उन्होंने कहा कि कश्मीर विवाद को लेकर अन्य देशों को साथ आने के लिए कह रहे हैं, ताकि इस मुद्दे पर जल्द से जल्द हल निकाला जा सके। हम पाकिस्तान समेत अन्य देशों के साथ इस विषय पर खाका तैयार कर रहे हैं। साथ ही ब्राहिम ताहा ने राष्ट्रपति आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि कश्मीर में मौजूदा स्थिति को लेकर एक व्यापक मूल्यांकन रिपोर्ट भी संगठन को सौंपी जाएगी। ब्राहिम ताहा ने कहा कि कश्मीर विवाद एक कूटनीतिक मुद्दा है, जिसकी चर्चा सड़क पर खड़े होकर नहीं की जा सकती। इसलिए हमको इस मसले पर अन्य देशों, संगठनों के समर्थन की आवश्यकता है। पीओके के राष्ट्रपति भवन में जब हिसेन ब्राहिम ताहा मीडिया से बात कर रहे थे, उस समय उनके साथ पीओके के राष्ट्रपति सुल्तान महमूद, प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के कश्मीर मामले में सलाहकार कमर जमान कायरा भी मौजूद थे। ऐसा पहली बार नहीं जब इस्लामिक देशों के संगठन ने कश्मीर मुद्दे पर कुछ बोला हैं। ओआईसी पाकिस्तान की वकालत करता है। इससे पहले यूएनएससी में ओआईसी ने भारत के खिलाफ बयान था, जिसके बाद भारत ने अपना जवाब देकर मुंह बंद कर दिया था। इस साल अक्टूबर में पाकिस्तान और ओआईसी पर निशाना साधते हुए भारत ने कहा था कि पाकिस्तान को झूठ बोलने की आदत हो गई है। जबकि पूरी दुनिया को पता है कि पाकिस्तान में मानवाधिकारों का हनन होना आम बात है। पाकिस्तान का अपने लोगों के मानवाधिकारों के संरक्षण का रिकॉर्ड खराब है। पाकिस्तान में हिंदू अल्पसंख्यकों पर जुल्मों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा पाकिस्तान और उसके अधिकृत इलाकों में सिख, हिंदू, इसाई समुदाय के अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अन्याय को रोकने में विफल है। आए दिन धर्म को लेकर वहां अल्पसंख्यकों को प्रताड़ित किया जाता है।

रंगिया में भारी मात्रा में गांजा जब्त

रंगिया। रंगिया पुलिस ने आज एक गुप्त सूचना के आधार पर रंगिया के निकट पश्चिम बिहापारा में अभियान चलाकर दो वाहनों से 23 किलो 645 ग्राम निषिद्ध गांजा सहित तीन लोगों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। इस अभियान में पुलिस ने रंगिया बालागांव के खाईरूल इस्लाम, तामूलपुर, पश्चिम बिहापारा के मजीबुर रहमान और रंगिया गोगमालासा वार्ड नं- 9 के करीम अली को गिरफ्तार किया है जिनसे पुलीस द्वारा गहन पूछताछ की जा रही है।

कार तालाब में पलटी

लखीमपुर (हि.स.)। लखीमपुर जिला के ढकुआखाना में बीती रात अनियंत्रित कार तालाब में पलट गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ढकुआखाना और लखीमपुर को जोड़ने वाले स्टेट हाईवे पर घने कोहरे के कारण बीती रात एक मारुति सेलेरिओक्स (सेलेरिओक्स) कार (एएस-07क्यू-7899) अनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित तालाब में पलट गई।

लायंस, गुवाहाटी ग्रेटर ने आयोजित कीं खेल प्रतियोगिताएं

गुवाहाटी (नसं)। लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी ग्रेटर ने अपने स्थाई प्रकल्प नवीन नगर जू रोड स्थित ब्लू लेडर चिल्ड्रंस लाइब्रेरी में स्थानीय जरूरतमंद बच्चों की ज्ञानवृद्धि को ध्यान में रखते हुए इस निशुल्क लाइब्रेरी में बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कल दो गेम्स का आयोजन किया। इसके साथ ही एक रंगभरो प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया ढ्ढ इन गेम्स एवं प्रतियोगिता में कुल 32 स्थानीय बच्चों ने हिस्सा लिया ढ्ढ क्लब की तरफ से खुशाली अग्रवाल ने बहुत ही मनोरंजक तरीके से बच्चों का मनोबल बढ़ाया एवं सभी बच्चों को क्लब की तरफ से उपहार प्रदान किए गए ढ्ढ साथ ही प्रतियोगिता में जीतने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया, उल्लेखनीय है कि लाइब्रेरी में इस तरह के कार्यक्रम समय-समय पर आयोजित किए जाते हैं क्लब के जनसंपर्क अधिकारी लायन रतन खाखोलिया ने बताया कि इन कार्यक्रमों में क्लब के सदस्य बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं एवं पूर्ण सहयोग भी प्रदान करते हैं।

मैकडोनाल्ड्स ने महानगर में खोला पूर्वोत्तर भारत का पहला रेस्तरां

गुवाहाटी। गुवाहाटी के लोग अब भारत के सर्वाधिक पसंदीदा ब्रांड्स में शुमार मैकडोनाल्ड्स के साथ विश्व स्तरीय रेस्टोरेंट का आनंद ले सकते हैं। असम की राजधानी गुवाहाटी के गणेशगुरी में बीके टावर्स के ग्राउंड एवं फर्स्ट फ्लोर पर मैकडोनाल्ड्स ने अपना पहला रेस्टोरेंट खोला है। 6,700 वर्ग फीट के क्षेत्र में बना और 220 लोगों की क्षमता वाला यह रेस्टोरेंट उत्तर एवं पूर्वी भारत में मैकडोनाल्ड्स का सबसे बड़ा रेस्टोरेंट है। आधुनिकता के साथ यहां विश्व स्तरीय सजावट, फर्नीचर एवं एक्सटीरियर डिजाइन की झलक दिखती है। मैकडोनाल्ड्स इंडिया ङ्क नॉर्थ एंड ईस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव रंजन ने रेस्टोरेंट लॉन्च के मौके पर कहा, हम पूर्वोत्तर भारत में अपना पहला रेस्टोरेंट लॉन्च करते हुए उत्साहित हैं। यह पूर्वोत्तर भारत में हमारा गेटवे होगा। भविष्य में विस्तार की संभावनाओं की दृष्टि से यह रणनीतिक तौर पर महत्वपूर्ण है। यह रेस्टोरेंट गुवाहाटी के लोगों तक विश्व स्तरीय मैकडोनाल्ड्स का अनुभव पहुंचाने एवं पूर्वोत्तर में विस्तार की दिशा में हमारा अहम कदम है। हमारा मानना है कि मैकडोनाल्ड्स का विविधता से पूर्ण मेन्यू और रेस्टोरेंट का शानदार अनुभव गुवाहाटी के लोगों को पसंद आएगा। हम यहां अपने ग्राहकों का स्वागत करने के लिए तैयार हैं। ग्राहकों की अधिकतम सुविधा के लिए मैकडोनाल्ड्स में सेल्फ ऑर्डर के लिए डिजिटल कियोस्क और टेबल सर्विस की सुविधा भी है। ग्राहक कियोस्क पर जाकर ऑर्डर कर सकते हैं। वहां उनकी सहायता के लिए गेस्ट एक्सपीरियंस लीडर्स होंगे, जो ऑर्डर की प्रक्रिया में सहयोग करेंगे। इन कियोस्क का प्रयोग करते हुए ग्राहकों को मुख्य काउंटर पर नहीं जाना पड़ेगा और उनका ऑर्डर उनकी टेबल पर पहुंचा दिया जाएगा। एक ग्लोकल (ग्लोबल एवं लोकल) ब्रांड के रूप में मैकडोनाल्ड्स यहां खास भारत के लिए तैयार प्रोडक्ट के साथ-साथ वैश्विक स्तर पर पसंद किए गए उत्पादों को भी मेन्यू में शामिल करेगा। मैकडोनाल्ड्स यहां अपने ग्राहकों को महाराजा मैक, मैकवेजी, मैकचिकन, मैकआलू टिक्की, चिकन मैकग्रिल, बटर चिकन एवं बटर पनीर बर्गर, मैकस्पाइसी, बर्गर एवं रैप्स के साथ मैकडोनाल्ड्स के विश्व प्रसिद्ध फ्राइज और ताजगीभरे पेय एवं अन्य डेजर्ट उपलब्ध कराएगा। मैकडोनाल्ड्स अपने प्रोडक्ट के लिए कच्चा माल पूरे भारत में किसानों एवं अन्य आपूर्तिकर्ताओं से लेता है, जो इसके कारोबार का अहम हिस्सा हैं। इससे गुणवत्ता एवं सुरक्षा के प्रति मैकडोनाल्ड्स की प्रतिबद्धता भी झलकती है। मैकडोनाल्ड्स के सभी सप्लायर के पास आधुनिकतम, वैश्विक स्तर पर प्रमाणित फूड सेफ्टी सिस्टम एवं प्रोसेस जैसे एचएसीसीपी एवं जीएमपी की सुविधा है। खेत से ग्राहक की टेबल तक (फार्म टु टेबल) गुणवत्ता जांचने की इन व्यवस्थाओं से सुनिश्चित किया जाता है कि ग्राहक मैकडोनाल्ड्स में हर बार सुरक्षित एवं स्वादिष्ट भोजन पाएं।

पृष्ठ एक का शेष

तवांग के करीब ...

करने वाली है क्योंकि पिछले कई दिनों से भारत और चीन के अधिकारियों के बीच सैन्य स्तर पर भी बातचीत चल रही है। शांति बनाए रखने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। लेकिन फिर से एक बार झड़प की खबर सामने आई। पिछले बार जब भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प हुई थी तो हमारे कुछ जवान शहीद हुए थे, लेकिन हमने बहुत सारे चीनी सैनिकों को मार गिराया था। बता दें कि अरुणाचल के तवांग इलाके में एलएसी के परसेप्शन को लेकर लंबे समय से विवाद है। लद्दाख के बाद अरुणाचल ऐसा इलाके है जहां के कुछ हिस्सों पर चीन अपना कब्जा जमाना चाहता है। लद्दाख में जहां दोनों देशों की सेनाएं अपने-अपने इलाकों में जा चुकी हैं। लेकिन चीन की लगातार कोशिश घुसपैठ की कोशिश होती है। ऐसे वक्त में जब जिनपिंग दोबारा से सत्ता में लौटे हैं फिर चीन एक रणनीति के तहत लद्दाख के अलावा अरुणाचल के तवांग इलाके में भी अपनी नापाक हरकतें करने की फिराक में है। हालांकि पहले से ही हर माकूल हरकत का जवाब देने के लिए मुस्तैद भारतीय जवान हर हिमाकत का जवाब देने के लिए तैयार बैठै हैं।

हिमंत के मानहानि ...

कोर्ट (कामरूप मेट्रो) गुवाहाटी में 100 करोड़ रुपए का दीवानी मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बता दें कि तब असम के स्वास्थ्य मंत्री रहे हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी पत्नी और बेटे के व्यापारिक साझेदारों की कंपनियों को पीपीई किट की आपूर्ति करने के लिए ठेके दिए थे। मनीष सिसोदिया ने उनकी पत्नी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। सिसोदिया ने कहा कि तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री शर्मा का परिवार कोरोनाकाल में पीपीई किट की आपूर्ति से संबंधित कथित कदाचार में शामिल था। हालांकि, असम सरकार ने खुद पर लगे इस आरोप का खंडन किया है। इस मामले पर हिमंत विश्व शर्मा ने अपने परिवार पर लगे आरोपों पर सफाई देते हुए कहा था कि एक ऐसे समय में जब पूरा देश 100 से अधिक वर्षों में सबसे खराब महामारी का सामना कर रहा था, उस समय असम के पास शायद ही कोई पीपीई किट थी। मेरी पत्नी ने आगे आने का साहस दिखाया और लगभग 1,500 पीपीई किट मुफ्त में दान कर दीं। जान बचाने के लिए सरकार को कीमत चुकानी पड़ी। उसने एक पैसा भी नहीं लिया।

विद्यार्थियों में स्कूटी...

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल थे और राज्य के जनसंपर्क मंत्री व जिला अभिभावक मंत्री पीयूष हजारिका ने सम्मानित अतिथि के रूप में औपचारिक रूप से इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह पुरस्कार उन छात्रों को दिया जा रहा है जिन्होंने 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी और 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त कर उत्तीर्ण हुए हैं। करीमगंज जिले में, 2022 का पुरस्कार उच्चतर माध्यमिक अंतिम वर्ष की परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण 719 छात्रों और 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 143 छात्रों को यह पुरस्कार दिया जाएगा। इस अवसर पर एएसटीसी के अध्यक्ष मिशन रंजन दास, पथारकांदी और राताबाड़ी के विधायक कृष्णेंदु पाल भी उपस्थित थे।

चुनाव आयोग मेघालय...

की समीक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग की टीम पुलिस, आयकर और आबकारी विभागों जैसी विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों के साथ चर्चा करेगी। सीईओ ने कहा कि राज्य में 782 संवेदनशील मतदान केंद्र हैं और इनमें से 402 की पहचान संवेदनशील केंद्र के रूप में की गई है। इसके देखते हुए हमने केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 119 कंपनियों की तैनाती की मांग की है। वहीं, राज्य निर्वाचन कार्यालय ने भी अधिक से अधिक योग्य मतदाताओं को वोटर लिस्ट में जोड़ने की कवायद में जुटा है। सीईओ कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कई जिलों में मतदाताओं के नामांकन के लिए अभियान चलाए गए हैं।

मेघालय विस चुनाव...

पहुंची हैं। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री कल प्रदेश केंद्रीय पुस्तकालय में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करेंगी। टीएमसी के पदाधिकारी ने कहा कि बनर्जी की यात्रा से 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने में मदद मिलेगी। टीएमसी के अखिल भारतीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी मुख्यमंत्री के साथ पहुंचे हैं। अभिषेक बनर्जी इस साल दो बार राज्य का दौरा कर चुके हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में अखिल भारतीय कांग्रेस के 17 विधायक चुने गए थे, जबकि टीएमसी को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन, पिछले साल नवंबर में कांग्रेस के पूर्व नेता और मेघालय के पूर्व मुख्यमंत्री मुकुल सांग्मा के नेतृत्व वाली कांग्रेस के 11 अन्य विधायकों सहित कुल 12 विधायक टीएमसी में शामिल हो गये, जिसके चलते पहाड़ी राज्य मेघालय में टीएमसी ने मुख्य विपक्षी पार्टी का दर्जा प्राप्त कर लिया है। हालांकि, बाद में टीएमसी में शामिल होने वाले 12 विधायकों में से एक हिमालय शांगपलियांग ने पिछले महीने विधानसभा और पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। नतीजतन, विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस की ताकत घटकर 11 रह गई है।

1179 ब्रू विद्रोहियों ...

सौंपे। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) जीपी सिंह ने मीडिया को बताया कि 2017 से आजतक दो आत्मसमर्पण करने वाले समूहों के साथ शांति प्रक्रिया चल रही थी। कुछ मतभेद थे लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के निर्देश पर हम उन्हें बातचीत की मेज पर लाने में सफल हुए। अन्य औपचारिकताएं और पुनर्वास प्रक्रिया बहुत जल्द शुरू होगी। हम इस प्रक्रिया को इस तरह आगे बढ़ाएंगे कि भविष्य में क्षेत्र में कोई नया आतंकवादी समूह पैदा न हो। आत्मसमर्पण करने वाले विद्रोहियों ने असम विधानसभा अध्यक्ष बिश्वजीत दैमारी और संसदीय कार्य मंत्री पीयूष हजारिका के समक्ष हथियार जमा कराए। आज आत्मसमर्पण करने वाले अधिकतर विद्रोही असम-मिजोरम सीमा क्षेत्र में सक्रिय थे।

सदन में जाति और ...

देती हूं। इसके बाद रेड्डी ने कहा कि मंत्री ने मेरी हिंदी को लेकर टिप्पणी की है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सदस्य ने कहा कि मैं इस जाति से आता हूं। आप जाति और धर्म के आधार पर चुनकर नहीं आते हैं...ऐसे शब्दों का इस्तेमाल ना करें, अन्यथा कार्रवाई करनी होगी। आप यहां धर्म और जाति के आधार पर चर्चा नहीं करें। इस पर रेड्डी ने कुछ कहने का प्रयास किया तो लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अगर आप बार-बार उठेंगे तो बाहर निकाल दूंगा। इससे पहले रेड्डी जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पुराने कथन का उल्लेख कर रहे थे तो बिरला ने कहा कि आप प्रश्न पूछिए। इस पर रेड्डी ने कहा कि आप हस्तक्षेप मत करिए। लोकसभा अध्यक्ष ने उनके इस कथन पर भी आपत्ति जताते हुए कहा आप (अधीर रंजन चौधरी) नेता हैं। आप सदस्यों को समझा दें कि वो ऐसा नहीं कह सकते कि मैं हस्तक्षेप नहीं कर सकता। मेरे पास अधिकार है कि हस्तक्षेप करूं। इस पर रेड्डी ने सफाई देते हुए कहा हम सब यहां चुनकर आते हैं और उम्मीद करते हैं कि आप हमें संरक्षण देंगे।

गुजरात : भूपेंद्र पटेल ...

सोलंकी, बच्चूभाई खाबाद, मुकेश पटेल, प्रफुल्ल पंशेरिया, भीखूसिंह परमार, कुंवरजी हलपति ने भी शपथ ली। भाजपा के शीर्ष नेताओं के साथ ही केंद्रीय मंत्री और उन राज्यों के मुख्यमंत्री भी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए जहां पार्टी सत्ता में है। इनमें गृह मंत्री अमित शाह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा, कर्नाटक के मुख्यमंत्री एस आर बोम्मई, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला शामिल थे। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, रामदास आठवले और सर्बानंद सोनोवाल ने भी शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत की। हाल में संपन्न हुए गुजरात के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 182 में से रिकॉर्ड 156 सीट जीती हैं। यह गुजरात के विधानसभा चुनाव में भाजपा की लगातार सातवीं जीत है। कांग्रेस को 17 और आम आदमी पार्टी (आप) को पांच सीट पर जीत मिली है। पटेल (60) ने अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ शुक्रवार को इस्तीफा दे दिया था, ताकि राज्य में नई सरकार के गठन का रास्ता साफ हो सके। उन्हें शनिवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया था, जिसके बाद उन्होंने राज्यपाल से मुलाकात करके अगली सरकार बनाने का दावा पेश किया था। पटेल ने घाटलोडिया सीट पर 1.92 लाख मतों के अंतर से अपने प्रतिद्वंद्वी को मात दी। पटेल को पिछले साल सितंबर में विजय रूपाणी के इस्तीफे के बाद राज्य की कमान मिली थी। वहीं गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने विभागों को बंटवारा कर दिया है। भूपेंद्र पटेल ने गृह मंत्रालय समेत आपदा प्रबंधन मंत्रालय को भी अपने पास रखा है। गुजरात के सबसे युवा मंत्री हर्ष सांघवी को गृह मंत्रालय (राज्य मंत्री) और खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कनूभाई देसाई को वित्त मंत्रालय, ऋषिकेश पटेल को स्वास्थ्य मंत्रालय और राघव जी पटेल को कृषि मंत्रालय सौंपा गया है। बता दें कि भूपेंद्र पटेल ने सोमवार को दूसरी बार गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। उनके साथ 16 मंत्रियों ने भी शपथ ली। इस शपथग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा और एनडीए शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्री-उपमुख्यमंत्री शामिल हुए।

41 करोड़ से ...

आबादी को बहुआयामी रूप से गरीब है। सिंह ने कहा कि भारत में आक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिव (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा जारी वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2022 रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2005-06 से 2019-21 के बीच 41 करोड़ 50 लाख लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। मालूम हो कि एमपीआई डेटा राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 पर आधारित था, जो महामारी के कारण हुई देरी के बाद 17 जून 2019 से 30 अप्रैल 2021 तक दो वर्षों में आयोजित किया गया था। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बहुआयामी गरीब के रूप में आबादी का प्रतिशत 32.75 प्रतिशत और 8.81 प्रतिशत है। सिंह ने इस दौरान कहा कि सरकार समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इसमें सबका साथ और सबका विकास की प्रतिबद्धता दिखती है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों को ऊपर उठाने और उनके उत्थान के लिए कई कदम उठाए हैं। सिंह ने कहा कि सरकार देश में गरीबी को कम करने के लिए केंद्रीय क्षेत्र और केंद्र प्रायोजित दोनों तरह की कई योजनाओं को चला रही है।

पुष्पा के प्रोड्यूसर्स ...

कर दी। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की तरफ से इस रेड को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं हुआ है, लेकिन सूत्रों की मानें तो अफसरों को शक है कि मैथ्री फिल्म प्रोडक्शन में फॉरेन फंडिंग हुई है। मैथ्री प्रोडक्शन के बैनर तले कई बड़ी फिल्मों का प्रोडक्शन हो चुका है। मैथ्री प्रोडक्शन ने हाल ही में चिरंजीवी, बालकृष्ण, पवन कल्याण जैसे कई एक्टर्स को भारी फीस देकर बड़े प्रोजेक्ट्स साइन कराए हैं। साउथ के सुपर स्टार पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भी इसी बैनर के तले 2023 में रिलीज होने वाली है। मैथ्री मूवी मेकर्स के बैनर तले पुष्पा द राइज दिसंबर 2021 में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। पुष्पा ने पूरी दुनिया में 350 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया था। ये फिल्म ओरिजिनली तेलुगु में फिल्माई गई थी और बाद में इसे हिंदी समेत दूसरी भाषाओं में डब कर दिया गया था। सुकुमार के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में अल्लू अर्जून, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल मुख्य भूमिका में नजर आए थे। लाइगर फिल्म के डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ और प्रोड्यूसर चार्मी कौर को कुछ दिन पहले ईडी ने पूछताछ के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। ईडी ने दोनों से उनकी आखिरी रिलीज फिल्म लाइगर की फंडिंग को लेकर पूछताछ की थी। इस दौरान ईडी के अधिकारियों ने दोनों से करीब 12 घंटे तक पूछताछ की थी। रिपोर्ट्स के अनुसार ईडी को शक था कि लाइगर फिल्म में विदेशी फंडिंग हुई है। इसी सिलसिले में फिल्म के डायरेक्टर और प्रोड्यूसर को फिल्म के फाइनेंस की जानकारी देने के लिए बुलाया गया था।

मोदी को लेकर कांग्रेसी ...

अपराधिक धाराओं के तहत प्रकरण कायम करने की मांग की है। नेताओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार दोपहर एक बजे पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना से मिलने के लिए पुलिस मुख्यालय पहुंचा था। इसमें भाजपा के प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी, प्रदेश उपाध्यक्ष योगेश ताम्रकार, भोपाल की महापौर मालती राय, विधायक कृष्णा गौर, राहुल कोठारी, नगर पालिका निगम परिषद के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी शामिल थे। डीजीपी को दिए ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की हत्या की अपील करना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा को गंभीर चुनौती देना है। देश में अराजकता फैलाने का षड्यंत्र और मध्य प्रदेश में उपद्रव और दंगा करवाने की साजिश है। मालूम हो कि राजा पटेरिया ने पन्ना जिले की पवई में कांग्रेस की एक बैठक में कहा था कि संविधान को बचाना है तो मोदी की हत्या करने को तत्पर रहो। इसको लेकर प्रदेश की राजनीति में उबाल आ गया है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने बयान जारी कर कहा है कि राजा पटेरिया के बयान से पार्टी कोई इत्तेफाक नहीं रखती। उन्होंने कहा कि इस बयान से पार्टी को दूर रखना चाहेंगे। कांग्रेस पार्टी का जन्म अहिंसा की कोख से हुआ है।

जस्टिस दीपांकर दत्त ...

उनका कार्यकाल 8 फरवरी 2030 तक होगा। सुप्रीम कोर्ट में सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है। उनके नाम की सिफारिश पिछले साल सितंबर में तत्कालीन न्यायमूर्ति यूयू ललित (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता वाले कॉलेजियम ने की थी। कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश स्वर्गीय सलिल कुमार दत्ता के बेटे और सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रहे न्यायमूर्ति अमिताव रॉय के बहनोई न्यायमूर्ति दत्ता इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे।

अब 2,000 के ...

गुलाबी रंग के 2,000 रुपए के नोटों का दर्शन दुर्लभ हो गया है। एटीएम से नहीं निकल रहा है और अफवाह है कि यह अब वैध नहीं रहा। उन्होंने सरकार से इस बारे में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। ज्ञात हो कि केंद्र सरकार ने 8 नवंबर, 2016 को नोटबंदी की घोषणा की थी। इसके तहत 500 और 1,000 रुपए के नोटों को अवैध घोषित कर चलन से बाहर कर दिया गया था। सरकार ने कुछ दिनों के बाद उनके स्थान पर 500 रुपए और 2,000 रुपए के नए नोट जारी किये थे। भाजपा सदस्य मोदी ने दावा किया कि पिछले तीन वर्ष से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 2,000 रुपए के नोटों की छपाई बंद कर दी है और बड़ी संख्या में 2,000 रुपए के नकली नोट जब्त भी किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर लोगों ने 2,000 के नोटों की जमाखोरी कर रखी है। केवल अवैध व्यापार में इसका इस्तेमाल हो रहा है। कुछ जगहों पर यह ब्लैक में भी मिल रहा है व प्रीमियम पर बिक रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों, धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण में सहित कई अपराधों में इन नोटों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होता है। मोदी ने कहा कि दुनिया की सभी आधुनिक अर्थव्यवस्थाओं में बड़े नोटों का प्रचलन बंद हो गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में अधिकतम 100 डॉलर है और वहां भी 1,000 डॉलर के नोट नहीं हैं। उन्होंने कहा कि चीन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और यूरोपीय संघ में भी नोटों के अधिकतम मूल्य 200 तक ही है। बिहार के पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि केवल पाकिस्तान और श्रीलंका जैसे देशों में 5,000 के नोट हैं जबकि इंडोनेशिया में एक लाख मूल्य तक के नोट प्रचलन में हैं। उन्होंने कहा कि भारत में 2,000 के नोट के प्रचलन का अब कोई औचित्य नहीं है। अब तो सरकार डिजिटल लेनदेन को भी बढ़ावा दे रही है। इसलिए मेरा सरकार से अनुरोध है कि वह चरणबद्ध तरीके से 2,000 के नोटों को धीरे-धीरे बंद कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सरकार जनता को मौका दें ताकि वे एक या दो साल में 2,000 के नोटों को दूसरे नोटों से बदल लें। उन्होंने कहा कि 2,000 का नोट यानी ब्लैक मनी यानी कालाबाजरी... अगर काले धन पर रोक लगानी है तो 2,000 के नोट को बंद करना चाहिए।

स्वर्वेद भाष्य

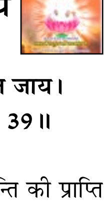

चतुर्थ मंडल **पंचम अध्याय**

(आनन्द)

जेहि सुख बिन जिव शान्ति नहिं, सुख खोजत दिन जाय।
सो सुख उलटि समुद्र है, बिनु गुरु कोय न पाय॥ 39॥

शब्दार्थ : (खोजत) ढूंढ़त।

भाष्य : जिस सुख की प्राप्ति के बिना जीव को सुख-शान्ति की प्राप्ति नहीं होती, जिसको खोजते हुए जीवन चला जा रहा है, उस सुख का समुद्र समीप है। जब आत्मा अपनी सारी शक्तियों को उलट कर ऊर्ध्वमुख कर देती है, तब उसे शांति का समुद्र प्राप्त होता है।

प्रकृति योग वह सुख नहीं, वह सुख प्रकृती पार।
सुख स्वरूप मायू गजै, उलटि गगन धरु धार॥ 40॥

शब्दार्थ : (प्रकृति) माया (योग) संबंध (मायू) शब्द, सत्पुरुष (गगन) चिदाकाश (धार) प्रवाह।

भाष्य : माया के संबंध से वह सुख प्राप्त नहीं होता। जब आत्मा, माया की सीमा को त्यागकर अपने शुद्ध स्वरूप में आती है, तब उसे प्राप्त करती है। वह ब्रह्मसुख प्रकृतिपार है। आनंदस्वरूप परब्रह्म प्रकाशमान है। आत्मा अपनी चेतन शक्ति को धारण कर ऊर्ध्वमुख हो, जब गगन में प्रवेश करती है, तब वह अमृत ब्रह्मसुख को प्राप्त करती है।

जिला पुस्तकालय में 16वें असम योग महोत्सव का शुभारंभ

योग भारत की प्राचीन परंपरा : प्रो. मुखी

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने कहा कि योग पूरी तरह से तंदुरुस्ती, यौवन और शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। यह हमारे मानसिक और शारीरिक कल्याण को बढ़ाता है और साथ ही हमारे सामाजिक कल्याण को समृद्ध करता है। यह हमें अपनी शारीरिक और मानसिक सहनशक्ति का निर्माण करके स्वयं की सहायता करने की शक्ति सिखाता है। राज्यपाल प्रो. मुखी ने सोमवार को यहां जिला पुस्तकालय सभागार में भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र द्वारा आयोजित 16वें असम योग महोत्सव का उद्घाटन करते हुए कहा, इस युग में, जब जीवन इतनी तेज गति से चल रहा है, ऐसे में हमारे स्वास्थ्य की देखभाल करना आवश्यक है। इसलिए योग सभी के लिए स्वस्थ और शांतिपूर्ण जीवन जीने का अंतिम उपाय है। योग भारत की प्राचीन परंपरा की अमूल्य देन है। यह मन और शरीर की एकता का प्रतीक है। यह स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। प्राचीन काल से ही योग भारतीय संस्कृति का हिस्सा रहा है। राज्यपाल ने इस अवसर पर स्वामी शिवानंद सरस्वती की सराहना की जो दिसंबर के महीने में असम आए थे और वर्ष 1929 में कामाख्या मंदिर के पास नीलाचल पहाड़ी की तलहटी में उमाचल योगिक अस्पताल शुरू किया था। विभिन्न क्षेत्रों में योग को लोकप्रिय बनाने में उनकी भूमिका थी। राज्य में जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में योग को लोकप्रिय बनाने में उनकी भूमिका की सराहना की आवश्यकता है। उन्होंने वर्ष 1979 में मालीगांव गौशाला में भारतीय योग संस्कृति और योग थेरेपी केंद्र स्थापित करने के लिए योगाचार्य सुभाशीष कौर के प्रयासों की भी सराहना की, जो पूर्वोत्तर क्षेत्र के अग्रणी योग संस्थानों में से एक है। प्रो. मुखी ने कहा कि इंडियन योग कल्चर एंड योग थेरेपी सेंटर अपनी स्थापना के समय से ही योग को अपने जीवन का अनिवार्य अंग बनाने में लोगों की मदद करने की पूरी कोशिश कर रहा है। कारण स्वस्थ और समृद्ध जनता एक उन्नत राष्ट्र की संपत्ति है। योग का निरंतर अभ्यास शरीर मन और आत्मा की रक्षा कर सकता है। उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी एजेंसियों द्वारा सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक संस्थानों में योग शिक्षकों की भागीदारी योग को बढ़ावा देने के लिए शुभ संकेत देगी। उन्होंने कहा कि यदि पर्याप्त संरक्षण दिया गया तो केंद्र भविष्य में भी योग और स्वास्थ्य के माध्यम से जनता को जागरूक करता रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि देश के लोगों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए, जिन्होंने वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में 21 जून को योग के लिए एक वार्षिक दिवस का सुझाव दिया था। जब प्रधानमंत्री ने अपना प्रस्ताव रखा था तो संयुक्त राष्ट्र महासभा में उपस्थित सभी 177 राष्ट्रों ने तालियों से इस प्रस्ताव का समर्थन किया। तब से हर साल 21 जून को दुनिया भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाने लगा। उल्लेखनीय है कि 2007 के बाद से योग संस्कृति और चिकित्सा केंद्र कई कार्यक्रमों के साथ असम योग महोत्सव मना रहा है। महोत्सव के साथ तालमेल बिठाते हुए, केंद्र एक विशिष्ट व्यक्ति को योग के लिए उनकी उत्कृष्ट सेवाओं और योग को बढ़ावा देने के लिए सम्मानित करता है। इस वर्ष स्वामी शिवानंद सरस्वती योग प्रेरणा पुरस्कार 2022 प्रो. रामचंद्र भट्ट, अध्यक्ष, वेद विज्ञान शोध संस्थानम ट्रस्ट, बेंगलुरु को दिया गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष भारतीय योग संस्कृति और योग चिकित्सा केंद्र योगाचार्य सुभाषिश, अध्यक्ष स्वामी निगमानंद योगशर्मा, जोरहाट स्वामी सुरसानंद सरस्वती, जिला पुस्तकालय के निदेशक दिनमणि दास, योग चिकित्सक और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ब्रह्मपुत्र नद में डूब रही महिला और 4 बच्चों को बीएसएफ ने बचाया

धुबड़ी (विभास)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने असम के सीमावर्ती इलाके में ब्रह्मपुत्र नदी में डूब रही एक महिला और 4 बच्चों को बचाया है। घटना रविवार को असम के धुबड़ी जिले में हुई, जहां ब्रह्मपुत्र नदी में 5 लोगों को ले जा रही एक नाव पलट गई। बीएसएफ की तरफ से ये जानकारी दी गई है। बीएसएफ ने बताया कि असम के भारत-बांग्लादेश सीमा के पास मौजूद धुबड़ी जिले के तक्कमारी गांव में ब्रह्मपुत्र और गंगाधर नदी के संगम में जवानों ने एक नाव के साथ कुछ लोगों को डूबते देखा। इसके बाद बीएसएफ के जवानों ने तुरंत नदी के भीतर घटनास्थल पर पहुंचकर डूब रही एक महिला और 4 बच्चों को सुरक्षित बचा लिया। जानकारी के अनुसार नदी में नाव के पलटने से ये हादसा हुआ। बीएसएफ के जवानों ने सभी को रेस्क्यू कर मौके पर ही प्राथमिक उपचार देकर उनकी जान बचाई। फिलहाल महिला और बच्चों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक सभी लोग नदी के जरिए एक गांव से दूसरे गांव जा रहे थे, उसी वक्त ये हादसा हुआ। इस पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन को बीएसएफ की 19वी बटालियन ने अंजाम दिया।

डेयरी किसानों के लिए अच्छी खबर

पूरबी डेयरी ने खरीद-दरों में की बढ़ोतरी

गुवाहाटी। पश्चिम असम दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड (वामूल) ने सोमवार को कहा कि उसने दूध खरीद दर में तत्काल प्रभाव से दो रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की है। इससे हजारों किसानों को फायदा होगा। पुरबी डेयरी ब्रांड के तहत दूध और दुग्ध उत्पादों का विपणन करने वाली गुवाहाटी स्थित सहकारी संस्था के इस निर्णय से लगभग 25,000 डेयरी किसानों को सीधा लाभ होगा। वामूल ने एक बयान में कहा कि पुरबी डेयरी ने अपने उत्पादक सदस्यों को दिए जाने वाले दूध खरीद मूल्य में वृद्धि की है। 11 दिसंबर से सभी दूध उत्पादकों को चार प्रतिशत वसा और 8.5 प्रतिशत एसएनएफ (सॉलिड नॉट फैट) वाले दूध के लिए 39 रुपए प्रति किलोग्राम का मूल मूल्य मिलेगा। इस संशोधन के साथ, दूध खरीद मूल्य वामूल के सभी परिचालन क्षेत्रों में एक समान हो जाएगा। दुग्ध सहकारी समिति ने दुग्ध उत्पादकों के लिए मूल्यवर्धन के लिए 11 दिसंबर से 20 जनवरी, 2023 की अवधि के लिए प्रोत्साहन की भी घोषणा की है। वामुल ने कहा कि इस अवधि के दौरान आधार दर 40 रुपए प्रति किलोग्राम होगी, जो माघ बिहू सत्र के दौरान डेयरी किसानों को एक प्रमुख आय प्रोत्साहन प्रदान करेगी। इसने आगे कहा कि अंतिम खरीद मूल्य सीधे दूध की गुणवत्ता पर निर्भर करेगा और यदि कोई किसान उच्च गुणवत्ता वाला दूध उपलब्ध कराने में सक्षम है, तो खरीद मूल्य 45 रुपए प्रति किलोग्राम से भी अधिक हो सकता है।

कलियाबर : नदी में मिला नवजात का शव

नागांव (हि.स.)। नगांव जिला के कलियाबर के दीजू नदी में सोमवार सुबह नवजात बच्चे का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। माना जा रहा है कि अवैध संबंध से जन्मे नवजात को नदी में फेंका गया होगा। उल्लेखनीय है कि शालना पुलिस चौकी अंतर्गत दीजू वैली चाय बागान की लाइन नंबर 10 में एक बच्ची का शव दीजू नदी में मिला है। स्थानीय लोगों ने सुबह नदी में बच्चे के शव को देखा और पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शव को बरामद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। लोगों ने संदेह व्यक्त किया है कि समाज में मान प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचने के डर से बच्चे को नदी में फेंक दिया होगा। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

सीएए के विरोध में छात्र संगठनों ने मनाया काला दिवस

गुवाहाटी (विभास)। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) विरोधी आंदोलन पूर्वोत्तर क्षेत्र में लौट आया है, प्रभावशाली नॉर्थ ईस्ट स्टूडेंट्स ऑर्गनाइजेशन (एनईएसओ) ने रविवार को संसद में कानून के पारित होने की तीसरी वर्षगांठ को पूरे क्षेत्र में काला दिवस के रूप में मनाया।छात्र संगठनों ने काले झंडे और बैनर दिखाकर विवादास्पद कानून को रद्द करने की मांग को लेकर रविवार को पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियों में विरोध प्रदर्शन किया। ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (एएएसयू) सहित सात पूर्वोत्तर राज्यों के आठ छात्र संगठनों का एक शक्तिशाली छात्र निकाय, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा 2019 में संसद में कानून पेश किए जाने के बाद से ही पूरे क्षेत्र में आंदोलन की अगुवाई कर रहा है। असम 2019 में सीएए विरोधी प्रदर्शनों का केंद्र था, एएएसयू ने विभिन्न स्थानों पर स्मारक सभाएं आयोजित कीं और उन पांच लोगों की याद में पुष्पांजलि अर्पित की, जो तीन साल पहले आंदोलन के दौरान गोलीबारी में मारे गए थे। एएएसयू के अध्यक्ष उत्पल शर्मा ने कहा कि वे सीएए को स्वीकार नहीं करेंगे, क्योंकि यह स्वदेशी लोगों और भारत के वास्तविक नागरिकों के खिलाफ है। उन्होंने गुवाहाटी में मीडिया से कहा, हम सीएए के खिलाफ अपना आंदोलन जारी रखेंगे। एनईएसओ के अध्यक्ष सैमुअल बी. जिरवा ने कहा, काला दिवस का अवलोकन भारत सरकार को यह संदेश देना है कि हम सीएए के खिलाफ हैं और साथ ही साथ हमारे लोगों और हमारे पश्चवर्ती लोगों को एक और राजनीतिक अन्याय की याद दिलाने के लिए जो सरकार ने पूर्वोत्तर के स्वदेशी लोगों पर लागू किया। सीएए विरोधी विरोध पहली बार 2019 में असम, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में शुरू हुआ था और कोविड-19 महामारी के फैलने से पहले 2020 तक जारी रहा था। असम में सीएए के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में कम से कम पांच लोग मारे गए, जिसमें कई दिनों तक बड़े पैमाने पर हिंसा और कर्फ्यू लगाया गया। सीएए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों- हिंदुओं, सिखों, बौद्धों, जैनियों, पारसियों और ईसाइयों- को भारतीय नागरिकता देता है- जो विश्वास-आधारित उत्पीड़न का सामना करने के बाद 31 दिसंबर, 2014 तक बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से पलायन कर चुके हैं। इसे संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था और दिसंबर 2019 में राष्ट्रपति की सहमति दी गई थी। हालांकि अभी सीएए के तहत नियम बनाए जाने बाकी हैं।

एसआरसीबी रोड में जल-जमाव से भारी परेशानी

गुवाहाटी (नसं)। फैंसी बाजार मे व्यापारिक मामले में सबसे अधिक व्यस्त रहने वाली सड़क एसआरसीबी रोड गंदे नाले के पानी के रिसाव से दुर्गंधमय हो गई है। जिसके चलते फुटपाथ पर लोगों का चलना दूभर हो गया है। रेल गेट नंबर 3 से लेकर बजरंगबली मार्केट तक फुटपाथ से गंदा पानी निकल कर सड़क पर जमा हो गया है। जिसे देखने पर ऐसा लगता है कि बरसात से कृत्रिम बाढ़ उत्पन्न हो गई है। गंदा पानी ही नहीं पानी से भयंकर दुर्गंध भी फैल रही है। इसी फुटपाथ पर सांगानेरिया धर्मशाला अवस्थित है। जहां आयोजित एक समारोह में आने वाली महिलाओं को गंदे पानी के कारण धर्मशाला प्रांगण पहुंचने में काफी घूम कर आना पड़ा। इस गंदगी के सामने ही एलोजी स्कूल है जहां स्कूली बच्चों को दुर्गंध में वातावरण से गुजरना पड़ता है। गौर करने लायक बात यह है कि फुटपाथ पर बने नाले में अत्याधिक मात्रा में प्लास्टिक के जमा होने की वजह से नाले का पानी नाली से बाहर निकलना शुरू हो गया है। स्थानीय लोगों में जागरूकता के अभाव के कारण यह समस्या पैदा हो रही है। एसआरसीबी रोड व्यापारी क्षेत्र होने की वजह से इस रोड पर काफी चहल-पहल और वाहनों का आना-जाना बना रहता है। मगर किसी ने भी इस समस्या के विरोध में न तो आवाज उठाई है और ना ही जागरूकता अभियान चलाया है।

धींग से भारी मात्रा में हेरोइन बरामद

नगांव (निसं)। शहर के धींग रोड और नारामारी इलाके में पुलिस की छापामारी के दौरान भारी मात्रा में पुलिस ने हेरोइन बरामद किया है। गोपनीय सुचना के आधार पर पुलिस ने आज उक्त इलाके में तलाशी अभियान चलाते हुए ड्रग्स के गोरखधंधे में शामिल अनवर दफ्तरी तथा रसमीना खान को पुलिस ने आज दोपहर को रंगे हाथों पकड़ा। पुलिस ने उन दोनों के घर से 93 कंटेनर हिरोइन बरामद किया है। उल्लेखनीय है कि पुलिस के चुंगल में फंसे उक्त दोनों आरोपी पिछले काफी सालों से ड्रग्स और हिरोइन के व्यवसाय को इलाके में अंजाम देते आ रहा था, जिससे इलाके के लोग काफी परेशान थे। स्थानीय लोगों का कहना है कि इलाके के साथ ही बाहरी क्षेत्र के युवा वर्ग उक्त दोनों आरोपी के बहकावे में फंसकर ड्रग्स जैसे जानलेवा नशीले पदार्थों का सेवन कर अपने जीवन को ध्वंस करने का काम कर रहे थे। पुलिस की इस सफलता के बाद स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

गौ-सेवकों के बीच कंबल का वितरण

गुवाहाटी। पिछले कुछ दिनों से एकाएक बड़ी ठंड को देखते हुए मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा की ओर से गौ सेवकों के बीच कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम संयोजक मक्खन अग्रवाल ने बताया कि अध्यक्ष सुशील गोयल के नेतृत्व में आठगांव तथा मालीगांव गौशाला में गौ माता की सेवा में जुटे करीब 150 से अधिक गौ सेवकों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। शाखा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका ने बताया कि गौशाला जैसे खुले एवं प्राकृतिक वातावरण के बीच गौ सेवक दिन रात गौ माता की सेवा में जुटे रहते हैं। ऐसे में ठिठुरती ठंड को देखते हुए शाखा की ओर से अपने नर सेवा नारायण सेवा प्रकल्प के तहत गौ सेवकों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। इस कार्य को संपादित करने में महावीर अग्रवाल का विशेष रूप से सहयोग रहा। इस मौके पर अध्यक्ष सुशील गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप भुवालका, कोषाध्यक्ष सूरज सिंघानिया, संयुक्त सचिव मक्खन अग्रवाल, प्रभास पोद्दार, गौतम शर्मा, विकास जैन सहित अन्य सदस्य मौजूद थे। इस दौरान व्यवस्था बनाने में श्री गौहाटी गौशाला के कर्मचारियों का भरपूर सहयोग मिला।

स्वतंत्रता सेनानी दलवीरसिंह लोहार नामक पुस्तक का विमोचन

विश्वनाथ (निसं)। अखिल असम गोर्खा छात्र संघ धेमाजी जिला की कार्यालय, सिलापथार में भारतीय कामी उन्नयन परिषद, असम राज्य समिति की कल कार्यकारिणी बैठक एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह संपन्न हुआ। पहला सत्र में परिषद का अध्यक्ष शेखर सिरवाल की अध्यक्षता में कार्यकारिणी बैठक संपन्न हुआ। बैठक में परिषद के सौजन्य में सिलापथार मे होने वाले दलवीरसिंह लोहार का मूर्ति निर्माण बारे मे काम की अग्रगति, पूंजी गठन, सांगठनिक दिशा ओर कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय हुआ। दूसरा सत्र में सेवानिवृत्त शिक्षक तथा कवि नाट्यकार रामलाल सिन्चेउरी की अध्यक्षता में पुस्तक विमोचन समारोह भव्य आयोजित किया गया। विश्वनाथ के विशिष्ट सांस्कृतिक कर्मी तथा लेखक प्रेम विश्वकर्मा द्वारा लिखित स्वतंत्रता सेनानी दलवीर सिंह लोहार पुस्तक का लोकार्पण गोर्खा स्वायत्व शासन मांग समिति, असम के अध्यक्ष गोर्खा नेता हर्कबहादुर छेत्री ने किया। दलवीरसिंह लोहार बारे में लिखी गई इस पहला ऐतिहासिक जीवनीमूलक पुस्तक का लोकार्पण करते हुए छेत्री ने कहा आज से यह पुस्तक गोर्खा जाति का एक दलील माना जाएगा और दलवीरसिंह लोहार के वंशजों को क्यों एनआरसी चाहिए ऐसा उन्होंने सरकार पर प्रश्न करते हुए जोरदार भाषण रखा। प्रेम विश्वकर्मा ने अपना वक्तव्य में वरिष्ठ स्वतंत्रता सेनानी, पूर्वोत्तर भारत के पहला गोर्खा विधायक, श्रमिक नेता दलवीरसिंह लोहार की जीवनी लेखन कार्य संपूर्ण करने पर खुद को गौरव अनुभव करते हुए सभी अग्रजों, शुभचिंतक एवं प्रकाशक भारतीय कामी उन्नयन परिषद, असम राज्य समिति को आभार प्रकट किया। विशेष रुप में उन्होंने अर्थ दाता-चंदवीर सुनार, गोविन विश्वकर्मा, सुमित सुनार, श्याम घतानी, अरूण सुनार और प्रेम दर्नाल प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित किया। उक्त सभा का उदेश्य व्याख्या परिषद का प्रभारी सचिव घनलाल विश्वकर्मा ने किया और शिक्षा सचिव राजेन सुनार की संचालन में स्थानीय युवतियों द्वारा समूह अतिथियों को असमीया फूलाम गामोछा से स्वागत किया गया। उक्त समारोह में अखिल असम गोर्खा छात्र संघ, केंद्रीय समिति के उपाध्यक्ष दिलीप गजुरेल, आग्सु धेमाजी जिल्ला समिति के अध्यक्ष सोमराज पुरी और महासचिव पार्थ छेत्री, असम नेपाली साहित्य सभा, धेमाजी जिला समिति के महासचिव मित्रलाल शर्मा, वरिष्ठ समाज सेवक लक्ष्मण कालिकोटे, गोपाल रुचाल, नारायण बराईली और भाकाउप लखिमपुर जिला समिति के अध्यक्ष सुमित सुनार, महासचिव गोविन विश्वकर्मा, विश्वनाथ जिला समिति के अध्यक्ष नरेन विश्वकर्मा, धेमाजी जिला समिति के अध्यक्ष गोपाल विश्वकर्मा तथा धेमाजी जिला और सिलापथार क्षेत्र के ढेर सारे सदस्य, युवक-युवती एवं स्थानीय गण्यमान्य महानुभावों की उपस्थिति में समारोह का गरिमा बढ़ाया।

सेवक-रंगपो रेल परियोजना का एक और मील का पत्थर किया हासिल

गुवाहाटी (विभास)। मील का पत्थर की उपलब्धि में, सेवक 1 रंगपो रेल परियोजना ने 10 दिसंबर, 2022 को मुख्य टनल के साथ निकासी टनल का ब्रेकथ्रू कर दिखाया है। पश्चिम बंगाल के कलिंपोंग जिला स्थित टनल नंबर 11 में पहला ब्रेकथ्रू इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड के परियोजना निदेशक, मुख्य महाप्रबंधक और अन्य अधिकारी, पूर्वोत्तर सीमा रेल, एंबर्ग इंजीनियरिंग (डिटेल डिजाइन कंसल्टेंसी) की टीम और निर्माण एजेंसी एबीसीआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के साथ स्थानीय प्रशासन की उपस्थिति में मिला। मुख्य टनल की लंबाई 3232 मीटर और निकासी टनल 960 मीटर है, जो कलिंपोंग में तारखोला और तुमलांगखोला के बीच स्थित है। टनल कमतर हिमालय की संवेदनशील और चुनौतीपूर्ण भौगोलिक परिस्थितियों से गुजरती है। इस सेवक-रंगपो रेल परियोजना में अन्य सभी सुरंगों की तरह, भूद्रव्य की भेद्यता का मुकाबला करने के लिए, नवीनतम और सबसे परिष्कृत टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड या एनएटीएम को अपनाया गया है। न केवल भारत के शीर्ष श्रेणी और बेहतर अनुभवी इंजीनियर्स, बल्कि उच्च अनुभवी विदेशी इंजीनियर्स भी इस परियोजना में लिप्त हैं। निकासी टनल एनएच - 10 और मुख्य टनल संख्या 11 को जोड़ रही है। यह नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किलोमीटर लंबी है और 14 टनल, 13 बड़े पुल, 10 छोटे पुल और 4 नए स्टेशन इसकी विशेषता है। संपूर्ण परियोजना संरेखण का लगभग 38 किलोमीटर टनलों से होकर गुजर रहा है और यहां यह उल्लेख करना है कि टनल निर्माण का 63त्न कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और 4 टनलों के माध्यम से काम किया गया है। 2023 के अंत तक परियोजना को पूरा करने के लिए वर्तमान में टनलों, पुलों और स्टेशन यार्ड के निर्माण से संबंधित सभी गतिविधियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। इसके पूर्ण होने से क्षेत्र के पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा। एक बार शुरू होने के बाद, यह परियोजना सिक्किम को रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। इस क्षेत्र के लोगों को देश भर में लंबी दूरी की पहुंच मिलेगी और लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सिक्किम को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति की जा सकेगी।

हिमालच के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री ने संभाला कार्यभार

हाईकमान से मंत्रणा के बाद होगा कैबिनेट का गठन, पहली बैठक में बहाल करेंगे ओपीएस : सुक्खू

शिमला, (हि.स.)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोमवार सुबह राज्य सचिवालय स्थित अपने-अपनेकार्यालयों में विधिवत रूप से कार्यभार संभालकर कामकाज की शुरूआत की। मुख्यमंत्री के सचिवालय पहुंचने पर महिला पुलिस की टुकड़ी ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद सखविंदर सिंह सुक्खू ने पत्रकारों के सवाल पर कहा कि एक गरीब परिवार का व्यक्ति भी मुख्यमंत्री बनेगा, यह उन्होंने कभी सोचा नहीं था। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार पूरी पारदर्शिता से काम करेगी। जल्द मंत्रिमंडल का गठन होगा। मंत्रिमंडल में युवाओं और वरिष्ठ विधायकों का समावेश होगा। पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं के अनुभवों से सीखर लेकर सरकार को चलाएंगे। सुक्खू ने कहा कि मंत्रिमंडल की पहली बैठक में ओल्ड पैंशन स्कीम को बहाल किया जाएगा। कांग्रेस की सभी गारंटियों को आने वाले समय में लागू किया जाएगा। उनकी सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए काम करेगी। भ्रष्टचार को किसी भी सूरत में बर्दाशत नहीं किया जाएगा। भ्रष्टाचार रोकने के लिए सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करेगी। इसके लिए जल्द ट्रांसपरेंसी एक्टट लाया जाएगा। सुक्खू प्रदेश के 15वें मुख्यमंत्री बने हैं। वहीं मुकेश अग्निहोत्री पहले उप मुख्यमंत्री बने और वह सचिवालय के कमरा नंबर 215 में बैठे। प्रदेश में पहले उप मुख्यमंत्री नहीं था। ऐसे में सचिवालय में उप मुख्यमंत्री का पहले से चिन्हित कमरा नहीं है। अग्निहोत्री वर्ष 2012 से 2017 तक तत्कालीन वीरभद्र सिंह सरकार में उद्योग मंत्री रहते हुए भी इसी कमरे में बैठते थे और इस बार उन्होंने उप मुख्यमंत्री बनने पर भी इसी कमरे को चुना है। बता दें कि सुखविंद्र सिंह सुक्खू और मुकेश अग्निहोत्री ने पिछले कल रविवार को शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर आयोजित भव्य समारोह में शपथ ग्रहण की थी। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी, कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

कांग्रेस नेता के बिगड़े बोल, सीएम शिवराज ने कहा- यह विद्वेष की पराकाष्ठा है

भोपाल, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया द्वारा प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ विवादास्पद बयान देने के बाद मध्य प्रदेश में एक बड़ा राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। विवादित बयान देकर पूर्व मंत्री भाजपा नेताओं के निशाने पर आ गए हैं। भाजपा के सभी वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों ने कांग्रेस नेता के बयान की निंदा की है। प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के आदेश पर राजा पटेरिया के खिलाफ मामला भी दर्ज हो गया है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी कांग्रेस नेता के बयान की आलोचना करते हुए करारा जवाब दिया है। चौहान ने कांग्रेस नेता राजा पटेरिया के विवादित बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि भारत जोड़ो यात्रा का ढोंग करने वालों की असलियत सामने आ रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी जनता के दिल में बसते हैं। सम्पूर्ण देश के श्रद्धा व आस्था के केंद्र हैं। मैदान में कांग्रेस के लोग उनसे मुकाबला नहीं कर पाते, इसलिए उनकी हत्या की बात कर रहे हैं। सीएम शिवराज ने बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह विद्वेष की पराकाष्ठा व घृणा की अति है।

कांग्रेस के असली भाव प्रकट हो रहे हैं। ऐसी चीजों को सहन नहीं किया जाएगा। एफआईआर की जा रही है और कानून अपना काम करेगा। गौरतलब है कि पूर्व मंत्री राजा पटेरिया रविवार को पन्ना में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इसी कार्यक्रम का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। पटेरिया कार्यकर्ताओं से कहते हुए नजर आ रहे हैं कि मोदी चुनाव खत्म कर देगा, मोदी धर्म, जाति, भाषा के आधार पर बांट देगा, दलितों का आदिवासियों का और अल्पसंख्यकों का जीवन खतरे में है। अगर संविधान को बचाना है तो मोदी की हत्या करने के लिए तैयार रहो। यह वीडियो सामने आने के बाद भाजपा नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

सत्येंद्र जैन के सह आरोपितों की जमानत याचिका पर ईडी को नोटिस

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले के सह आरोपितों वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए ईडी को नोटिस जारी किया है। इस मामले में दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन मुख्य आरोपी हैं। वैभव जैन और अंकुश जैन ने ट्रायल कोर्ट की ओर से जमानत याचिका खारिज करने के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। 17 नवंबर को राऊज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन की जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट में सुनवाई के दौरान जैन की ओर से पेश वरिष्ठ वकील एन हरिहरन ने कहा था कि ईडी मनी लॉन्ड्रिंग कानून की मनमानी व्याख्या कर रहा है। उन्होंने कहा था कि पैसा अंकुश जैन, वैभव जैन और दूसरे आरोपितों का है जो कि एंट्री से साफ है।

यह कर उल्लंघन का मामला हो सकता है लेकिन मनी लॉन्ड्रिंग का नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यह सत्येंद्र जैन का पैसा कैसे हो सकता है। ईडी ने जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि सत्येंद्र जैन ने हवाला आपरेटर को 40-50 बार नकदी उपलब्ध कराया। ईडी की ओर से पेश एएसजी एसवी राजू ने कहा था कि जैन लगातार गलत जानकारी दे रहे थे जो भारतीय दंड संहिता के मुताबिक अपराध है। राजू ने कहा कि सत्येंद्र जैन, उनका परिवार और उनके करीबी लूट रहे थे। कंपनी के फर्जी निदेशक बना दिए गए थे और जैन कंपनी को पीछे से संचालित कर रहे थे। राजू ने कहा था कि ये मामला एक करोड़ रुपये से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग का है, ऐसे में जैन को जमानत न दी जाए।

जस्टिस दीपांकर दत्ता ने सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में शपथ ली

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने आज सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में शपथ ली। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस दीपांकर दत्ता को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में सुप्रीम कोर्ट के सभी जज और बड़ी संख्या में वकील मौजूद रहे। जस्टिस दत्ता की नियुक्ति की अधिसूचना 11 दिसंबर को जारी हुई थी। उनके नाम की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 26 सितंबर को की थी। जस्टिस दत्ता को अप्रैल 2020 में बाम्बे हाई कोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया गया था। 1965 में जन्मे जस्टिस दत्ता ने 1989 में कलकत्ता यूनिवर्सिटी से एलएलबी की डिग्री लेकर उसी साल बतौर वकील एनरोलमेंट कराया था। 22 जून 2006 को उन्हें कलकत्ता हाई कोर्ट में स्थायी जज नियुक्त किया गया। जस्टिस दत्ता के शपथ ग्रहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट में जजों की कुल संख्या 28 हो गई है। सुप्रीम कोर्ट में जजों की स्वीकृत संख्या 34 है।

'आप' विधायक सौरभ भारद्वाज ने नवनिर्वाचित निगम पार्षद के साथ जनता से किया संवाद

अजय कुमार

नई दिल्ली। राजधानी में नगर निगम चुनाव संपन्न होने के बाद नव निर्वाचित जनप्रतिनिधि जनता के बीच पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में दिल्ली के पॉश चितरंजन पार्क इलाके में ग्रेटर कैलाश के विधायक व आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज, चितरंजन पार्क से नवनिर्वाचित आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद आशा ठाकुर के साथ लोगों के बीच पहुंचे और संवाद किया। इस कार्यक्रम का आयोजन चितरंजन पार्क इलाके में स्थानीय लोगों के द्वारा किया गया जिसमें आप विधायक व निगम पार्षद पहुंचे। इस दौरान लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं और मुद्दों के बारे में निगम पार्षद आशा ठाकुर और आप विधायक सौरभ भारद्वाज को बताया जिनको दोनों जनप्रतिनिधियों ने सुना और इन समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन लोगों को दिया। चितरंजन पार्क क्षेत्र के निवासी विवेक शर्मा ने बताया कि, दिल्ली नगर निगम चुनाव संपन्न होने के बाद हमने चितरंजन पार्क इलाके में 'बात संवाद' नाम से कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें ग्रेटर कैलाश से विधायक सौरभ भारद्वाज और चितरंजन पार्क से चुनी गई निगम पार्षद आशा ठाकुर पहुंची। इस दौरान हमने यहां की समस्याओं जैसे अतिक्रमण, पेड़ों की कटाई छटाई, आवारा पशु और साफ सफाई जैसे मुद्दे को उनके सामने उठाया। इन समस्याओं को लेकर जनप्रतिनिधियों ने हमसे कहा कि आने वाले समय में इनका समाधान किया जाएगा। राजधानी दिल्ली में हाल ही में संपन्न हुए नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी को जीत मिली है आम आदमी पार्टी ने 134 सीटों पर कब्जा जमाया है।

फिर कोर्ट में पेश किए गए पार्थ, कहा : तृणमूल का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

कोलकाता, (हि.स.)। शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तारी के बाद से जेल में बंद राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी सोमवार को एक बार फिर अलीपुर कोर्ट में पेश किए गए। यहां न्यायालय में प्रवेश करने से पहले एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि तृणमूल का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। दरअसल भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी कई बार कह चुके हैं कि दिसंबर में कुछ बड़ा होने वाला है, सरकार भी गिर सकती है। इसे लेकर हाल में तृणमूल भाजपा के बीच जुबानी जंग चल रही है। इसी को लेकर पार्थ चटर्जी से सवाल पूछा गया था जिसके जवाब में उन्होंने कहा कि तृणमूल का कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। दरअसल शुभेंदु अधिकारी ने तीन तारीखें दी थी। उन्होंने कहा था कि दिसंबर की 12, 14 और 21 तारीख बेहद महत्वपूर्ण है। इंतजार करिए और देखिए क्या-क्या होता है। इनमें से 12 तारीख आज ही है लेकिन राज्य में कोई बहुत बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम नहीं हुआ है। इसलिए माना जा रहा है कि शुभेंदु ने केवल पॉलीटिकल माइलेज हासिल करने के लिए यह बयान दिया था।

अगले साल होने वाले प. बंगाल निकाय चुनाव में हिंसा का खतरा

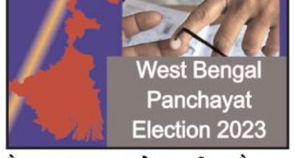

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव तिथि की घोषणा अभी बाकी है। अगले साल अप्रैल से पहले चुनाव होने की कोई संभावना नहीं है। चुनाव के लिए अभी कम से कम चार माह अभी बाकी हैं पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में लोग पहले से ही उस महायुद्ध की गर्मी महसूस कर सकते हैं। विस्फोट गोलीबारी और हथियारों की बरामदगी ने साफ कर दिया है कि तैयारी किस स्तर पर की जा रही है। आशंका यह है कि इस बार मतदान के आसपास काफी खून-खराबा करने की तैयारी है। 2 दिसंबर की तड़के पूर्वी मिदनापुर जिले के कांथी में एक स्थानीय तृणमूल कांग्रेस नेता के आवास पर एक शक्तिशाली विस्फोट हुआ जो विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के पैतृक आवास के करीब है इस विस्फोट ने न केवल उस घर को उड़ा दिया बल्कि घर में मौजूद 3 लोगों की जान भी ले ली। इससे पहले कि लोग सदमे से उबर पाते 6 दिसंबर को दक्षिण 24 परगना जिले के बरुईपुर में देर रात हुई गोलीबारी में दो लोग मारे गए। साथ ही पिछले पखवाड़े के दौरान एक भी दिन ऐसा नहीं बीता जब विस्फोट या बिना लाइसेंस वाले हथियारों विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से कच्चे बम या विस्फोटक की बरामदगी की खबर नहीं आई। हिंसा को लेकर हमेशा की तरह राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। एक ओर शुभेंदु अधिकारी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर स्थिति नियंत्रित करने के लिए उनके हस्तक्षेप की मांग की है। दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस के राज्य महासचिव और पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रवक्ता कुणाल घोष ने भाजपा पर पहले इस तरह के विस्फोटों और गोलीबारी की साजिश रचने और फिर राष्ट्रीय जांच एजेंसी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को हस्तक्षेप करने की सुविधा देने के लिए हल्ला मचाने का आरोप लगाया है। माकपा नेता और पार्टी की केंद्रीय समिति के सदस्य सुजान चक्रवर्ती के लिए तृणमूल कांग्रेस और भाजपा दोनों राज्य में आतंक पैदा करने के लिए ग्रामीण निकाय चुनावों से पहले शांति भंग करने की कोशिश कर रहे हैं।

अब नौसेना और भारतीय तटरक्षक के लिए खरीदे जाएंगे 15 सी-295 समुद्री विमान

नई दिल्ली, (हि.स.)। स्पेन की कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस से भारतीय वायु सेना के लिए 56 सी-295 ट्रांसपोर्ट विमानों का सौदा होने के बाद अब नौसेना और भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के लिए 15 और एयरक्राफ्ट लेने की तैयारी में है। समुद्री सुरक्षा के लिहाज से यह विमान मल्टी-मोड रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक कैमरा और सोनोबॉय से लैस होंगे। 15 अतिरिक्त खरीदे जाने वाले सी-295 विमानों में 09 भारतीय नौसेना को और 06 आईसीजी के लिए होंगे। भारतीय वायु सेना के लिए वर्षों से लटके सी-295 ट्रांसपोर्ट सैन्य परिवहन विमान खरीदने का सौदा 24 सितम्बर को फाइनल हुआ था। इसी दिन रक्षा मंत्रालय और स्पेन की कंपनी एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के बीच 21,935 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए गए थे। सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति ने 08 सितम्बर को भारतीय वायु सेना के लिए 56 ट्रांसपोर्ट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के 48 माह के भीतर स्पेन की कम्पनी भारत को 16 विमानों की सीधे 'फ्लाइंग मोड' में आपूर्ति करेगी और दस वर्षों के भीतर टाटा कंसोर्टियम भारत में ही 40 विमानों का निर्माण करेगा। रक्षा मंत्रालय अब नौसेना और तटरक्षक बल के लिए भी ऐसे 15 अन्य विमानों के अधिग्रहण की योजना बना रहा है। नौसेना के लिए नौ और तटरक्षक बल के लिए छह सी-295 विमानों को समुद्री सुरक्षा के लिहाज से संशोधित किया जाना है। इन विमानों को गहरे समुद्र में निगरानी मिशन के लिए कैमरे और सोनोबॉय, मल्टी-मोड राडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक से लैस करने की योजना है। कंपनी भारत की समुद्री जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरूआती कुछ विमानों को संशोधित करेगी। बाकी का निर्माण गुजरात के वडोदरा में टाटा-एयरबस सुविधा में किया जाएगा। डीआरडीओ इन विमानों को मध्यम दूरी के समुद्री टोही विमान के रूप में लैस करने के लिए समग्र परियोजना को क्रियान्वित करेगा। रक्षा मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि राजनाथ सिंह की अगुवाई वाली रक्षा अधिग्रहण परिषद जल्द ही 15 समुद्री विमानों के लिए आवश्यकता की स्वीकृति (एओएन) जारी करेगी, जिसकी लागत लगभग 18,000 करोड़ रुपये हो सकती है। दरअसल, नौसेना और तटरक्षक को नए टोही विमानों की तलाश है, ताकि पारंपरिक और आतंकी खतरों का समय पर पता लगाने के लिए हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में अधिक प्रभावी ढंग से गश्त की जा सके।

सुल्ली डील्स मामला: एलजी ने आरोपित पर मुकदमा चलाने की दी मंजूरी

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 'सुल्ली डील्स' ऐप मामले के मुख्य आरोपित ओमकारेश्वर ठाकुर के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी है। आरोप है कि ओमकारेश्वर ने कई महिलाओं की नीलामी के लिए उनकी तस्वीरें इस ऐप पर अपलोड कर दी थीं। इससे पहले दिल्ली पुलिस ने आरोपित पर सीआरपीसी की धारा 196 के तहत मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। यह धारा सरकार के खिलाफ अपराध करने के लिए साजिश रचने से जुड़ी है। पुलिस को इसके तहत केस चलाने के लिए एलजी की मंजूरी की जरूरत थी, जो रविवार को मिल गई। ओमकारेश्वर ने कथित तौर पर सुल्ली डील्स ऐप और सुल्ली डील्स ट्विटर हैंडल बनाया था। पुलिस ने 7 जुलाई 2021 को इस सिलसिले में में एक मामला दर्ज किया था। आरोपित ओमकारेश्वर ने मध्यप्रदेश के इंदौर से कंप्यूटर एप्लीकेशन में ग्रेजुएशन की पढ़ाई की है। उसने कथित तौर पर महिलाओं का अपमान करने के लिए यह ऐप बनाया था और बिना इजाजत कई तस्वीरें अपलोड की थीं। पुलिस ने उसे इस साल जनवरी में गिरफ्तार किया था। आरोपित ने माना था कि महिलाओं को ट्रोल करने के विचार से उसने ऐसा किया था। ओमकारेश्वर ने ट्रेड महासभा नामक ट्विटर का ग्रुप, जनवरी 2020 में एक ट्विटर हैंडल से जॉइन किया था। ग्रुप में इस बात पर चर्चा हुई थी कि महिलाओं को ट्रोल करना चाहिए जिसके बाद उसने गिटहब पर यह ऐप बनाया था। बाद में जब सुल्ली डील को लेकर हंगामा होने लगा तो उसने अपने सोशल मीडिया के सभी फुटप्रिंट डिलीट कर दिए। हालांकि, पुलिस ने टेक्निकल एवं फॉरेंसिक जांच के जरिए इससे संबंधित साक्ष्य बरामद किए थे। इस बात की पुष्टि, उसके खिलाफ किशनगढ़ थाने में दर्ज एफआईआर से हुई थी। आरोपित ने एक युवती की तस्वीर लगाकर उस पर बोली लगाने का ट्वीट किया था। इसे लेकर पुलिस ने जब आगे छानबीन की तो पता चला कि सुल्ली डील ऐप बनाने वाले के भी संपर्क में वह रहा। इस जानकारी पर दिल्ली पुलिस की टीम ने मध्यप्रदेश में छापा मारकर वहां से ओमकारेश्वर को गिरफ्तार किया। 25 वर्षीय ओमकारेश्वर ने इंदौर स्थित आईपीएस एकेडमी से बीसीए किया हुआ है। शुरूआती पूछताछ के दौरान उसने यह कबूल किया कि वह ट्विटर पर ट्रेड ग्रुप का सदस्य है और महिलाओं को ट्रोल करने एवं बदनाम करने के मकसद से उसने यह ऐप बनाया था। उसने गिटहब पर यह कोड बनाया। इसका एक्सेस ग्रुप के सभी सदस्यों को दिया गया था। साथ ही उसने इस ऐप को अपने ट्विटर अकाउंट पर भी साझा किया था। इसमें ग्रुप के सदस्यों ने महिलाओं की तस्वीर डाली थी और उन पर बोली लगवाने का प्रयास किया था।

सिंगापुर से पटना लौटे तेजस्वी बताया लालू की तबियत अब ठीक बहन की भी तेजी से हो रही रिकवरी

पटना (ईएमएस)। सिंगापुर में पिता लालू प्रसाद यादव के सफल किडनी ट्रांसप्लांट ऑपरेशन के बाद बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव रविवार की शाम पटना पहुंच गए हैं। पटना पहुंचते ही तेजस्वी यादव ने लालू यादव के स्वास्थ्य की जानकारी देते हुए बताया कि उनका ऑपरेशन सफल रहा है। अब नई किडनी ने काम करना शुरू कर दिया है। बहन की भी रिकवरी अच्छे से हो रही है। पटना लौटते ही तेजस्वी यादव ने कुढ़नी उपचुनाव में महागठबंधन की हार पर बयान देते हुए कहा कि चुनाव में हार-जीत होती रहती है कौन घबरा रहा है। कुढ़नी में लोकल इश्यूज पर चुनाव था। 15 साल से राजद हार रही थी। लेकिन पिछले दो बार से राजद विधानसभा चुनाव में सिंगल लार्जेस्ट पार्टी बनी हुई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि देश का चुनाव गरीबी महंगाई बेरोजगारी के मुद्दे पर होगा।

उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि लालू प्रसाद के स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। बिहार के कुढनी उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि कुढनी को लेकर समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि एमसीडी के साथ-साथ भाजपा हिमाचल का चुनाव भी हार गई। हिमाचल और दिल्ली में भाजपा का क्या हाल हुआ। इस पर चर्चा नहीं हो रही है। इस पर चर्चा कीजिए। तेजस्वी ने कहा कि जनता ने किस तरह यहां भाजपा को रिजेक्ट किया है उसका परिणाम 2024 में देखने को मिलेगा। देश में जिस तरह से बेरोजगारी बढ़ी है किसान और गरीब तबाह है उसके बाद जनता ने यह बता दिया है कि अब भाजपा को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं।

जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के अंतर्गत विवाह सम्पन्न कराया गया : जिलाधिकारी

हरदोई,(हि.स.)। राजकीय इण्टर कालेज हरदोई के प्रांगण में जिला प्रशासन की ओर से आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में मुख्य अतिथि राज्यमंत्री आबकारी एवं मद्यनिषेध की उपस्थिति में गणेश पूजन एवं दीप प्रज्जलन के साथ 161 हिन्दू तथा 10 मुस्लिम गरीब कन्याओं का विवाह विधि विधान के साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर मंत्री ने मुख्यमंत्री विवाह के अन्तर्गत दी जाने वाले 35 हजार रुपये की धनराशि लैपटॉप पर क्लिक कर सीधे लाभार्थियों के खाते में स्थानान्तरित की। कार्यक्रम में नव विवाहित कुल 171 जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान करते हुए मंत्री ने कहा कि आप सभी का वैवाहिक जीवन सफल एवं खुशहाल रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत आज इस भव्य कार्यक्रम गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले असहाय, निराश्रित लोगों का विवाह सम्पन्न कराया गया है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि सभी का गृहस्थ जीवन खुशमय हो और सभी अपने वैवाहिक जीवन में सफलता पाएं। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मंत्री, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित सभी अतिथियों का एवं नव विवाहित जोड़ों उनके परिजनों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि उनका वैवाहिक जीवन मंगलमय हो और उन्हें जीवन में सभी खुशियाँ प्राप्त हो। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने बताया कि आज जनपद में राजकीय इण्टर कालेज हरदोई, तहसील सण्डीला, शाहाबाद, बिलग्राम एवं सवायजपुर को मिलाकर कुल 642 जोड़ों का मुख्यमंत्री सामूहिक योजना के अन्तर्गत विवाह सम्पन्न कराया गया है और शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक लाभार्थी के खाते में 35 हजार रुपये नगद धनराशि भेजने के साथ 10 हजार रुपये की वैवाहिक सामग्री उपलब्ध कराई गयी है। कार्यक्रम में मंत्री सहित सभी अतिथियों ने नव विवाहित जोड़ों पर पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद दिया।

जीएसटी विभाग की ताबड़तोड़ छापेमारी एवं सर्वे के विरोध में व्यापारियों ने ओढ़ा कफन

-व्यापारियों ने जीएसटी विभाग परिसर में किया प्रदर्शन

वाराणसी, (हि.स.)। जीएसटी विभाग द्वारा ताबड़तोड़ छापेमारी एवं सर्वे से क्षुब्ध व्यापारियों ने सोमवार को चेतगंज स्थित वाणिज्य कर कार्यालय परिसर स्थित जीएसटी विभाग के सामने अनूठे तरीके से विरोध जताया। वाराणसी व्यापार मंडल के बैनर तले जुटे व्यापारियों ने कफन ओढ़ कर अपने को मृत बताया। और जीएसटी विभाग के दुर्व्यवहार और उत्पीड़न के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। व्यापारी नेता अजीत सिंह बग्गा और रमेश निरंकारी ने बताया कि पूरे उत्तर प्रदेश में जीएसटी विभाग द्वारा ताबड़तोड़ छापेमारी एवं सर्वे से व्यापारी वर्ग दहशत में है। जीएसटी अधिकारियों द्वारा व्यापारियों का शोषण एवं उत्पीड़न चरम पर है। इसको लेकर व्यापारियों में आक्रोश है। लखनऊ गोरखपुर सहित अन्य शहरों में भी इस सर्वे का विरोध चल रहा है,व्यापारी लामबंद हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब सारी व्यवस्था ऑन लाइन है,आनलाइन चेकिंग हो रही है। ट्रकों की चेकिंग हो रही है ,जगह–जगह कैमरे लगे हुए हैं। ऐसे में व्यापारियों के प्रतिष्ठान पर जाने का क्या मतलब है? व्यापारी नेताओं ने कहा कि छापे और सर्वे बंद नहीं हुए तो व्यापारी सड़कों पर उतर कर इसका विरोध करेंगे।

भारत में इस्लामी शिक्षा देने के लिए बनाये गए मदरसे : डा. इफ़्तेखार अहमद

– अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह से निभा रहे मदरसे

लखनऊ, (हि.स.)। भारत में मदरसों को मुसलमानों में इस्लामी शिक्षा के प्रचार व प्रसार के मौलवी तैयार करने के लिए स्थापित किया गया था। भारत के मदरसे अपना कर्तव्य का निर्वहन पूरी तरह से कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष डाक्टर इफ़्तेखार जावेद ने हिन्दुस्थान समाचार से विशेष वार्ता में कहा कि मदरसों का काम मुसलमानों के बीच इस्लामी शिक्षा के प्रचार और प्रसार के लिए मौलवी तैयार करना है। मदरसे अपना कर्तव्य अच्छी तरह से निभा रहे हैं। मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा मदरसों का आकलन इस आधार पर होना चाहिए कि उनको मकसद के लिए स्थापित किया गया था, क्या वह उस को ठीक से कर रहे हैं या नहीं? उन्होंने कहा मैं यह कह सकता हूँ कि मदरसे अपना कार्य भली प्रकार से कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मदरसों के सर्वे के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि अक्सर मदरसों के कार्यकलापों पर शक की बुनियाद पर प्रश्न किया जाता रहा है। ऐसे में इस सर्वे ने उन शंकाओं को खत्म कर दिया है कि मदरसों में कुछ गलत हो रहा है। इस सर्वे ने मदरसों की छवि को साफ किया है। डाक्टर जावेद ने मीडिया द्वारा मदरसों को अवैध बताये जाने पर कड़ा प्रतिरोध जताते हुए कहा कि ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा बहुत से मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड से सम्बद्ध नहीं हैं लेकिन उनको अवैध कहना गलत है। डाक्टर जावेद ने बताया कि हम मदरसे के बच्चों को इस्लामी शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा से भी जोड़ना चाहते हैं, ताकि उनकी समझ को और विस्तार दिया जा सके।

थाना गलशहीद पुलिस ने रास्ता भटकी युवती को परिजनों के किया सुपुर्द

मुरादाबाद (हि.स.)। प्रभारी निरीक्षक थाना गलशहीद को हमराही पुलिस बल के साथ क्षेत्र भ्रमण के दौरान आज रात्रि समय करीब 10 बजे पुराने रोडवेज बस स्टैण्ड के पास एक युवती उम्र करीब 19 वर्ष परेशान अवस्था में घूमती हुई मिली। महिला आरक्षी शिवानी देवी के द्वारा सांत्वना देते हुये शालीनता से उसके व परिजनों के बारे मे पूछताछ की तो उसने बताया कि वह थाना मूढापाण्डे क्षेत्रान्तर्गत की रहने वाली है जो बीती 10 दिसम्बर शनिवार को अपने घर से आवश्यक कार्य से जनपद संभल गई थी वापस आते हुए आज रास्ता भटक गई है। इस पर थाना प्रभारी द्वारा उचित माध्यम से परिजनों से सम्पर्क कर उन्हें पुलिस चौकी रोडवेज बुलाकर आवश्यक कार्यवाही करते हुये रास्ता भटकी युवती को सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया।

नशे में वाहन चलाने वालों से वसूला जाएगा जुर्माना, वाहन होंगे जब्त

रांची, (हि.स.)। रांची में नशे में वाहन चलाने वालों की अब खैर नहीं। क्रिसमस और नए साल को लेकर पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चला रही है। इसी क्रम में रविवार देर रात कुल 143 वाहनों की जांच की गई। ब्रेथ एनालाइजर से जांच के बाद उन पर जुर्माना लगाया गया। कुछ वाहन चालक पुलिस से उलझ गए। इस पर मेडिकल जांच के बाद उनकी गाड़ियां जब्त कर ली गई। वाहन मालिकों को अब कोर्ट से अपनी गाड़ी छुड़ानी होगी। एसएसपी किशोर कौशल ने बताया कि रांची के चारों यातायात थाना की ओर से ड्रंक एंड ड्राइव अभियान चलाया गया। इनमें लालपुर में 29 लोगों की जांच हुई। इसमें चार पॉजिटिव मिले। जबकि चुटिया इलाके में 45 लोगों की जांच में एक पॉजिटिव और गोंदा इलाके में 45 लोगों की जांच में एक पॉजिटिव एवं जगरनाथपुर इलाके में 24 जांच में एक भी पॉजिटिव नहीं मिला। इस दौरान छह वाहन चालक पॉजिटिव पाए गए। एसएसपी ने बताया कि नया साल आने वाला है। अक्सर शराब के नशे में वाहन सवार गाड़ी से नियंत्रण खो देते हैं, जिससे दुर्घटनाएं होती हैं। कई बार सड़क पर पैदल चलने वालों को भी चपेट में ले लिया जाता है। इसे देखते हुए यह कड़ाई बरती गई है। ट्रैफिक में तैनात पुलिस पदाधिकारियों को सख्त आदेश दिया गया है कि अगले 50 दिन लगातार अभियान चलाएं ताकि लोग शराब पीकर गाड़ी नहीं चलाएं।

गन्ने का इंडेंट जारी नहीं होने पर चीनी मिल में पानी की टंकी पर चढ़े किसान

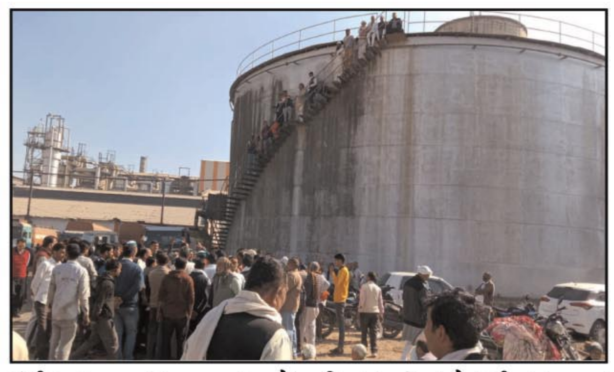

मेरठ, (हि.स.)। गन्ने का इंडेंट जारी नहीं होने और चीनी मिल नहीं चलने के कारण सोमवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल में पानी की टंकी पर चढ़ गए। इसके साथ ही किसानों ने गन्ना भवन में जिला गन्ना अधिकारी का घेराव किया। गन्ने का इंडेंट जारी होने के बाद ही किसान पानी की टंकी से उतरें। 26 नवम्बर को मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल की टरबाइन फटने के कारण वहां पर भीषण आग लग गई थी। आग की चपेट में आकर चीनी मिल के चीफ इंजीनियर नरेंद्र कुशवाहा की मौत हो गई थी और सात कर्मचारी झुलस गए थे। इसके बाद प्रदेश के गन्ना मंत्री लक्ष्मीनारायण चौधरी ने चीनी मिल का निरीक्षण करके हालात का जायजा लिया था और किसानों का गन्ना दूसरी मिलों में भेजने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी किसानों को गन्ने का इंडेंट जारी नहीं हो पा रहा था। अभी तक मोहिउद्दीनपुर चीनी मिल भी शुरू नहीं हुई है। इससे सोमवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा। किसानों ने चीनी मिल में पानी की टंकी पर चढ़कर आत्महत्या करने की चेतावनी दी। इससे मिल प्रशासन के हाथ-पांव फूल गए और आननफानन में मिल अधिकारी किसानों को मनाने में जुट गए। किसानों के एक दल ने गन्ना भवन जाकर जिला गन्ना अधिकारी का घेराव कर दिया। किसानों ने कहा कि हम मर जाएंगे या गन्ने को आग लगा देंगे। मिल बंद होने पर किसान अपना गन्ना लेकर कहां जाए। मंत्री और अधिकारी केवल वायदे करते हैं। आग लगने के बाद 15 दिन में चीनी मिल चालू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक चीनी मिल नहीं चली। किसानों ने जमकर नारेबाजी की। इसे लेकर किसानों और चीनी मिल प्रबंधन के बीच जमकर नोक-झोंक हुई। उधर गन्ना भवन में एसडीएम ओजस्वी राज पहुंचे और किसानों की समस्या को सुना। एसडीएम ने किसानों की मांग पर आठ दिन का गन्ना इंडेंट जारी कराया। किसानों ने किनौनी मिल से सेंटर हटवाने की मांग की। एसडीएम ने किसानों की सभी समस्याओं का हल करने का आश्वासन दिया। प्रतिदिन 22 हजार कुंतल गन्ने का इंडेंट जारी किया गया। इसके बाद किसान भी पानी की टंकी से नीचे उतर आए। इस अवसर पर भाकियू युवा जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी, अजय नेहरा, मोनू, संजय, जगत सिंह आदि उपस्थित रहे।

छात्र भविष्य में इनोवेशन पर ध्यान दें : जी सतीश रेड्डी

-आईआईटी आइएसएम दीक्षांत समारोह आयोजित

धनबाद, (हि. स.)। देश के टॉप शिक्षण संस्थानों में शुमार आईआईटी आइएसएम धनबाद का 42वां दीक्षांत समारोह सोमवार को भव्य समारोह में सम्पन्न हुआ। समारोह में डीआरडीओ के पूर्व अध्यक्ष एवं रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार जी सतीश रेड्डी मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। कार्यक्रम में कुल 1832 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र और पदक दिया गया। इससे पूर्व छात्र-छात्राओं के लिए ड्रेस कोड भी जारी कर दिया गया था। डिग्री पाने वालों में पीएचडी, बीई, बीटेक, ड्यूल डिग्री, एमटेक, एमबीए और एमएससी के छात्र शामिल हैं। दीक्षांत सत्र के दौरान एक छात्र को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल और 54 छात्रों को इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल दिया गया। इसके अलावा 11 छात्रों को सिल्वर मेडल दिया गया। साथ ही 18 छात्रों को स्पांसर मेडल और तीन विद्यार्थियों को पीएचडी थीसिस अवार्ड से नवाजा गया। निदेशक प्रो. राजीव शेखर ने संस्थान से जुड़े विभिन्न अकादमिक और प्रशासनिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया एवं दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने वाले छात्रों को बेहतर भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी। छात्रों को सम्बोधित करते हुए रक्षा मंत्री के वैज्ञानिक सलाहकार एवं पूर्व डीआरडीओ चेयरमैन जी सतीश रेड्डी ने छात्रों से आह्वान किया कि भविष्य में इनोवेशन पर ध्यान दें। स्पेस साइंस, रॉकेट टेक्नोलॉजी, रक्षा टेक्नोलॉजी आदि विषयों पर शोध करें, ताकि पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के आह्वान को साकार किया जा सकें। हम रक्षा क्षेत्र में भी आत्मनिर्भर बने तभी सुपर पावर बन सकेंगे। भारत सुपर सोनिक मिसाईल, डेवलप करने की दिशा में काम कर रहा है। स्वदेशी प्रक्षेपण यान से पृथ्वी से 36 हजार किमी दूर अन्तरिक्ष में उपग्रह स्थापित करने में सफल हुआ है। दुनिया का सबसे हल्का बुलेटप्रूफ जैकेट आईआईटी के छात्रों के द्वारा ही निर्माण किया गया है। ये कुछ उदाहरण है जो आपको देश के लिए इनोवेशन के लिए प्रेरणा का काम करेगी।

डॉ अनिल पाठक की आठवीं पुण्यतिथि पर बाल गृह के बच्चों के बीच गर्म कपड़े का वितरण

सहरसा, (हि.स.)। शहर के नया बाजार स्थित आशीर्वाद नर्सिंग होम के संस्थापक स्वर्गीय डॉ अनिल पाठक की आठवीं पुण्यतिथि पर सोमवार को क्लिनिक में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी डॉ अंजना पाठक एवं सभी स्टाफ द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। उनकी पुण्यतिथि पर राज्य सरकार के बाल गृह में बच्चों के बीच स्वेटर, पैजामा,नाश्ता एवं मिठाई का वितरण किया गया। इस अवसर पर डॉ गणेश शंकर एवं डॉक्टर प्रेम शंकर द्वारा सभी बच्चों का चिकित्सीय स्वास्थ्य जांच किया गया। इस मौके पर डॉ श्रीमती पाठक ने बताया कि डॉ अनिल पाठक गरीबों के मसीहा थे। वे जीवन पर्यंत गरीब लोगों की सेवा करते रहे। उनके सेवा के जज्बे को बरकरार रखकर हर वर्ष उनके पुण्यतिथि पर बच्चों के बीच गर्म कपड़ा नाश्ता मिठाई का वितरण कर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जाती है। मौके पर सामाजिक सुरक्षा कोषांग के अधिकारी कुमार सत्यकाम ने बताया कि श्रीमती पाठक द्वारा बच्चों के बीच उपहार एवं मिठाई वितरण कर अपनी संवेदनशीलता जताई है जो काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा की इससे समाज को एक नई दिशा मिलती है। लोगों को सेवा के लिए प्रेरणा भी मिलती है।

नगर निकाय चुनाव : डीएम ने मतगणना केन्द्रों और सामग्री प्रबंधन कोषांग का निरीक्षण

बेगूसराय, (हि.स.)। बेगूसराय के सभी छह नगर निकाय में दो चरण में होने वाले मतदान की तैयारी तेज हो गई है। डीएम रोशन कुशवाहा ने नगर निकाय निर्वाचन के मद्देनजर सोमवार को वज्रगृह एवं मतगणना केंद्र के रूप में चिन्हित कृषि उत्पादन बाजार समिति एवं जी.डी. कॉलेज में की जा रही आवश्यक तैयारियों का निरीक्षण किया। इस दौरान डीएम ने दोनों परिसरों में वज्रगृहों एवं मतगणना कक्षों से संबंधित तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक उपलब्ध सुविधाओं का गहन अवलोकन किया तथा सभी तैयारी समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। डीएम ने मौके पर मौजूद भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता एवं वज्रगृह कोषांग के पदाधिकारियों को वज्रगृहों तथा मतगणना कक्षों की समुचित सुरक्षा तथा मजबूती के साथ बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया।

उन्होंने अलग-अलग नगर निकायों में निर्वाचन कार्यों से संबंधित वाहनों के लिए पार्किंग एवं परिसर में पर्याप्त रोशनी के संबंध में भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही दोनों परिसरों में साफ-सफाई, शौचालय, पेयजल, अनयूज्ड एवं तकनीकी रूप से खराब ईवीएम के रख-रखाव, माईकिंग एवं नियंत्रण कक्ष, साइनेज, रूट प्लान से वाहनों का मूवमेंट, मतदान एवं मतगणना कर्मियों तथा अभ्यर्थियों के प्रवेश एवं निकासी के संबंध में भी निर्देश दिया गया। डीएम ने बताया कि बेगूसराय जिले में दो चरणों में नगर निकाय चुनाव होना है। प्रथम चरण में नगर परिषद तेघड़ा, बरौनी, बीहट एवं बलिया में मतदान 18 दिसम्बर तथा मतगणना 20 दिसम्बर 2022 को निर्धारित है। तेघड़ा एवं बरौनी से संबंधित पोल्ड ईवीएम का रख-रखाव तथा मतगणना जी.डी. कॉलेज में होगा। जबकि बीहट एवं बलिया से संबंधित पोल्ड ईवीएम का रख-रखाव तथा मतगणना बाजार समिति में किया जाएगा। द्वितीय चरण में बेगूसराय नगर निगम एवं बखरी नगर परिषद में मतदान 28 एवं मतगणना 30 दिसम्बर को निर्धारित है। नगर निगम बेगूसराय से संबंधित पोल्ड ईवीएम का रख-रखाव एवं मतगणना बाजार समिति तथा नगर परिषद बखरी का जी.डी. कॉलेज में किया जाएगा।

जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने 54 लोगों की सुनी समस्याएं

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को जनता दरबार में राज्य के विभिन्न जिलों से पहुंचे 54 लोगों की समस्याओं को सुना। अधिकतर फरियादियों ने किसी न किसी मामले में मुआवजा न मिलने की शिकायत की। मुख्यमंत्री ने सभी की समस्या सुनने के बाद संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान के लिए समुचित कार्रवाई के निर्देश दिए। मुजफ्फरपुर जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति की वर्ष 2021 में कोरोना से मृत्यु हो गई थी, लेकिन अब तक किसी तरह की सहायता राशि नहीं मिली है। बेतिया जिला से आयी एक महिला ने भी मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि मेरे पति की कोरोना से मृत्यु होने के बाद अब तक मुआवजा की राशि का भुगतान नहीं किया गया है। मुजफ्फरपुर जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि राज्य सरकार से अनुदानित कॉलेज के सेक्रेट्री ने कॉलेज में तालाबंदी कर-के रखा है और हमलोगों को किसी प्रकार के अनुदान का भुगतान नहीं किया जा रहा है। कैमूर जिला से आयी एक बुजुर्ग महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति शिक्षक थे, अवकाश प्राप्त करने के बाद उनका निधन हो गया। फेमिली पेंशन के अलावे आज तक एरियर का पैसा नहीं मिल पाया है। भागलपुर जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि 2016 में मैट्रिक प्रथम श्रेणी से पास करने के बाद भी आज तक मुझे प्रोत्साहन राशि का भुगतान नहीं हो पाया है। पश्चिम चंपारण जिला से आयी एक महिला ने गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई लेकिन अनुग्रह अनुदान राशि का आज तक भुगतान नहीं हो सका है। सहरसा जिला आए एक युवक ने गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे गांव के दोनों किनारे नदी है लेकिन हमारे गांव में कोई भी स्वास्थ्य केंद्र नहीं है जिससे लोगों को इलाज कराने के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सीतामढ़ी जिला से आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पिताजी खेती के लिए जा रहे थे लेकिन बाढ़ में डूबने से वो लापता हो गए और आज तक उनका कुछ अता पता नहीं मिल पाया है। सीतामढ़ी जिला से आए एक अन्य युवक ने गुहार लगाते हुए कहा कि बाढ़ के दौरान मेरी मां की सांप के काटने से मृत्यु हो गई थी, लेकिन आज तक किसी तरह की अनुग्रह राशि नहीं दी गई है। अररिया जिला से आए एक छात्र ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड अप्रूव्ड होने के बाद भी अब तक इसका लाभ नहीं मिल पाया है। अररिया से ही आए एक युवक ने मुख्यमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि हमने जल जीवन हरियाली अभियान के तहत पौधा भी लगाए थे, लेकिन कटाव के कारण वो सबकुछ बह गया। पूर्वी चम्पारण जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति की बॉयलर ब्लास्ट होने से वर्ष 2019 में मौत हो गई थी, लेकिन अब तक किसी भी तरह की सहायता राशि नहीं मिली है। इसी तरह गया जिला से आयी एक महिला ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मेरे पति और ससुराल वालों द्वारा दहेज के लिए लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग को मामले की जांचकर कार्रवाई करने का निर्देश दिया मधुबनी जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि अर्द्धनिर्मित स्टेडियम का निर्माण अबतक पूरा नहीं हो पाया है। औरंगाबाद जिला से आए एक फरियादी ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि मध्य विद्यालय की भूमि को दबंगों द्वारा कब्जा कर लिया गया है। इसकी शिकायत करने के बाद भी अब तक किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं हुई है। पटना जिला से एक छात्रा ने मुख्यमंत्री से गुहार लगाते हुए कहा कि वर्ष 2019 में ग्रेजुएशन करने के बाद भी मुख्यमंत्री कन्या उत्थान योजना के तहत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि अब तक नहीं मिल पायी है। उल्लेखनीय है कि 'जनता के दरबार में आज सामान्य प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, समाज कल्याण विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, वित्त विभाग, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, विज्ञान एवं प्रावैधिकी विभाग, सूचना प्रावैधिकी विभाग, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, श्रम संसाधन विभाग तथा आपदा प्रबंधन विभाग से संबंधित मामलों पर सुनवाई हुई।

संपादकीय

नशे का जाल

अब सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर राज्य सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। उसने कहा कि पंजाब की हर गली में एक भट्ठी है, गरीब लोग नकली शराब पीकर मर रहे हैं। इस तरह तो युवा खत्म हो जाएंगे। अदालत ने पंजाब सरकार से नकली शराब की बिक्री रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने को कहा है। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि अगर कार्रवाई नहीं हुई तो स्थानीय पुलिस को जवाबदेह माना जाएगा। पिछले विधानसभा चुनाव में नशे का कारोबार बड़ा मुद्दा था। आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़ कर इसके लिए पिछली सरकारों को दोषी करार दिया और सत्ता में आने के बाद नशे के कारोबार को खत्म करने का दावा किया था। मगर अभी तक इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं दिख रही। कहा जाता है कि पंजाब सीमावर्ती राज्य है और यहां सीमा पार से नशे की खेप को रोकना मुश्किल बना हुआ है। मगर इस तर्क पर राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों पर परदा नहीं डाल सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है कि अगर सीमावर्ती राज्य सुरक्षित नहीं है, तो फिर कैसे चलेगा। पंजाब में नशे के कारोबार का जाल बहुत पुराना है। अब यह भी छिपा नहीं कि इसे राजनीति और प्रशासन के शीर्ष स्तर से शह मिलती रही है। इस सिलसिले में पुलिस के कई बड़े अधिकारी और कुछ राजनेता भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसलिए ऐसा नहीं माना जा सकता कि पंजाब पुलिस को नशे का जाल फैलाने वालों के बारे में बिल्कुल जानकारी न हो। मगर ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वह शायद वर्तमान पंजाब सरकार के पास नहीं है। जिस राज्य में गली-गली में नकली शराब बनती, मादक पदार्थों की बिक्री होती हो, जिसके चलते वहां के युवा असमय मौत के मुंह में समा जाते हों, वहां की सरकार अगर इस समस्या से पार पाने को केवल चुनावी जुमला बना कर यथास्थिति को स्वीकार किए बैठी रहे, तो इससे बड़ी विडंबना कुछ हो नहीं सकती। हालांकि यह समझना मुश्किल नहीं है कि नशे के कारोबारी इतने ताकतवर होते हैं और अक्सर उनके तार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जुड़े होते हैं, इसलिए उन पर हाथ डालने का साहस सरकारें कर नहीं पातीं। दबे-छिपे ढंग से यह भी कहा जाता है कि ये कारोबारी राजनीतिक दलों को चुनाव के वक्त बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद मुहैया कराते हैं। पंजाब की पिछली सरकारों से लोग इसीलिए नाराज थे कि उन्होंने नशा कारोबारियों पर शिकंजा कसने का साहस नहीं दिखाया, बल्कि वे उन्हें अंदरखाने शह देती रहीं। आम आदमी पार्टी से उन्हें भरोसा बना था कि वह पंजाब को लीलते नशे के कारोबार पर अंकुश लगाएगी। मगर वह भी इस मामले में शिथिल या विफल नजर आ रही है, तो उसे लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। इस दिशा में वह सर्वोच्च न्यायालय के सामने अपनी तैयारियों का क्या ब्योरा पेश करती है, देखने की बात है। मगर जिस तरह उसकी सरकार आने के बाद वहां आपराधिक गतिविधियां नए सिरे से सिर उठाने लगी हैं, उससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वह कानून-व्यवस्था के मामले में सख्त सरकार साबित नहीं हो रही। अपराध और नशे का कारोबार साथ-साथ फलते-फूलते हैं। अगर अब भी पंजाब सरकार इसे लेकर सख्त नहीं हुई, तो आने वाले समय में स्थितियां और विकट होंगी।

आम आदमी पार्टी ने बढ़-चढ़ कर इसके लिए पिछली सरकारों को दोषी करार दिया और सत्ता में आने के बाद नशे के कारोबार को खत्म करने का दावा किया था। मगर अभी तक इस दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं दिख रही। कहा जाता है कि पंजाब सीमावर्ती राज्य है और यहां सीमा पार से नशे की खेप को रोकना मुश्किल बना हुआ है। मगर इस तर्क पर राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारियों पर परदा नहीं डाल सकती। सर्वोच्च न्यायालय ने पूछा है कि अगर सीमावर्ती राज्य सुरक्षित नहीं है, तो फिर कैसे चलेगा। पंजाब में नशे के कारोबार का जाल बहुत पुराना है। अब यह भी छिपा नहीं कि इसे राजनीति और प्रशासन के शीर्ष स्तर से शह मिलती रही है। इस सिलसिले में पुलिस के कई बड़े अधिकारी और कुछ राजनेता भी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसलिए ऐसा नहीं माना जा सकता कि पंजाब पुलिस को नशे का जाल फैलाने वालों के बारे में बिल्कुल जानकारी न हो। मगर ऐसी समस्याओं से निपटने के लिए जिस राजनीतिक इच्छाशक्ति की जरूरत होती है, वह शायद वर्तमान पंजाब सरकार के पास नहीं है।

कुछ अलग

अन्न भंडारण पर ध्यान

भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा अनाज उत्पादक देश है, पर हमारे यहां भंडारण की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बड़ी मात्रा में अन्न बर्बाद हो जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए केंद्र सरकार विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने की योजना बना रही है। इसके तहत दुनिया का सबसे बड़ा भंडार स्थापित किया जायेगा। इस परियोजना में कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय के अलावा उपभोक्ता मामले का मंत्रालय, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग समेत अनेक विभाग भागीदार होंगे। हमारे देश में अनाज उत्पादन लगातार बढ़ता जा रहा है, पर उस गति से उसे सुरक्षित रखने की व्यवस्था का विस्तार नहीं हो रहा है। वर्ष 2020-21 में अन्न उत्पादन 3,107 लाख मेट्रिक टन रहा था। आकलनों की मानें, तो कुल उत्पादन के 44 प्रतिशत हिस्से के भंडारण की ही व्यवस्था है। माना जाता है कि आम तौर पर हर साल 6 ।8 करोड़ टन से अधिक अनाज बर्बाद हो जाता है, जिसकी कीमत 50 हजार करोड़ रुपये है। यह हमारे देश के सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत है। इस अनाज को अगर बचाया जा सके, तो हमारी सार्वजनिक वितरण प्रणाली बेहतर हो सकती है और अनाज वितरण से संबंधित कल्याणकारी योजनाओं से पड़ने वाले राजस्व पर दबाव को कम किया जा सकता है। हाल के वर्षों में हमारे देश से अनाज और खाद्य पदार्थों का निर्यात भी बढ़ता जा रहा है। अनाज के भंडारण से निर्यात बढ़ाकर किसानों तथा अनाज से जुड़े कारोबार में लगे लोगों की आमदनी बढ़ने की संभावनाएं पैदा होंगी। अपनी खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए भी हमें अनाज को बर्बाद होने से रोकना है। आज दुनिया के सामने जलवायु संकट गंभीर प्रश्नचिन्ह बनकर खड़ा है। अनाज सड़ने से ग्रीनहाउस गैसों, विशेषकर मिथेन, का उत्सर्जन होता है। इसे रोकना भी जरूरी है। अनाज बचाने और उसे उपलब्ध कराने का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर से अभी तक गरीब वर्ग के लिए हर महीने प्रति परिवार पांच किलोग्राम अनाज दिया जा रहा है। खाद्य संकट की आशंका से घिरे अनेक देश भारत से आस लगाये हुए हैं। यदि भंडारण और प्रबंधन बेहतर हों, तो जमाखोरी तथा मुनाफे के लिए अनाज के दामों को बढ़ाने जैसी हरकतों को भी रोकना आसान होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से ही इस बात पर जोर देते आये हैं कि किसानों को वैज्ञानिक तरीके से भंडारण करने के लिए जागरूक किया जाना चाहिए तथा कृषि उत्पादों से संबंधित इंफ्रास्ट्रक्चर को मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्र में ही विकसित करना जरूरी है। इस संबंध में एक राष्ट्रीय नीति भी बनायी गयी है।

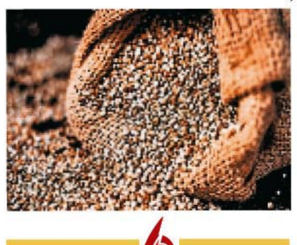

अनाज सड़ने से ग्रीनहाउस गैसों, विशेषकर मिथेन, का उत्सर्जन होता है। इसे रोकना भी जरूरी है। अनाज बचाने और उसे उपलब्ध कराने का महत्व इस बात से समझा जा सकता है कि कोरोना महामारी के शुरुआती दौर से अभी तक गरीब वर्ग के लिए हर महीने प्रति परिवार पांच किलोग्राम अनाज दिया जा रहा है। खाद्य संकट की आशंका से घिरे अनेक देश भारत से आस लगाये हुए हैं।

अन्य वर्गों के मुसलमान वास्तविक मुसलमान नहीहर वर्ग जन्नत का दावेदार है,इन सभी की नज़रों में अन्य वर्गों के मुसलमान वास्तविक मुसलमान नही

भ्रम पैदा करते ये ‘नामुराद फ़तवे’

इतिहास इस बात का गवाह है कि अपने उद्भव काल से ही इस्लाम को जितना नुक़सान स्वयं को मुसलमान कहने वाले इस्लाम परस्तों से पहुंचा है उतना ईसाईयों, यहूदियों या किन्हीं अन्य धर्मावलम्बियों से नहीं पहुंचा। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के देहांत के फ़ौरन बाद ही इस्लाम व शरीयत को लेकर अलग अलग व्याख्यायें की जानें लगीं। मोहम्मद के घराने के ‘वास्तविक इस्लाम’ व इस्लामी आदर्शों को छोड़ मौलवी मुल्लाओं द्वारा थोपा गया इस्लाम प्रचलन में आने लगा। धर्म व सत्ता का धालमेल शुरू हो गया। अतिवादी कट्टरपंथियों ने इस्लाम को कुरूपित करना शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप करबला जैसा दर्दनाक वाक़्या पेश आया। करबला की घटना में मुहम्मद साहब के नवासे हज़रत इमाम हुसैन व उनके अनेक परिजनों व सहयोगियों को बेरहमी से क़त्ल करने वाले, उनके तंबुओं में आग लगाने वाले, उनकी लाशों पर घोड़े दौड़ाने वाले केवल साधारण मुसलमान ही नहीं बल्कि बड़ी बड़ी दाढ़ियां रखने वाले, नमाज़, रोज़े और हज के पाबंद लोग थे। इनमें क़ुरआन पढ़ने वाले हाफ़िज़, क़ारी और मौलवी भी शामिल थे। बहरहाल, इस्लाम के 1450 वर्षों से भी लंबे कालखंड में स्वयं को मुसलमान बताने वाले अलग अलग लगभग 73 वर्ग सक्रिय हैं। और यह सभी वर्ग स्वयं को ही इस्लाम का वास्तविक प्रतिनिधि बताते हैं। इनमें से अनेक ने अपने इस्लामी सिद्धांत गढ़ रखे हैं। हर वर्ग जन्नत का दावेदार है, इन सभी की नज़रों में अन्य वर्गों के मुसलमान वास्तविक मुसलमान नहीं। बल्कि कुछ वर्ग तो एक दूसरे को काफ़िर और मुशरिक तक बताते हैं। और इन्हीं अंतरविरोधों के परिणाम स्वरूप अनेक वर्गों के नमाज़ पढ़ने के तरीक़े अलग हैं, अज़ान में अंतर है, रोज़ा रखने व इफ़्तार के वक़्त में फ़र्क़ है, दाढ़ी कैसी रखी जानी चाहिये इनकी मान्यतायें भिन्न हैं। परदे व हिजाब की परिभाषायें अलग हैं। और हद तो यह है कि तमाम धार्मिक व सामाजिक मान्यताओं को लेकर गहरे मतभेद हैं। और समय समय पर ऐसे ही मौलवी मुल्लाओं द्वारा जारी किये जाने वाले तथाकथित ‘फ़तवों’ में इन्हीं अंतर्विरोधों की झलक साफ़ तौर पर दिखाई देती है। पिछले दिनों गुजरात में अहमदाबाद की जामा मस्जिद के शाही इमाम ने कहा कि इस्लाम, मुस्लिम महिलाओं को चुनाव में टिकट देने वालों के ख़िलाफ़ हैं। शाही इमाम ने कहा, “जिन्हें मस्जिद और मज़ार में जाने की इजाज़त नहीं, वो असेंबली में कैसे जा सकती हैं। मुस्लिम महिलाओं को चुनावी टिकट देने वाले इस्लाम के ख़िलाफ़ हैं, वो मज़हब को कमज़ोर कर रहे हैं और यह धर्म से बग़ावत है। क्या कोई आदमी नहीं बचा है, जिसे चुनाव में टिकट दिया जा सके?” यदि शाही इमाम को याद हो तो दुनिया की पहली महिला शासक का नाम ही रज़िया सुल्तान था। अपने पड़ोसी देशों में पाकिस्तान की बेनज़ीर भुट्टो से लेकर बांग्लादेश की बेगम ख़ालिदा ज़िया, शेख़ हसीना तक सभी मुस्लिम घरानों से संबद्ध थीं और हैं। यदि मौलवियों की मानें फिर तो उनका चुनाव लड़ना ग़ैर इस्लामी हुआ और फिर तो उनकी सत्ता और उसके सभी फ़ैसले भी ग़ैर शरई व ग़ैर इस्लामी हुये? एक चुनाव ही नहीं बल्कि जीवन के ऐसे सैकड़ों पहलू जिनसे इंसान, विशेषकर महिलाओं का जीवन व तरक़्क़ी सीधे तौर पर जुड़ी हुई है वहाँ भी ‘फ़तवाइयों‘ का पूरा दख़ल रहता है। कुछ समय पूर्व एक फ़तवा यह आया था कि मुस्लिम लड़कियों को बैंक में कार्यरत लड़कों से शादी नहीं करनी चाहिये। कारण यह बताया गया कि बैंक कर्मचारी की कमाई नाजायज़ है। बैंक कारोबार सूद ब्याज़ पर आधारित है जोकि ग़ैर इस्लामी है। अब इसी फ़तवे के सन्दर्भ में यह जानना भी ज़रूरी है कि ख़ान बहादुर हाजी अब्दुल्लाह हाजी क़ासिम साहेब बहादुर ने 12 मार्च 1906 को उडप्पी में 5000 रूपये की पूँजी से जिस बैंक की स्थापना की थी आगे चलकर वही कॉर्पोरेशन बैंक भारत के राष्ट्रीयकृत बैंकों में एक प्रमुख बैंक बना। इसके संस्थापक मुसलमान तो थे ही साथ ही हाजी भी थे। क्या यह बैंक शुरू कर उन्होंने कोई ग़ैर इस्लामी काम किया? एक अकेले हाजी अब्दुल्लाह ही नहीं भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में ख़ासकर मुस्लिम बाहुल्य देशों में अनेक बैंक मुस्लिम लोगों द्वारा संचालित हैं। इनमें तमाम मुस्लिम अधिकारी व कर्मचारी कार्यरत हैं। यदि ‘फ़तवाइयों’ की बातों पर अमल करें तो किसी भी बैंक कर्मचारी को ब्याह के लिये लड़की ही नसीब न हो? कभी दारुल उलूम मुस्लिम महिलाओं के चुस्त व चमक-दमक वाले बुर्क़े पहनने को गुनाह और नाजायज़ बताता है। कभी औरतों का बिना मर्द के हज और उमरा पर जाना ग़लत बताया जाता है। कभी मुस्लिम औरतों के मज़ार व मस्जिद दोनों ही जगहों पर जाने की मनाही का फ़तवा दे दिया जाता है। कभी कोई ‘फ़तवाई’ मुस्लिम औरतों को केवल बच्चा पैदा करने का साधन मात्र बताकर इस्लाम में औरत के बराबरी के सिद्धांत का मज़ाक़ उड़ाता है। तो कभी शादी या अन्य समारोह में मुस्लिम महिलाओं व पुरुषों के एक साथ खाने पीने को ग़ैर इस्लामी क़रार दे दिया जाता है। कभी औरतों के लिये मर्दों का फ़ुटबाल का खेल देखना ग़ैर इस्लामी बता दिया जाता है। गोया फ़तवों और प्रतिबंधों की ज़्यादातर तलवारें मुस्लिम महिलाओं पर ही लटकती हैं? औरत का पर्दा इसलिये ताकि किसी मर्द की बुरी नज़र न पड़े। तो यहाँ क़ुसूरवार बुरी नज़र डालने वाला मर्द हुआ न की कोई औरत? संस्कार और नैतिक शिक्षा की ज़रुरत मर्द को है न कि औरत को? ऐसा तो नहीं हो सकता कि औरत पर बुरी नज़र डालना मर्द का जन्म सिद्ध अधिकार है और इससे बचने का एकमात्र रास्ता बुर्क़, हिजाब या पर्दा ही है? ये ‘फ़तवाई’ कभी कभी अपनी रूढ़िवादी सोच में इतना डूब जाते हैं कि विज्ञान को भी कोसने लगते हैं। और इनमें दोहरापन इतना कि स्वयं अपनी ज़रुरत की प्रत्येक वैज्ञानिक सामग्री भी ज़रूर इस्तेमाल करते हैं। ‘फ़तवाइयों’ को चाहिये कि समय और काल के अनुसार धर्म को परिभाषित करें। आज की महिला अपने परों से आसमान छूना चाहती है। उसके परों को काटने की नहीं बल्कि उसे मज़बूती देने की ज़रुरत है। इन्हें याद रखना चाहिये कि स्वयं हज़रत मुहम्मद की पत्नी ख़दीजा उस दौर की अरब की सबसे बड़ी व्यवसायी थीं।

धर्म व सत्ता का धालमेल शुरू हो गया। अतिवादी कट्टरपंथियों ने इस्लाम को कुरूपित करना शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप करबला जैसा दर्दनाक वाक्या पेश आया। करबला की घटना में मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन व उनके अनेक परिजनों व सहयोगियों को बेरहमी से क़त्ल करने वाले, उनके तंबुओं में आग लगाने वाले, उनकी लाशों पर घोड़े दौड़ाने वाले केवल साधारण मुसलमान ही नहीं बल्कि बड़ी बड़ी दाढ़ियां रखने वाले, नमाज, रोजे और हज के पाबंद लोग थे। इनमें क़ुरआन पढ़ने वाले हाफ़िज़, क़ारी और मौलवी भी शामिल थे। धर्म व सत्ता का धालमेल शुरू हो गया। अतिवादी कट्टरपंथियों ने इस्लाम को कुरूपित करना शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप करबला जैसा दर्दनाक वाक्या पेश आया।

डरें नहीं, अच्छा है आइटी सेक्टर का भविष्य

हाल के दिनों में बड़ी वैश्विक तकनीकी कंपनियों में व्यापक पैमाने पर हो रही छंटनी से चिंता पैदा होना स्वाभाविक है। हमें इस स्थिति की पृष्ठभूमि को देखना चाहिए। हम अभी जो होता हुआ देख रहे हैं, कमोबेश यही हालत कोविड महामारी से पहले के दौर में थी। जब महामारी ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया, तब अन्य क्षेत्रों की तरह तकनीकी क्षेत्र में भी मांग व आपूर्ति का अनुपात घटा और यह लगभग 20 प्रतिशत के स्तर पर आ गया। जब महामारी की रोकथाम से संबंधित पाबंदियों में ढील देने का सिलसिला शुरू हुआ तथा आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों में तेजी आने लगी, तो 2021 के अंतिम कुछ महीनों तथा इस साल के शुरू में मांग में भी बढ़ोतरी आयी। इसी के साथ मांग का हिसाब 80-90 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गया। इसकी एक बड़ी वजह यह थी कि यूरोप और अमेरिका समेत कई देशों में अपनी अर्थव्यवस्था और व्यापार प्रक्रिया के डिजिटलीकरण की होड़ लग गयी ताकि भविष्य में ऐसी किसी महामारी की स्थिति में कारोबार पर असर न हो या कम हो। इसे ऐसे समझने की जरूरत है कि मांग को जो स्तर महामारी से पहले 50 प्रतिशत था, वह कोरोना काल में 20 प्रतिशत हुआ और फिर उसमें बड़ी उछाल आयी तथा वह लगभग 90 फीसदी के आसपास जा पहुंचा। आज हम फिर से मांग को 50 प्रतिशत के आसपास आता हुआ देख रहे हैं। भारतीय टेक कंपनियों में जो छंटनी या भर्ती प्रक्रिया धीमी होने की स्थिति हम आज देख रहे हैं, उसका कारण भविष्य के आकलन का गलत साबित होना है। कंपनियों को ऐसा लगा कि कोरोना काल के तुरंत बाद जो मांग में तेज वृद्धि हुई है, वह लंबे समय तक बरकरार रहेगी। ऐसे में नये कर्मियों की भर्ती भी तेज हुई और बड़ी कंपनियों ने अपने यहां कार्यरत लोगों को रोकने के लिए उनके वेतन-भत्ते में मुंहमांगी बढ़ोतरी भी की। आकलनों के अनुसार टेक बाजार में कई साल तक बढ़त होनी थी। ऐसे में कंपनियों ने कॉलेजों से नयी प्रतिभाओं को भी बड़ी संख्या में नौकरियां दीं ताकि वे दौड़ में बने रहें और उनके पास लोगों की कमी न रहे। इस मामले में यह भी हुआ कि बहुत से छात्रों ने कंपनियों से ऑफर लेटर तो हासिल किया, लेकिन नौकरी ज्वाइन करने की तारीख नहीं ली। उसके बाद रूस और यूक्रेन के युद्ध का असर अमेरिका और यूरोप की अर्थव्यवस्था पर जब पड़ना शुरू हुआ, तो अमेरिकी टेक कंपनियों, जैसे- गूगल, आमेजन, फेसबुक-मेटा आदि, को छंटनी करने पर मजबूर होना पड़ा। उसका असर अन्य देशों में उनके कारोबार और कार्यालयों पर भी हुआ। यहां हम ट्विटर में हुई छंटनी का उल्लेख नहीं करेंगे क्योंकि वहां ऐसे कंपनी के प्रबंधन बदलने के कारण हुआ है तथा एक तरह से यह अपेक्षित भी था। अपने देश की कुछ कंपनियों में छंटनी हो रही है, वह इसलिए है कि बढ़त और अनुमान को देखकर उन्होंने अंधाधुंध भर्तियां की तथा अब जब मांग में एक स्थिरता आ रही है, तो उन्हें लोगों को हटाना पड़ रहा है। लेकिन भारत में तकनीकी क्षेत्र में अभी ऐसी स्थिति कतई नहीं आयी है कि लोगों को नौकरियां नहीं मिलेंगी। अभी भी भर्ती हो रही है, मांग कम होने से उनकी रफ्तार कम है तथा पहले जिस तरह से वेतन आदि तय हो रहे थे, वैसा नहीं हो रहा है। मुझे ऐसा लगता है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य वैश्विक आर्थिक कारणों का असर कुछ समय तक रहेगा। एक-दो तिमाहियों के बाद हम फिर एक बार तकनीकी बाजार में उछाल देखेंगे और मांग में बढ़ोतरी होगी। हाल में आइटी सेक्टर की कंपनियों ने जो अपनी तिमाही या छमाही कारोबारी रिपोर्ट दी है, उसमें उन्होंने बताया है कि उनके पास भविष्य के लिए ठोस रणनीति है। ऐसे में हमें कारोबार कम होता हुआ नहीं दिख रहा है, इसलिए यह कहा जा सकता है कि कुछ महीनों बाद स्थिति सामान्य हो जायेगी। जहां तक अमेरिका स्थित आइटी कंपनियों की बात है, तो जैसा हमने पहले कहा कि युद्ध और अन्य कारकों से अमेरिकी अर्थव्यवस्था दबाव में है। यही स्थिति यूरोप में भी है। कई और देशों में भी अनिश्चितता की स्थिति है। उन कंपनियों में अच्छी संख्या में भारतीय या भारतीय मूल के लोग कार्यरत है। वे कामकाजी वीजा पर वहां गये हैं। नियमों के अनुसार, अगर इन्हें छह माह के भीतर नौकरी नहीं मिलती है, तो उन्हें वापस आना पड़ेगा। यह चिंता की बात है, पर हम इसके लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते है। अगर अमेरिका और कुछ यूरोपीय देशों की सरकारें इस संबंध में सहानुभूति के साथ व्यवहार करती हैं, तो वह स्वागतयोग्य होगा। जो छात्र हमारे देश में आइटी शिक्षा ले रहे हैं, उन्हें यह समझना होगा कि भारत में हजारों कंपनियां हैं। बड़ी कंपनियों में नौकरी की इच्छा करना अच्छी बात है, लेकिन बहुत सारी छोटी कंपनियों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बहुत छात्र सोचते हैं कि अगर वे बड़े ब्रांड के साथ करियर शुरू करेंगे, तो उन्हें आगे फायदा होगा। हकीकत में ऐसा नहीं होता। अगर वे छोटी कंपनियों में कुछ समय काम कर बड़ी कंपनियों का दरवाजा खटखटायेंगे, तो उन्हें ज्यादा तरक्की मिलेगी। हमारे पास हाल ही में यह शिकायत आयी कि सैकड़ों छात्र कई महीनों से ज्वाइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं। प्लेसमेंट के मामले में ऐसा भी हुआ है कि कुछ छात्र चयन के साल भर बाद भी कंपनी से पत्र आने की राह देख रहे हैं। ऐसे में हमारे छात्रों को एक कंपनी का आसरा देखते रहने की जगह अन्य विकल्पों पर विचार करना चाहिए। नये छात्रों के लिए हमारे आइटी सेक्टर में नौकरियों की कमी आज भी नहीं है। बाद में जब स्थिति बेहतर होगी, तो उनके अनुभव उन्हें और अच्छे अवसर हासिल करने में मददगार होंगे। सरकार की ओर से स्टार्टअप कंपनियों को बहुत सी सहूलियत दी जा रही है। हमारे छात्र उनके साथ भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं। तमाम कठिनाइयों के बावजूद यह कहा जा सकता है कि आइटी कंपनियों और स्टार्टअप के लिए स्वर्णिम समय आने वाला है। अगर आप किसी कंपनी का हिसाब-किताब देखें, तो वह एक या दो दशक में कभी घाटे में नहीं गयी है। उनकी लगातार वृद्धि हुई है। तकनीक की जरूरत हर क्षेत्र में बढ़ती जा रही है। ऐसे में नौकरी या करियर के लिहाज से भी यह सेक्टर किसी को निराश नहीं कर सकता है। हमें भविष्य को लेकर आश्वस्त रहना चाहिए।

आज हम फिर से मांग को 50 प्रतिशत के आसपास आता हुआ देख रहे हैं। भारतीय टेक कंपनियों में जो छंटनी या भर्ती प्रक्रिया धीमी होने की स्थिति हम आज देख रहे हैं, उसका कारण भविष्य के आकलन का गलत साबित होना है।कंपनियों को ऐसा लगा कि कोरोना काल के तुरंत बाद जो मांग में तेज वृद्धि हुई है, वह लंबे समय तक बरकरार रहेगी। ऐसे में नये कर्मियों की भर्ती भी तेज हुई और बड़ी कंपनियों ने अपने यहां कार्यरत लोगों को रोकने के लिए उनके वेतन-भत्ते में मुंहमांगी बढ़ोतरी भी की। आकलनों के अनुसार टेक बाजार में कई साल तक बढ़त होनी थी। ऐसे में कंपनियों ने कॉलेजों से नयी प्रतिभाओं को भी बड़ी संख्या में नौकरियां दीं ताकि वे दौड़ में बने रहें और उनके पास लोगों की कमी न रहे। इस मामले में यह भी हुआ कि बहुत से छात्रों ने कंपनियों से ऑफर लेटर तो हासिल किया।

देश दुनीया से

साइबर अपराध के संजाल से बचें

दिल्ली की रहने वाली कविता (बदला हुआ नाम) सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती थी। उसके कई फैन फॉलोअर्स भी थे। लेकिन एक दिन उसे अचानक पता चला कि उसका सोशल मीडिया अकाउंट हैक हो चुका है। कविता कहती है, 'लॉकडाउन के दौरान मैं इंस्टाग्राम की शॉर्ट रील्स देखकर कुछ सीखने की कोशिश करती थी, पर एक दिन मुझे मेरे दोस्तों से पता चला कि मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट किसी ने हैक कर लिया है और उसका गलत तरीके से उपयोग कर रहा है। मैं परेशान हो गई। तभी मुझे इस समस्या से निकलने के लिए साइबर सुरक्षा से जुड़ी प्रोत्साहन संस्था के बारे में पता चला। जब मैंने उसके प्रशिक्षकों से मिलकर उन्हें सारी स्थिति बताई, तो उन्होंने मुझे ऑनलाइन एफआईआर दर्ज करने और साइबर सुरक्षा के बारे में बताया।' यह समस्या केवल देश की राजधानी दिल्ली की किसी किशोरी की समस्या नहीं है, बल्कि अन्य बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक से ऐसी खबरें पढ़ने को मिल जाती हैं। अंतर केवल इतना है कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में रहने के कारण कविता को इसके खिलाफ कदम उठाने में मदद मिल गई। लेकिन अन्य क्षेत्रों के युवाओं और विशेषकर किशोरियों में जागरूकता की कमी के कारण इतनी जल्दी मदद नहीं मिल पाती है और वे हैकर्स का शिकार हो जाती हैं। दरअसल आज कोई भी जानकारी प्राप्त करना या सोशल मीडिया तक पहुंच बहुत आसान हो गया है। जैसे-जैसे इंटरनेट का प्रसार बढ़ा है, उसके उपयोग करने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब तो गांव-गांव तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाले युवाओं की एक बड़ी तादाद देखी जा सकती है। दिल्ली से सटे ग्रामीण क्षेत्र की मीना (बदला हुआ नाम) बताती है, 'मेरे घर वालों ने मुझे उच्च शिक्षा प्राप्त करने और विषय से जुड़े अपडेट के लिए मोबाइल फोन उपलब्ध करवाया था। मेरी ऑनलाइन क्लासेज अच्छी चल ही रही थी कि अचानक एक दिन मेरे नंबर पर अनजान नंबर से कॉल, संदेश और अश्लील वीडियो आने लगे और धमकियां दी जाने लगीं, जिससे मैं बहुत डर गई। परेशान होकर मैंने अपना सिम कार्ड बंद करवा दिया।' वह कहती है कि उसे नहीं मालूम था कि इसके खिलाफ कहां और कैसे शिकायत दर्ज कराई जाती है? वह कहती है, मैं जागरूक होती और साइबर सुरक्षा हेल्पलाइन नंबर 1930 के बारे में किसी ने मुझे बताया होता, तो मुझे अपना सिम बंद करवाने की जरूरत नहीं होती, बल्कि ऐसे साइबर अपराधी जेल में होते।' दरअसल जहां इंटरनेट का इस्तेमाल हमारे लिए वरदान सिद्ध हुआ है, वहीं यह अभिशाप भी साबित हुआ है। इसके गलत उपयोग से साइबर क्राइम में काफी बढ़ोतरी हुई है। यदि इसका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल नहीं किया गया, तो हैकर्स के जाल में फंस सकते हैं, जो आपके ही मोबाइल का गलत इस्तेमाल कर सकता है। साइबर अपराध में कंप्यूटर का इस्तेमाल करके इंटरनेट का गलत तरीके से उपयोग करते हुए ऑनलाइन साइबर क्राइम किए जाते हैं। हैकिंग के अलावा ऑनलाइन निजी जानकारी चुराना, धोखाधड़ी करना और चाइल्ड पोर्नोग्राफी आदि साइबर क्राइम के अंतर्गत आते हैं।

यह समस्या केवल देश की राधजानी दिल्ली की किसी किशोरी की समस्या नहीं है, बल्कि अन्य बड़े शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक से ऐसी खबरें पढ़ने को मिल जाती हैं। अंतर केवल इतना है कि दिल्ली जैसे बड़े शहर में रहने के कारण कविता को इसके खिलाफ कदम उठाने में मदद मिल गई। लेकिन अन्य क्षेत्रों के युवाओं और विशेषकर किशोरियों में जागरूकता की कमी के कारण इतनी जल्दी मदद नहीं मिल पाती है और वे हैकर्स का शिकार हो जाती हैं। दरअसल आज कोई भी जानकारी प्राप्त करना या सोशल मीडिया तक पहुंच बहुत आसान हो गया है। जैसे-जैसे इंटरनेट का प्रसार बढ़ा है, उसके उपयोग करने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब तो गांव-गांव तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने वाले युवाओं की एक बड़ी तादाद देखी जा सकती है।

नागरिक बोध

नेताओ के बयान अहम होते है, अभद्रतापूर्ण रवैया गलत

कांग्रेस नेता राजा पटोरिया ने मोदी के लिए दिए बयानों पर सियासत गरमा गई है। राजा पटोरिया ने मोदी पर दिए बर्बतापूर्ण बयान से सियासतदानों में हचचल तेज हो गई है। गुजरात के चुनाव दरमियान कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विवादित बयान पर भाजपा के तेवर सातवे आसमान पर थे। मल्लिकार्जुन खड़गे ने मोदी पर रावण की तुलना कर राजनीतिक हलचल तेज कर दी थी। गुजरात मे कांग्रेस को करारी हार कासामना करना पड़ा था। मोदी को हर चुनावी सभाओं में अभद्र भाषा से तंज खसकर कांग्रेस क्या दिखाना चाहती है? कलिष्ट भाषा का प्रयोग कांग्रेस की राजनीति और रणनीति दोनों तय करती है। कांग्रेस ने बीस चुनावो के बाद हिमाचल प्रदेश में सत्ता हासिल करने के बाद गत दिन राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण कर सुखविंदर सुक्खू मुख्यमंत्री बने है। उसी दिन एमपी की सियासत मोदी के अभद्र भाषा के बयानबाजी से हलचल मच गई। यह कांग्रेस की मानसिकता है। संवैधानिक पद पर बैठे पीएम के खिलाफ इस तरह की भाषा गैरजिम्मेदाराना है। कांग्रेस ने भाजपा सहित अनेक नेताओ पर अनापशनाप गालियो की बौछार की है। गांधी परिवार की बहू सोनिया गांधी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को मौत के सौदागर का आरोप लगाकर राजनीति में हलचल मचा दी थी। यह अशोभनीय है। आरोप प्रत्यारोप की सियासी चाल में भाषा की शालीनता होनी जरूरी है। मर्यादा और शब्दों के तालमेल की आवश्यकता है। निम्न भाषा का प्रयोग कर कांग्रेस अगर मतदाताओं को रिझाने निकली है तो कांग्रेस बहुत बड़ी भूल कर रही है। केजरीवाल ने मोदी को बार बार कोसा था। लेकिन उनका नतीजा ईवीएम मशीन के खुलने के बाद पता चल गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के विवादित बयान से गुजरात मे कांग्रेस को बहुत कीमत चुकानी पड़ी है। पटेरिया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। लेकिन उनकी सफाई में उन्होंने कहा कि मैं गांधीवादी हू। कलिष्ट भाषा का हिमायती नही हूं। मेरा प्रयोजन इस तरह का नही था। लेकिन गलत तरह से पेश किया गया है। कांग्रेस की इस बयानबाजी के बाद सफाई देने अनेक नेता मीडिया के समक्ष आए है। स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर कांग्रेस उनके कार्यकर्ताओ को उकसाती है। पंजाब की घटना पर चुटकी लेते हुए स्मृति ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पंजाब में भी पीएम मोदी की सुरक्षा को लेकर जानबुझ कर लापरवाही की थी। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पटेरिया के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि यह कांग्रेस गांधी की नही, पर इटली की कांग्रेस है। नेताओ ने प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा ने कांग्रेस के इस बयान को जांच करनेकी मांग की है। राजा पटेरिया दिग्विजयसिंह के मंत्रिमंडल में स्वतंत्र प्रभार मंत्री रह चुके है। राजा पटेरिया विवादित बयानबाजी के लिए जाने जाते है। उन्होंने कहा कि यहां न्याय नही मिला तो वे उन्हें नक्सली बना देंगे। बक्सर में नक्सली बने है। वैसे आदिवासी हथियार उठा देंगे। एमपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा करने वालो की असलियत सामने आ गई है। मोदी पूरे देश के आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। उनकी हत्या की बात करना विद्वेष की पराकाष्ठा है। घृणा की राजनीति करने वाली कांग्रेस के असली भाव प्रकट हो गए है।

तो अब श्रीलंका की राजनीति में सीधे दखल दे रहा है चीन

कोलंबो।

श्रीलंका के एक विपक्षी सांसद के खिलाफ हुए प्रदर्शन के बाद यह शक जताया गया है कि इसे चीन के इशारे पर आयोजित किया गया। विपक्षी सांसद शनाकियन रसामनिकम ने पिछले हफ्ते सदन में श्रीलंका के आर्थिक संकट का दोष चीन पर मढ़ा था। उसके बाद चीन दूतावास के सामने कुछ लोगों ने रसामनिकम के खिलाफ प्रदर्शन किया। इसके बाद रसामनिकम ने आरोप लगाया कि ये लोग किसी और के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा- 'हम जानते हैं कि ऐसे एजेंडे कैसे आगे बढ़ाए जाते हैं और हमें यह भी मालूम है कि उन लोगो के पीछे किसका हाथ था।

संसद में रसामनिकम ने चेतावनी दी थी कि अगर चीन ने श्रीलंका को जल्द कर्ज राहत नहीं दी, तो देश भर में चीन विरोधी प्रदर्शन आयोजिक किए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि 'गो गोटा होम' की तर्ज पर 'गो होम चाइना' आंदोलन शुरू किया जाएगा। गो गोटा होम आंदोलन पूर्व राष्ट्रपति गोटाबया राजपक्षे के खिलाफ हुआ था। रसामनिकम के खिलाफ प्रदर्शन का आयोजन बौद्ध भिक्षुओं के एक दल ने किया। ये लोग कोलंबो स्थित चीनी दूतावास के बाहर इकट्ठे हुए। वहां वक्ताओं ने रसामनिकम के बयान के निंदा की। साथ ही वहां सांसद के खिलाफ नारेबाजी की गई।

रसामनिकम ने कहा- 'मुझे खुशी है कि कोलंबो में मेरे खिलाफ प्रदर्शन हुआ। अगर आप प्रदर्शन करने वाले समूह पर गौर करें, तो साफ हो जाएगा कि उन्हें देश की मौजूदा आर्थिक हालत की कोई जानकारी नहीं है।' अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने मौजूदा आर्थिक संसद से उबरने में मदद देने के लिए श्रीलंका को 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज देने को मंजूरी दी है। लेकिन उसने शर्त लगाई है कि जब श्रीलंका के मौजूदा कर्जदाता देश अपने पुराने कर्ज को चुकाने की समयसीमा में राहत देंगे, तभी ये रकम जारी होगी।

बट्टिकालोवा से निर्वाचित सांसद रसामनिकम ने परोक्ष रूप से इस प्रदर्शन के लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा- 'इस समूह को प्रदर्शन के लिए पैसे दिए गए। ये लोग किसी और का एजेंडा आगे बढ़ा रहे थे। मैं यह नहीं मान सकता कि देश के नागरिक ऐसा प्रदर्शन करेंगे। उन्हें अपने आसपास की हालत मालूम है।' सप्ताहांत हुए इस प्रदर्शन के स्थल पर उस समय धक्कामुक्की भी हुई, जब एक महिला ने अपने मोबाइल फोन से प्रदर्शनकारियों की रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। उसके बाद दो गुटों में कहा सुनी हुई। कुछ लोग यह कहते सुने गए कि प्रदर्शनकारी श्रीलंका को चीन के हाथों में बेच डालना चाहते हैं। पर्यवेक्षकों के मुताबिक डेट रिस्ट्रक्चर (कर्ज चुकाने के कार्यक्रम को फिर से तय करने) के सवाल पर श्रीलंका में इन दिनों भावनात्मक माहौल है। श्रीलंका सरकार अपने कर्जदाता देशों के साथ लगातार बातचीत चला रही है। इसी का जिक्र रकते हुए रसामनिकम ने आरोप लगाया था कि यह प्रक्रिया चीन के जिद्दी रुख के कारण ठहरी हुई है। उन्होंने कहा था- अगर चीन सचमुच श्रीलंका का दोस्त है, तो उसे इस मौके पर वास्तविक सहायता करनी चाहिए। उसने ऐसा नहीं किया, तो देश के लोग उसका विरोध करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में भारतीय मूल के सिख युवक की गोली मारकर हत्या, इस महीने इस तरह की दूसरी घटना

टोरंटो। कनाडा के अलबर्टा प्रांत में भारतीय मूल के एक सिख युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले को लेकर पुलिस ने बयान जारी किया है जिसमें कहा गया है कि पीड़ित की पहचान सनराज सिंह के रूप में हुई है। गोली चलने की घटना तीन दिसंबर को रात को सामने आई थी। कनाडा में इस महीने इस तरह की यह दूसरी घटना है। मृतक सनराज एक वाहन में घायल अवस्था में मिला था, आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं के आने से पहले पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसके बचाने की कोशिश की उसको सीपीआर दिया। लेकिन अस्पताल में उसको मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में मौत के तरीके को हत्या बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, एक संदिग्ध वाहन को इलाके से निकलते हुए देखा गया था और जांचकर्ताओं ने इसकी तस्वीरें जारी की थीं। निवासियों को तीन दिसंबर की रात को किसी भी संदिग्ध गतिविधि के लिए अपने सीसीटीवी कैमरे फुटेज की जांच करने के लिए भी कहा गया।

इससे पहले ओंटारियो प्रांत में तीन दिसंबर को एक 21 वर्षीय सिख महिला पवनप्रीत कौर की गोली मार दी गई थी। नवंबर में, एक 18 वर्षीय भारतीय मूल के किशोर, महकप्रीत सेठी की ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में एक हाई स्कूल पार्किंग में चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

18-25 साल के युवाओं को मिलेगा मुफ्त कंडोम, राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया गर्भनिरोधक के लिए छोटी क्रांति

पेरिस। फ्रांस की सरकार 25 साल से कम उम्र के युवाओं को मुफ्त कंडोम उपलब्ध कराएगी। इसका उद्देश्य अनचाहे गर्भधारण को कम करना है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसकी घोषणा की और कहा कि यह गर्भनिरोधक की दिशा में एक छोटी सी क्रांति है। स्वास्थ्य से जुड़े एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मैक्रों ने कहा कि उनकी सरकार 18-25 साल के युवाओं के लिए मेडिकल शॉप पर मुफ्त कंडोम मुहैया कराएगी। बता दें, मैक्रों की सरकार ने इसी साल 25 साल से कम उम्र की महिलाओं के लिए मुफ्त कंडोम देने की योजना शुरू की थी। अब सरकार ने सभी युवाओं के लिए मुफ्त कंडोम उपलब्ध कराने का कदम उठाया है। रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य अधिकारियों का अनुमान है कि फ्रांस में साल 2020 और 2021 में यौन संबंधित रोगों (एसटीडी) की दर में करीब 30प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। फ्रांस में एड्स और यौन से होने वाले अन्य संक्रमणों के प्रसार को रोकने के उद्देश्य से कंडोम की सप्लाई पहले से ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली द्वारा की जाती है।

यूक्रेन ने रूस के कब्जे वाले इलाकों में किए हमले, लुहांस्क में सैन्य हेडक्वार्टर को बनाया निशाना, कई मरे

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच 10 महीनों से जारी युद्ध के थमने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि, इस जंग में दोनों ही पक्षों को जबरदस्त नुकसान हुए हैं। खासकर यूक्रेन के अलग-अलग इलाकों में कब्जे के लिए तैनात रूसी सेना को जंग के साथ-साथ मौसम और आपूर्तियों की बाधा जैसी समस्याओं का सामना भी करना पड़ रहा है। दूसरी तरफ यूक्रेन इन मौकों को भांपते हुए लगातार रूस के कब्जे में गए अपने क्षेत्रों को छुड़ाने की कोशिश में लगा है। इसी कड़ी में उसने लुहांस्क में रूस में सैन्य संगठन के हेडक्वार्टर पर हमला किया। बताया गया है कि यह सैन्य मुख्यालय रूस के वैगनर ग्रुप का ठिकाना था, जो कि अपनी बर्बरता के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। रिपोर्ट्स की मानें तो यूक्रेन की ओर से किए गए इस हमले में वैगनर ग्रुप का मुख्यालय जमींदोज हो गया। इस घटना की कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। एक अधिकारी ने बताया कि यूक्रेनी सैनिकों ने एक होटल पर हमला किया, जहां रूस के वैगनर ग्रुप के लोग मौजूद थे। इस हमले में रूस के कई लोगों के मारे जाने की खबर है।

बांग्लादेश की राजनीति में आया भूचाल

बीएनपी सांसदों के इस्तीफे की रणनीति के सफल होने की संभावना कम

ढाका।

बांग्लादेश में प्रमुख विपक्षी दल बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के सांसदों के इस्तीफा देने के फैसले के बाद राजनीतिक तनाव बढ़ने के संकेत हैं। बीएनपी सांसदों ने तुरंत नए चुनाव की मांग पर जोर डालने के लिए संसद की सदस्यता से त्यागपत्र दिया है। इस बीच बीएनपी लगातार इसी मांग पर जोर डालने के लिए जन प्रदर्शन और रैलियां भी आयोजित कर रही है।

सत्ताधारी आवामी लीग ने बीएनपी की मांग को ठुकरा दिया है। अवामी लीग के महासचिव उबैदुल कादिर ने रविवार को कहा कि सात सांसदों के इस्तीफा दे देने से संसद पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। वह अपना काम करती रहेगी। पिछले आम चुनाव में बीएनपी के सिर्फ सात सांसद ही चुने गए थे।

बीएनपी ने बीते शुक्रवार को अपनी सरकार विरोधी मुहिम के तहत 10वीं रैली आयोजित की थी। उस रैली में वक्ताओं ने वर्तमान संसद को तुरंत भंग करने और गैर-दलीय तटस्थ सरकार की देखरेख में नए चुनाव कराने की मांग की। बाद में इसी मांग के समर्थन में पार्टी सांसदों ने इस्तीफा दे दिया। उसके बाद से अवामी लीग के नेताओं ने बीएनपी की निंदा की मुहिम छेड़ रखी है। उबैदुल कादिर ने आरोप लगाया कि बीएनपी देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रही है, लेकिन उन्होंने किया कि ये कोशिश नाकाम रही है। कादिर ने कहा कि प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के नेतृत्व में 'स्वतंत्रता संग्राम समर्थक ताकतें' देश विरोधी शक्तियों को कुचल देंगी।

अवामी लीग के एक अन्य प्रमुख नेता मोहम्मद अब्दुर्रजाक ने कहा- 'पिछली संसद में बीएनपी का एक भी सदस्य नहीं था। तब भी संसद ने अपना काम किया था। इसलिए सात बीएनपी सांसदों के इस्तीफा देने का कोई असर नही होगा।' सूचना और प्रसारण मंत्री हसन महमूद ने आरोप लगाया है कि बीएनपी हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर चल रही है। उसके सांसदों ने लोकतंत्र के संचालन में रुकावट डालने के लिए इस्तीफा दिया है।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक बीएनपी ने 1994 के हालात को पुनर्जीवित करने की कोशिश मे अपने सांसदों से इस्तीफा दिलवाने की रणनीति अपनाई है। तब अवामी लीग के 147 सांसदों ने तुरंत चुनाव की मांग पर जोर डालने के लिए इस्तीफा दे दिया था। उसका असर तब हुआ था और तत्कालीन बीएनपी सरकार को तुरंत अगला चुनाव कराने पर मजबूर होना पड़ा था। लेकिन इस मौके पर बीएनपी के इस्तीफा देने वाले सांसदों की संख्या की इतनी कम है कि उससे अवामी लीग सरकार पर निर्णायक दबाव बनने की संभावना कम है।

उलटे सत्ताधारी अवामी लीग ने आक्रामक रुख अख्तियार कर लिया है। संसद के स्पीकर शिरीन शरमिन चौधरी ने रविवार को कहा कि जिन सीटों से बीएनपी सदस्यों ने इस्तीफा दिया है, वहां 90 दिन के अंदर उप चुनाव कराए जाएंगे। तय कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश में संसदीय आम चुनाव 2024 के आरंभ में होंगे। पहले बांग्लादेश में आम चुनाव तटस्थ सरकार के तहत कराने का प्रावधान था। लेकिन शेख हसीना सरकार ने 2011 में इस प्रावधान को खत्म कर दिया। इसलिए अब चुनाव वर्तमान सरकार की देखरेख में ही होंगे।

विरोध करने पर सरेआम फांसी दे रही ईरानी सरकार, एक सप्ताह के भीतर दो प्रदर्शनकारियों को मौत की सजा

तेहरान

ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों को सरेआम फांसी दी जा रही है। मिजान समाचार एजेंसी के मुताबिक विरोध की आवाज उठाने के आरोप में एक सप्ताह से भी कम समय में दो लोगों को सरेआम मौत की सजा दी गई है। ईरान में एक प्रदर्शनकारी को दो सुरक्षाकर्मियों को चाकू मारने का दोषी पाए जाने के बाद सरेआम फांसी दे दी गई। देश के सख्त महिला ड्रेस कोड का कथित रूप से उल्लंघन करने के लिए पुलिस हिरासत में महसा अमिनी की मौत के बाद सरकार विरोधी प्रदर्शनों को लेकर पिछले हफ्ते मोहसिन शेखरी को फांसी पर लटकाए जाने के बाद यह दूसरी फांसी है।

रहनवरद ने चाकू मारकर दो सुरक्षाकर्मियों की हत्या की थी

देश की न्यायपालिका के तहत रहनवरद पर 17 नवंबर को मशहद में सुरक्षा बल के दो सदस्यों की चाकू मारकर हत्या करने और चार अन्य को घायल करने का आरोप लगाया गया है। मशहद के क्रांतिकारी न्यायालय ने रहनवरद को मुहारेबेह के आरोप में दोषी ठहराया, जिसका अर्थ एक फारसी शब्द है जिसका अर्थ है ईश्वर के खिलाफ युद्ध छेड़ना। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद के दशकों में दूसरों के खिलाफ यह आरोप लगाया गया है और मृत्युदंड दिया जाता है। मशहद, एक शिया पवित्र शहर, तेहरान से लगभग 740 किमी पूर्व में स्थित है। प्रसारित फुटेज में एक व्यक्ति को गली के नुक्कड़ पर दूसरे का पीछा करते देखा जा सकता है, जहां वह एक खड़ी मोटरसाइकिल से गिरने के बाद उसे चाकू मार देता है। एक अन्य फुटेज में वही व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को चाकू मारते हुए दिखा और वह तुरंत बाद भाग गया। सरकारी टीवी ने आरोप लगाया कि हमलावर की पहचान राहनवरद के रूप में हुई है।

काबुल के होटल में धमाका और फायरिंग, चीनी अधिकारी के बीच काफी लोकप्रिय है यह गेस्ट हाउस

काबुल।

अफगानिस्तान की राजधानी में चीनी लोगों के बीच लोकप्रिय गेस्ट हाउस के पास जोरदार धमाका हुआ है। कुछ लोगों ने होटल के अंदर घुसकर गोलीबारी भी की है। काबुल के शाहर-ए-नौ क्षेत्र के निवासियों ने पुष्टि की है कि उन्होंने एक विस्फोट और छिटपुट गोलीबारी की आवाज सुनी है। सुरक्षा अधिकारियों ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है।

इससे पहले अफगानिस्तान में छह दिसंबर की दोपहर में जलालाबाद शहर के मनी एक्सचेंज मार्केट में जोरदार धमाका हुआ था। जलालाबाद अफगानिस्तान का पांचवां सबसे बड़ा शहर है। इससे पहले इसी दिन उत्तरी अफगानिस्तान के बल्ख प्रांत में एक तेल कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहे वाहन में जोरदार धमाका हुआ था। इस धमाके में कई लोगों की मौत भी हुई थी।

इससे एक सप्ताह पहले समांगन प्रांत के ऐबक शहर में जाहदिया मदरसे में बम विस्फोट हुआ था। इस धमाके में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 27 लोग घायल हो गए। धमाका दोपहर की नमाज के बाद हुआ था।

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के बाद तालिबान सत्ता पर काबिज है। इसके बाद से अफगानिस्तान में पूरी तरह से इस्लामी शासन लौट आया है। भले ही सत्ता संभालते ही तालिबान ने महिला अधिकारों और मानवाधिकारों का आश्वासन दिया था, लेकिन यहां आए दिन ऐसी खबरें सामने आ रही हैं, जिसमें महिला व मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। तालिबान शासन के बाद से अफगानिस्तान में आतंकी संगठन भी सक्रिय हो गए हैं। बीते एक साल में यहां कई आतंकी घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। ज्यादातर हमलों में मस्जिदों को निशाना बनाया गया है।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अरब जगत में मचाई धूम, क्वाड और पश्चिम देशों के लिए बड़ा संदेश

दुबई।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का अरब देश में जिस तरह से स्वागत किया गया उसने क्वाड और पश्चिम देशों को एक बार सोचने के लिए जरूर मजबूर कर दिया है। जिनपिंग के प्रभुत्व का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि कतर के अमीर तमिन बिन हमद अल थानी दोहा में चल रहे विश्व कप फुटबॉल समारोह को छोड़कर उनसे मिलने आए। अब सवाल ये उठ रहा है कि आखिर सऊदी अरब और चीन एक साथ आकर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को क्या संदेश देना चाहता है

चीन ने अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को दिया संदेश

चीन खाड़ी देशों में उस जगह को भरना चाहता है, जिसे अमेरिका ने खाली किया है। खाड़ी देशों में चीन की बढ़ती धाक अमेरिका के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। इसके अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पश्चिमी देशों की दखल को देखते हुए भी जिनपिंग की यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है। दूसरा व्यापार के मोर्चे पर अमेरिका समेत पश्चिमी देशों को एक संदेश दिया है। जिनपिंग ने कहा कि उनकी यात्रा चीन अरब लीग देशों के संबंधों में एक नए युग की शुरुआत है। इस दौरान उनका खाड़ी देशों के अन्य तेल उत्पादकों से मिलने का भी कार्यक्रम है।

चीन के स्वागत के लिए अरब के कई दिग्गज हुए थे शामिल

चीन-जीसीसी शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति शी से मिलने वालों में बहरीन के राजा हमद, कतर के अमीर शेख तमिन, फुजैराह, संयुक्त अरब अमीरात के शासक शेख हमद बिन मोहम्मद, कुवैती क्राउन प्रिंस शेख मशाल अल सबाह और ओमान के उप प्रधान मंत्री सैय्यद फहद अल सैद शामिल थे। अन्य मध्य-पूर्व नेता जो चीन-अरब शिखर सम्मेलन में शामिल हुए थे उनमें मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल सिसी, सूडान संप्रभु परिषद के प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल बुरहान, फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास और इराकी प्रधान मंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी शामिल थे।

विदेशी निवेश के लिए समर्पण की मुद्रा में पाकिस्तान, कानून से मुक्ति देने को तैयार

इस्लामाबाद।

आर्थिक संकट में गहराई तक डूबे पाकिस्तान की सरकार ने अब विदेशी निवेशकों को संरक्षण देने के विशेष उपाय करने की घोषणा की है। शहबाज शरीफ सरकार ने इसके लिए विशेष कानून बनाने का फैसला किया है। प्रस्तावित कानून के तहत विदेशी निवेशकों को पाकिस्तान के अंदर न्यायिक और संसदीय कार्यवाहियों से मुक्ति दे दी जाएगी। बताया गया है कि ये कानून पारित कराने के लिए संसद के ऊपरी सदन सीनेट का विशेष अधिवेशन बुलाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक रेको डिग मामले में सुप्रीम कोर्ट का अनुकूल निर्णय आने से शहबाज शरीफ सरकार का हौसला बढ़ा है। पाकिस्तान सरकार ने रेको डिग माइनिंग प्रोजेक्ट पर फिर से काम शुरू करने के लिए दो विदेशी कंपनियों एंतोफागस्ता और बैरिक गोल्ड कॉरपोरेशन से करार किया था। उस करार में इन कंपनियों को न्यायिक और संसदीय कार्यवाहियों से मुक्ति दी गई थी। बीते शुक्रवार को पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इस करार को वैध ठहरा दिया।

यह करार संवैधानिक है या नहीं, इसे परखने के लिए खुद सरकार ने इसे राष्ट्रपति के रेफरेंस (प्रेसिडेंशियल रेफरेंस) के जरिए सुप्रीम कोर्ट के पास पिछले महीने भेजा था। उधर आलोचकों ने कहा है कि बढ़ते आर्थिक संकट से फैली बदहवासी के बीच पाकिस्तान सरकार ने विदेशी निवेशकों को देश के कानून से ऊपर कर दिया था। इसी माहौल के कारण सुप्रीम कोर्ट ने भी इस करार को सही ठहरा दिया है। अब ये चलन तेजी से आगे बढ़ेगा।

शहबाज शरीफ सरकार ने अब विदेशी निवेश संरक्षण बिल लाने की घोषणा कर दी है। सरकार ने कहा है कि इसके जरिए विदेशी निवेशकों को पाकिस्तान में सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा। सरकारी सूत्रों ने कहा है कि देश में निवेश करने वाली कंपनियों की शिकायतें बढ़ती चली गई हैं। नया कानून उन्हें ऐसी शिकायतों से मुक्ति दिलवाएगा। अखबार एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के मुताबिक अभी सरकार के अंदर इस बात पर विचार किया जा रहा है कि बिल को पहले सीनेट में पेश किया जाए, या संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में। रेको डिग करार पिछले मार्च में हुआ था। तब इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार सत्ता में थी। इसके पहले 2013 में सुप्रीम कोर्ट ऐसे प्रावधान वाले एक करार को रद्द कर दिया था। लेकिन इस बार कोर्ट ने कहा कि रेको डिग समझौते से उसके 2013 के फैसले का उल्लंघन नहीं होता है। कोर्ट ने कहा कि रेको डिग का नया करार पारदर्शिता बरतते हुए और बुद्धिमानी का परिचय देते हुए किया गया है। इससे किसी कानून का उल्लंघन नहीं हुआ है।

वैसे बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि रेको डिग करार के वैध ठहराए जाने के बावजूद इस परियोजना पर तुरंत काम शुरू होने की संभावना नहीं है। अभी निवेशकों का भरोसा बंधाने के लिए सरकार को कई और कदम उठाने होंगे। इन विशेषज्ञों के मुताबिक विदेशी निवेश (संरक्षण और प्रोत्साहन) बिल-2022 अगर पारित हो गया, तो उसके बाद जरूर परियोजना शुरू की संभावनाएं मजबूत होंगी। उम्मीद जताई गई है कि सरकार 15 दिसंबर तक ये बिल पारित करा लेगी।

वर्तमान युग में समाधान मूलक पत्रकारिता की आवश्यकता : प्रो. द्विवेदी

जोधपुर (हिंस)। किसी भी सभ्य समाज के निर्माण के लिए अच्छे सामाजिक मूल्यों की स्थापना जरूरी है। एक अच्छा मनुष्य ही अच्छा पत्रकार बन सकता है। मीडिया के माध्यम से अधिकार बोध के साथ कर्तव्य बोध को भी जागृत करने की आवश्यकता है। वर्तमान युग में समस्या के बजाय समाधान मूलक पत्रकारिता की आवश्यकता है। मीडिया का सामाजिक सरोकार इसी प्रकार के संवाद को बल देने का है। यह कहना था भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी का। वे जेएनवीयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की ओर से सोमवार को आयोजित मीडिया के सामाजिक और राजनीतिक सरोकार विषयक विशेष व्याख्यानमाला में बोल रहे थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में बोलते हुए प्रो. द्विवेदी ने आधुनिक शिक्षा में नैतिक शिक्षा, पर्यावरण जागरूकता एवं कौशल विकास पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पहले मनुष्य ने

प्रकृति के साथ समझौता किया। उसका वहां के जंगल, नदियों, पर्वतों से रिश्ता था आज उसी पर्यावरण प्रेम की आवश्यकता है। कौशल विकास से समाज आत्मनिर्भर बनता है। भारत की कौशल के क्षेत्र में गौरवमयी परम्परा रही है। यहां के लोगों ने अपनी संस्कृति एवं हुनर से विश्व को चमत्कृत किया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. केएल श्रीवास्तव ने इस प्रकार के व्याख्यानों के माध्यम से विद्यार्थियों के ज्ञानार्जन में वृद्धि की बात कही। व्याख्यानमाला के विशिष्ट अतिथि एवं वरिष्ठ पत्रकार पदम मेहता ने अपने उद्बोधन में कथनी और करनी में फर्क न करने की बात कही। उन्होंने नैतिक मूल्यों, संस्कार व संस्कृति के महत्व को बताते हुए लोक जीवन में स्थानीय भाषा को समृद्ध करने की महत्ती आवश्यकता बताई। इससे पहले पत्रकारिता एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष प्रो. एसके मीना ने अपने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रकट करते हुए अपने शब्द सुमनों से अतिथियों का स्वागत किया। अंत में हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो. महीपाल सिंह राठौड़ ने अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। विशेष व्याख्यानमाला में प्रो. रेणु शर्मा, डॉ. मीनाक्षी बोराणा, डॉ. कुलदीप सिंह मीना, डॉ. श्रवण कुमार, डॉ. प्रवीण चन्द, डॉ. महेन्द्र सिंह, डॉ. फत्ताराम नायक, डॉ. योगेश शर्मा, सवाई सिंह, सचिन कुमार पारीक इत्यादि शिक्षक, शोधार्थी, विद्यार्थी और कमला नेहरू महिला महाविद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही। मंच संचालन डॉ. मधु बैनर्जी ने किया।

तरनतारन के थाने पर रॉकेट हमला पंजाब सरकार की विफलता : जेपी दलाल

भिवानी (हिंस)। भिवानी पहुंचे हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल ने तरनतारन में हुए हमले को लेकर पंजाब सरकार का फेलियर बताया है। साथ ही पुरानी पेंशन बहाली व फ्री कल्चर को 95 फीसदी आबादी का हक मारना बताया। वहीं किसान संगठनों की सक्रियता पर भी अपनी राय रखी। बता दें कि हरियाणा के कृषि मंत्री जेपी दलाल सोमवार को भिवानी अपने आवास पर जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। इस दौरान उन्होंने मीडिया से मुखातिब होते हुए देश व प्रदेश के ताजा राजनीतिक हालातों व मुद्दों पर अपनी राय रखी। सबसे पहले कृषि मंत्री जेपी दलाल ने पंजाब के तरनतारन में हुए आतंकी हमले पर पंजाब सरकार को घेरा। उन्होंने कहा सालों से देश विरोधी ताकतें पंजाब को दहलाने में लगी है, पर दुर्भाग्य से पंजाब में बनी आप सरकार अपनी जिम्मेवारी नहीं निभा रही। केंद्र सरकार देश विरोधी ताकतों की घटनाओं से चिंतित है सतर्क है। उन्होंने पंजाब के सीएम भगवंत मान से राजनीति से पहले देश की सोच

रखने की अपील करते हुए देश विरोधी ताकतों को कुचलने को कहा। वहीं आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय पार्टी बनने और कांग्रेस की जगह लेकर भाजपा को टक्कर देने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस को खत्म हो चुकी है। कोई ना कोई पार्टी उसकी जगह लेगी। उन्होंने कहा हर स्टेट में अलग-अलग क्षेत्रीय दल है। अब आप को क्षेत्रीय माने या राष्ट्रीय, पर अभी आप को देश में फैलाव के लिए बहुत समय लगेगा। देश भर में उठ रहे पूरानी पेंशन बहाली के मुद्दे पर जेपी दलाल ने जवाब देते हुये कहा कि ये फ्री का कल्चर और पेंशन देश की 95 फीसदी आबादी का हक मारती है और विकास के बजट में कमी लाती है। उन्होंने कहा कि अकेली पेंशन से देश नहीं चलता। इसके साथ ही एक साल बाद फिर से किसान संगठनों के सक्रिय होने पर कहा कि पंजाब में चुनाव हारने वाले संगठन हरियाणा में फिर से अवस्था फैलाना चाहते हैं। जेपी दलाल ने हरियाणा के किसानों को इनसे सावधान रहने की अपील की।

तरनतारन आरपीजी अटैक में बड़ा खुलासा

तरनतारन। तरनतारन आरपीजी अटैक मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। रॉकेट लांचर पाकिस्तान से ड्रोन जरिए सप्लाई किए गए हैं। क्रॉस बार्डर द्वारा पंजाब में पहुंचाया गया है। रशियन मेड आरपीजी-22 का इस्तेमाल हुआ है। इस्तेमाल किए गए रॉकेट लांचर की तस्वीर सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार तरनतारन में आरपीजी अटैक जो हुआ है उसका सुराग पुलिस के हाथ लगा है। उस वारदात को 5-6 दहशतगर्दों ने अंजाम दिया है। बताया जा रहा है कि दहशतगर्द हमले से पहले एक ढाबे में रुके थे जो थाने से थोड़ी दूरी पर था। ढाबे में बैठे हमलावरों की तस्वीरें सीसीटीवी में कैद हुई है। हमलावर कार और मोटरसाइकिल पर सवार थे।

तरनतारन के बाद अब अन्य जिले पर आतंकी हमले का खतरा

लुधियाना। पंजाब में हाई अलर्ट चल रहा है। तरनतारन के थाने पर हमले के बाद वैसे भी पंजाब पुलिस सतर्क है लेकिन महानगर के एक अपार्टमैंट में धमकी भरे पत्र मिलने के बाद पुलिस भी चौकस है। सूत्रों से यह भी पता चला है कि महानगर में आतंकी हमला होने की आशंका है, इसलिए रविवार को एकदम से पुलिस मुस्तैद हो गई है। पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू ने खुद चैकिंग की कमान संभाली और डीसीपी वरिंदर सिंह बराड़ सहित अन्य उच्चाधिकारियों के साथ शहर के सार्वजनिक स्थालों की चैकिंग की। दरअसल, रविवार की दोपहर को पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू, डीसीपी वरिंदर सिंह बराड़, एडीसीपी तुषार गुप्ता, एडीसीपी

रूपिंद्र कौर सहित सभी एसीपी भारी पुलिस बल एवं बम निरोधक दस्ते के साथ पहले बस स्टैंड में पहुंचे जहां सीपी की अगुवाई में सवारियों का सामान चैक किया गया। इसके अलावा पार्किंग और बसों तक की तलाशी ली गई। बस स्टैंड के बाहर पुलिस द्वारा नाकाबंदी कर वाहनों की चैकिंग की गई। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को भी पूछताछ के लिए पकड़ा गया है। इसके बाद रेलवे स्टेशन में चैकिंग अभियान चलाया गया है। लोगों के सामान की चैकिंग कर स्टेशन के एंट्री प्वाइंट की सुरक्षा को कड़ा कर दिया गया है। पुलिस कमिश्नर मनदीप सिंह सिद्धू का कहना है कि कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से सरप्राइज चैकिंग की जा रही है जोकि लगातार जारी रहेगी। रविवार सुबह पहले चैकिंग की गई थी। दोपहर, शाम और रात को चैकिंग जारी रहेगी। लोगों की सुरक्षा के लिए पुलिस हमेशा हाजिर है।

विधायक पठानमाजरा की बढ़ी मुसीबत चुनाव आयोग के पास पहुंचा मामला

पटियाला। सनौर के आम आदमी पार्टी विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा की मुसिबतें थमने का नाम नहीं ले रही। अब उनकी दूसरी पत्नी ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करवा दी है। पठानमाजरा की दूसरी पत्नी गुरप्रीत कौर ने शिकायत दी है कि विधायनसभा चुनाव के नजदीक हरमीत सिंह पठानमाजरा ने उनसे शादी की थी लेकिन चुनाव आयोग में दिए हल्फनामे में नाम पहली पत्नी का था।

इसका विरोध किया था लेकिन विधायक पठानमाजरा ने कहा सब ठीक हो जाएगा। विधायक की दूसरी पत्नी ने कहा कि उसकी जान को खतरा है उसे सुरक्षा भी मिली हुई है लेकिन फिर भी डर लगता है क्योकि विधायक का पुलिस के साथ उठना- बैठना है। दूसरी पत्नी गुरप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि चुनाव आयोग कोई निर्णय करेगा। आपको बता दें हरमीत सिंह पठानमाजरा के खिलाफ उनकी दूसरी पत्नी गुरप्रीत कौर ने पंजाब हरियाणा हाई कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। हाई कोर्ट ने मामले में सनौर विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा व पंजाब सरकार को नोटिस जारी करते हुए जवाब मांगा था। यह भी बता दें पठानमाजरा की दूसरी पत्नी गुरप्रीत कौर ने आरोप लगाए थे कि झूठ बोलकर उनके साथ दूसरी शादी की है। उन्होंने विधायक पर शारीरिक और मानसिक शोषण का भी आरोप लगाए हुए हैं। पठानमाजरा के खिलाफ उनकी दूसरी पत्नी गुरप्रीत ने थाना जीरकपुर में शिकायत भी दी थी। उनका आरोप था कि विधायक ने पहली पत्नी को तलाक दिए बिना उसके साथ दूसरी शादी की है।

पाकिस्तान को तोड़कर बांग्लादेश बनना आसान नहीं था, मजबूत नेतृत्व और सेना ने संभव किया : डावर

बीकानेर (हिंस)। भारत-पाक युद्ध और बांग्लादेश निर्माण के 50 वर्ष पूर्ण होने पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से संपूर्ण भारत वर्ष में विजय दिवस को गोल्डन जुबली वर्ष मनाया जा रहा है। इसकी शुरआत आज बीकानेर शहर जिला कांग्रेस द्वारा धरणीधर सभागार में हुई। गोल्डन जुबली वर्ष कार्यक्रम संयोजक कर्नल प्रवीण डावर ने उस युद्ध की बारीकियां बताते हुए कहा इतना आसान नहीं था पाकिस्तान के टुकड़े कर बांग्लादेश का निर्माण करना और काम संसाधनों के बावजूद मजबूत भारतीय नेतृत्व और भारतीय सैनिकों के अदम्य साहस ने इसे संभव कर दिखाया। डावर ने कहा की आज लोगो को लगता है की सैन्य कार्रवाई आसान रही होगी जबकि सैनिकों को पता नहीं था की परिणाम क्या होगा बस उनके मन में एक ही विश्वास था की आज हमे दुश्मन के दांत खट्टे करने है और भारतीय सैनिकों ने इसे कर दिखाया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष यशपाल गहलोत ने कहा की आज जो कहानी बताई है उसको सुनकर लगता है की वास्तविकता में सेना में काम करते हुए वतन की हिफाजत करना कितना मुस्कील होता है और आज ऐसे व्यक्ति हमारे बीच में है जो की उन हालातो को अच्छे से बया कर रहे है। अपने बच्चो को सैन्य गतिविधियों के बारे में बताना चाहिए। आज इस अवसर पर कर्नल शिशु पाल सिंह, श्रीलाल व्यास, हजारीमल देवड़ा, विक्की चड्ढा, अभिषेक गहलोत, फरमान कोहरी, विकास तंवर एजाज पठान, तोलाराम सियाग, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस जन मौजूद थे।

राहुल भले ही करें यात्रा, लेकिन जनता के लिए कांग्रेस सरकार को चेताएं : सतीश पूनिया

जयपुर (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने सोमवार को राहुल गांधी से एक बार फिर से सवाल पूछा है। इस बार पूनिया ने राहुल से आठवां सवाल पूछा कि राहुल गांधी यात्रा भले ही करें लेकि राजस्थान की जनता के लिए वे कांग्रेस की प्रदेश सरकार को जरुर चेताएं। उन्होंने पूछा प्रदेश के उपभोक्ताओं को सस्ती और पूरी बिजली कब मिलेगी और किसानों के पेडिंग ढाई लाख कनेक्शन कब देंगे? विधानसभा चुनाव-2018 के जनघोषणा पत्र की ओर ईशारा करते हुए पूनिया ने कहा चुनाव से पहले कई भाषणों में इस बात का जिक्र किया गया था कि अगर कांग्रेस पार्टी सरकारी सत्ता में आती है, तो सस्ती बिजली देंगे, अच्छी बिजली देंगे, पूरी बिजली देंगे और किसानों को बिजली कनेक्शन देंगे। आज 2 लाख 50 हजार किसान कनेक्शन का इंतजार कर रहे हैं। 10 हजार रुपए की सब्सिडी जो पिछले बीजेपी के शासन काल में दी जाती थी, ढाई साल तक उसे सरकार ने बंद रखा। आज कड़ाके की ठंड में किसान सिंचाई के लिए बेबस और लाचार है। उस ठंड के कारण मौतें भी हो गईं। साथ ही बिजली बिल

में फ्यूल सरचार्ज के नाम पर जो भार डाला गया, उसके लिए राजस्थान के उपभोक्ताओं को 350 करोड़ से भी ज्यादा का भुगतान करना होगा। उल्लेखनीय है कि बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष पूनिया पिछले 8 दिन से लगातार राहुल गांधी से सवाल पूछ रहे हैं। राहुल गांधी की 18 दिन की राजस्थान यात्रा के दौरान पूनिया ने रोजाना एक सवाल उनसे पूछने का निर्णय लिया है। जिसके तहत पूनिया रोजाना एक सवाल पूछ रहे हैं। लेकिन राहुल गांधी और राजस्थान की कांग्रेस सरकार उनके किसी भी सवाल का जवाब नहीं दे रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस भी उनके सवालों पर जवाब देना उचित नहीं समझ रही है। इसलिए बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष के सारे सवाल खाली ही जा रहे हैं। हालांकि पूनिया जनता और मीडिया तक लगातार अपने सवाल पहुंचा रहे हैं।

खेल के मैदान में बेटियों के साथ छाने लगी हैं भिवानी की बहुएं

भिवानी (हिंस)। भिवानी में अब बेटियों के साथ बहुएं भी खेल के मैदान में छाने गई है। ताजा उदाहरण जिला के गांव जताई की कुशल घणघस है। दो नौजवान बेटों की मां कुशल 45 साल की उम्र में नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल कर समाज के लिए प्रेरणा बन गई हैं। अभी तक बेटे और बेटियों की बदौलत देश व प्रदेश का गौरव बढ़ाने की बदौलत भिवानी को खेल नगरी कहा जाता था, पर अब भिवानी की बेटियों के साथ-साथ यहां की बहुएं भी छाने लगी हैं। इसमें नया नाम जूड़ा है जताई की कुशल घनघस का। कुशल ने एक उम्र के पड़ाव पर ग्रैपलिंग रेसलिंग खेल में ऐसा कौशल हासिल किया कि वो नेशनल चैंपियनशिप में गोल्ड विजेता बन गई। जींद जिला निवासी कुशल की वर्ष 1998 में भिवानी में शादी हुई थी। वो आज 22 वर्षीय रवि व 16 वर्षीय लक्ष्य नामक दो जवान बेटों की मां है। कुशल ने 8वीं से अपनी पढ़ाई ससुराल आकर ही की। उसके बाद औद्योगिक सुरक्षा बल पुलिस में भर्ती हुई। जिसे एक साल बाद खत्म कर दिया गया। फिलहाल कुशल गुरुग्राम के पालम विहार थाना में एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) के पद पर तैनात है। इस नौकरी पर रहते कुशल पिछले 3-4 साल से ग्रैपलिंग रैसलिंग की खिलाड़ी बनी है। हाल ही में यूपी के गोंडा में आयोजित सेकिंड नेशनल ग्रैपलिंग रैसलिंग चैंपियनशिप में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करते हुए एमपी की खिलाड़ी को पटकनी देकर गोल्ड मेडल हासिल किया है। कुशल घणघस के गोल्ड मैडल लेकर अपनी ससुराल जताई गांव में पहुंचे पर भव्य स्वागत हुआ। उन्हें नोटों की मालाएं पहनाई गई। महिलाओं ने मंगल गीत गाए।

बीकानेर की परंपरा संस्कृति को कोलकाता में भी जीवंत रखा है प्रवासियों ने : प्रहलाद ओझा

बीकानेर (हिंस)। शहर की पौराणिक परम्पराएं व संस्कृति को कोलकाता महानगर में बसे लोगों ने आज भी जीवंत रखा है और हर तीज त्योंहार में बीकानेरी संस्कृति की झलक देखने को मिल जाती है। ये उद्गार बीकानेरी संस्कृति के प्रचारक संवाहक तथा रमक झमक ने लिलुआ के सच्चियाय माता मंदिर प्रांगण में यज्ञशाला भूमि पूजन पर बतौर अतिथि के रूप में व्यक्त किए। ओझा ने कहा कि कोलकात्ता में गणगौर व लोक देवता बाबा रामदेव का द्वार बना होना यह दर्शाता है कि लोग महानगरीय संस्कृति के बीच रहकर भी अपनी संस्कृति से जुड़े हुए है। प्रधान आचार्य पण्डित दाऊ लाल ओझा, महानगर के उद्योगपति दाऊलाल देराश्री, कोलकाता में बीकानेरी साफा बांधने वाले गिरिराज हर्ष, लेखक-कलाकार व सामाजिक कार्यकर्ता पी. शीतल हर्ष, लक्ष्मीनारायण व्यास ने इस अवसर पर रमक झमक के अध्यक्ष का अभिनन्दन किया। पी.शीतल हर्ष ने स्वागत भाषण में कहा कि बीकानेर एक प्यारा शहर है जिस शहर की हवा में अपनायत है उस शहर के पानी में भलमानसता उस शहर की

संकृति, परम्परा को प्रह्लाद ओझा भैरू आगे बढ़ाए रखने में सदैव सक्रिय रहे है। बीकानेरी पुष्करणा ब्राह्मणों के दो वर्षीय सामूहिक विवाह (सावे) को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने मे रमक झमक संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान है। शहर परकोटे की संस्कृति के संवाहक का सम्मान कर कोलकात्ता में बसे हम बीकानेरी गौरवान्वित हुवे है। दाऊ ओझा झालापट्टा ने कहा कि उनके द्वारा बीकानेर में पहला भैरव महायज्ञ किया था और आज कोलकाता में 100 वां विराट रामदेव श्री महायज्ञ होने जा रहा है प्रथम व सौ वें महायज्ञ में दोनों में रमक झमक की उपस्थिति हर्षित व गौरवान्वित करती है।

शेरगढ़ गैस कांड : मृतकों की संख्या पहुंची 16

जोधपुर (हिंस)। निकटवर्ती शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में गुरुवार को शादी समारोह में हुए गैस कांड में आग से झुलसे चार और लोगों की मौत हो गई है। एक महिला ने देर रात दम तोड़ दिया तो आज सुबह एक बालक एवं दो महिलाओं ने दोपहर तक दम तोड़ दिया। इस हादसे में अब तक 16 लोगों की जान जा चुकीं है। 39 लोग उपचाराधीन है। देर रात भूंगरा की 40 साल की गंवरी देवी पत्नी धनसिंह एवं आज सुबह नौ साल के लोकेंद्र सिंह पुत्र भारत सिंह की मौत हुई है। दोपहर में 65 साल की जमना देवी पत्नी भैरूसिंह एवं 30 साल की मेहरिया निवासी जसूकंवर पत्नी भारत सिंह ने दम तोड़ा है। इनकी संख्या बढ़ भी सकती है। कई लोग अब भी 70 फीसदी से ज्यादा झुलसे हुए है। बर्न यूनिट में संक्रमण का खतरा भी बना हुआ है। शनिवार को भूंगरा की ही 10 साल की सज्जन कंवर पुत्री उत्तम सिंह, 60 साल की सुआकंवर पत्नी अमरसिंह एवं 12 साल की पूनम पुत्री बाबूसिंह और सांकड़ा जैसलमेर निवासी 26 साल के सुरेंद्र सिंह पुत्र डूंगरसिंह मृत्यु हुई थी। रविवार को दिन भर अच्छा बीता और कोई दुखद समाचार नहीं मिला। मगर देर रात और सोमवार को तीन मौतों ने फिर से जख्म हरे कर दिए। पुलिस के अनुसार इस हादसे में अभी तक 13 साल की धापू देवी पुत्री भंवरसिंह, 40 साल की चंद्रकंवर पत्नी धनसिंह एवं कंवरूकंवर पत्नी मदन सिंह, खुशबू पुत्री गणपत सिंह और रतन सिंह पुत्र सांग सिहं धापूकंवर पुत्री बाबू सिंह एवं 16 साल की प्रकाशकंवर पुत्री नरपतसिंह की भी मौत हो गई थी। उल्लेखनीय है कि गत गुरूवार को जिले के शेरगढ़ स्थित भूंगरा गांव में सगतसिंह की ढाणी में उनके पुत्र सुरेंद्र सिंह की शादी थी। बारात रवानगी से पहले ही दोपहर में गैस रिसाव के साथ भीषण आग लगी और दो गैस सिलेण्डर फट गए। जिससे घर परिवार रिश्तेदारी के 54 लोग आग में झुलस गए थे। जिन्हें उपचार के लिए जोधपुर एमजीएच अस्पताल के बर्न यूनिट में भर्ती करवाया गया था। इनमें कई की स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब तक इसमें 16 लोग काल कल्वित हो चुके है।

मानवता के लिए नि:स्वार्थ कार्य भाजपा ओबीसी मोर्चा की पहली प्राथमिकता : ब्रह्म ज्योत सत्ती

जम्मू। ब्रह्म ज्योत सत्ती, अध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी के निर्देश पर भाजपा ओबीसी मोर्चा उधमपुर इकाई ने उधमपुर जिले के रामनगर में विभिन्न स्थलों पर जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रमों का आयोजन शाम लाल (जिलाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा) ने किया। मौके पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। कार्यक्रम में उन्होंने क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों और स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की और उनकी शिकायतों को सुना और उन्हें आश्वासन दिया कि सभी मुद्दों को जल्द से जल्द सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने ओबीसी के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी और लोगों से इन योजनाओं का लाभ लेने का आग्रह किया और उन्होंने कहा

कि भाजपा की विचारधारा जनता के लिए सर्वोत्तम है। उन्होंने भाजपा ओबीसी मोर्चा के पक्ष में नारे लगाए। इस पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने सराहनीय कार्य करने के लिए उधमपुर टीम के काम की सराहना की और कहा कि सर्द मौसम और बारिश के अलावा ओबीसी मोर्चा पूरे जम्मू और कश्मीर में सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी जनता के लिए निस्वार्थ कार्य करना ओबीसी मोर्चा की पहली प्राथमिकता है और हम सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहे हैं और पूरे जम्मू-कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ओबीसी मोर्चा समाज के सभी वर्गों के लिए काम कर रहा है और सामाजिक कार्यों का आयोजन कर रहा है और पूरे जम्मू-कश्मीर में मानवता की सेवा कर रहा है। बीजेपी हमेशा नेशन्स फर्स्ट की विचारधारा का पालन करती है और यह नीति भारत और इसके नागरिकों के लिए बेहतर है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जरूरतमंद लोगों के लिए बड़ी संख्या में अत्यधिक लाभकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और जनता को इन योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि लोग बीजेपी ओबीसी मोर्चा के काम से प्रेरणा ले रहे हैं और बीजेपी में शामिल हो रहे हैं। भाजपा ओबीसी मोर्चा हमेशा जनता की भलाई के लिए उपलब्ध है और भविष्य में भी जरूरतमंदों की मदद करता रहेगा।

CORRIGENDUM

(1) The date of e-tender notice No.AFPF/1/Q/2022-23/1913 dated 11.11.2022, the date of bid submission will be extended upto 16th Dec,2022.
(2) The technical bid opening date will be on 19 Dec,2022.
(3) The e-tender notice vide No.AFPF/1/Q/2022-23/1913 dated 11/11/2022, correction has been made on the terms and conditions for the work that is “All the tender wherein rate are below and above 5% over the approve estimate cost shall not be accepted”.

Commandant
1st Assam Forest Protection Force
Basistha,Guwahati-29.

-- Janasanyog/C/15823/22

सीमेंट इकाई बेचने जेपी के लिए निदेशक मंडल की बैठक

नई दिल्ली।
जेपी समूह ने सोमवार को कहा कि समूह के सीमेंट कारोबार को डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड को 5,666 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर बेचने के लिए एक बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस बाध्यकारी समझौते पर जयप्रकाश एसोसिएट्स और जयप्रकाश पावर वेंचर्स ने हस्ताक्षर किए हैं। जेपी समूह की कंपनियों ने एक विज्ञप्ति में कहा कि इस विनिवेश में 9.4 मिलियन टन की कुल क्षमता वाले सीमेंट प्लांट, 6.7 मिलियन टन की क्षमता वाली क्लिंकर संपत्ति और 280 मेगावाट क्षमता का थर्मल पावर प्लांट शामिल हैं।

डालमिया भारत को सीमेंट परिसंपत्तियों के विनिवेश से प्राप्त आय का मुख्य रूप से जयप्रकाश एसोसिएट्स के कर्ज को चुकाने के लिए उपयोग किया जाएगा। यह कर्ज से लदी जयप्रकाश एसोसिएट्स की संपत्ति की बिक्री का दूसरा सौदा है। इससे पहले कंपनी ने 2015 में डालमिया समूह को 2 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की कुल क्षमता वाली सीमेंट इकाइयों में नियंत्रण हिस्सेदारी बेची थी। समूह अपने ऋणदाताओं की ओर से दिवालिया बोली को रोकने व ऋण को कम करने के लिए कई कदम उठा रहा है। फिर 2014 और 2017 के बीच जयप्रकाश एसोसिएट्स ने अल्ट्राटेक सीमेंट को 20 एमटीपीए क्षमता से अधिक की सीमेंट संपत्ति बेच दी।

जेपी समूह की जयप्रकाश एसोसिएट्स ने मध्य प्रदेश में अपनी नीलगिरि सीमेंट इकाई को बेचने का फैसला लेने के लिए सोमवार (12 दिसंबर 2022) को निदेशक मंडल की बैठक बुलाई थी। कंपनी के अधिग्रहण की दौड़ में डालमिया सीमेंट सबसे आगे रही हालांकि, मैदान में अदानी समूह और आदित्य बिड़ला समूह भी थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अदानी और अल्ट्राटेक ग्रुप दोनों की ओर से 5,000 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्यांकन पर फर्म को खरीदने के लिए जेपी के साथ बातचीत की गई थी। जयप्रकाश एसोसिएट्स की सीमेंट इकाइयों की बिक्री से भारतीय ऋणदाताओं को राहत मिलेगी। उनका कंपनी और इसकी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 7 नवंबर को करीब 28,753 करोड़ रुपये का निवेश है। कंपनी ने बैंक कर्ज चुकाने में चूक के बाद सालाना 10.55 मिलियन टन सीमेंट क्षमता की बिक्री की पेशकश की थी।डालमिया सीमेंट और जयप्रकाश एसोसिएट्स की ओर से इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है।

न्यूज ब्रीफ

एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिए 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदे जाएंगे, बोईंग और एयरबस से चल रही बात

नई दिल्ली। टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया अपेक्षाकृत छोटे आकार के 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदने के लिये अमेरिकी कंपनी बोइंग के साथ सौदे को अंतिम रूप देने के करीब है। कंपनी ये विमान सस्ती अंतरराष्ट्रीय सेवाएं देने वाली एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिये खरीद रही है। मामले से जुड़े सूत्रों ने कहा कि यह सौदा बड़े विमान के ऑर्डर का हिस्सा होगा। इसको लेकर कंपनी बोइंग और एयरबस एसई के साथ चालू वित्त वर्ष की शुरुआत से ही बात कर रही है। घाटे में चल रही एयर इंडिया की अगले तीन साल में अपने विमानों के बड़े को तीन गुना करने की योजना है। टाटा समूह ने इस साल जनवरी में एयर इंडिया का अधिग्रहण किया था। एयरलाइन कारोबार को सुदृढ़ बनाने के लिये टाटा समूह ने अपनी घरेलू इकाई एयर एशिया इंडिया के एयर इंडिया में विलय की भी घोषणा की है। कंपनी एयरबस ए320 विमानों के बेड़े का परिचालन करती है। फिलहाल एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 24 बोइंग 737 विमानों का बेड़ा है। सूत्रों ने कहा कि सौदे पर आगे की चर्चा के लिये एयर इंडिया और बोइंग के अधिकारियों की सोमवार को बैठक होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''एयर इंडिया ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के लिये 50 बोइंग 737 मैक्स विमान खरीदने को लेकर बोइंग के साथ सौदे को लगभग अंतिम रूप दे दिया है।'' हालांकि, इस बारे में एयर इंडिया ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

इस हफ्ते तीन कंपनियां आईपीओ से जुटाएंगी 1,858 करोड़ रुपये, सुला वाइनयार्ड्स का आईपीओ खुला

नई दिल्ली। इस हफ्ते तीन कंपनियां आईपीओ से 1,858 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयर बाजार में उतरेंगी। इनमें सुला वाइनयार्ड्स, लैंडमार्क कार और अबांस होल्डिंग हैं। सुला वाइनयार्ड्स का इश्यू 12 दिसंबर को खुलेगा। इसका मूल्य 340-357 रुपये है। कंपनी 960 करोड़ जुटाएगी। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि सुला वाइनयार्ड्स का GMP फिलहाल 33 रुपए चल रहा है। फिलहाल बाजार के जानकार इसे लेकर उत्साहित हैं। सुला वाइनयार्ड्स नासिक की कंपनी है। सुला वाइनयार्ड्स का इश्यू 12 दिसंबर को खुलेगा और यह 14 दिसंबर को बंद होगा। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फोर सेल है। लैंडमार्क का 552 करोड़ का इश्यू 13 दिसंबर को खुलेगा। इसका मूल्य 481 से 506 रुपये है। अबांस 345 करोड़ जुटाएगी और यह भी 12 दिसंबर को खुलेगा। इसका मूल्य 256-270 रुपये है। नवंबर में 10 आईपीओ आए थे। इस साल अभी तक कुल 33 कंपनियों ने 55,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इसमें से 21 हजार करोड़ एलआईसी ने जुटाया था। 2021 में 63 कंपनियों ने 1.19 लाख करोड़ रुपये जुटाए थे। फिनटेक कंपनी केफिन टेक भी जल्द ही आईपीओ लाएगी। अप्रैल में सेबी के पास मसौदा जमा कराया था। इसने सबसे बड़े आईपीओ एलआईसी का इश्यू भी किया था।

पेट्रोल-डीजल 33 रुपये तक होना चाहिए सस्ता, कच्चा तेल साल के सबसे निचले स्तर 76 डॉलर पर

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतें जुलाई, 2008 के बाद इस साल मार्च में 140 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई थीं। उसके बाद से 46 फीसदी गिरावट के साथ यह इस साल सबसे निचले स्तर 76 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल को लीटर और रुपये के हिसाब से अनुमान लगाएं तो कीमत 9 महीने में 33 रुपये प्रति लीटर से ज्यादा घटनी चाहिए। इसके बाद भी देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में गिरावट देखने को नहीं मिली है। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट इसलिए आ रही है, क्योंकि, रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद जो आपूर्ति की अनिश्चितता थी, वह अब फीकी पड़ गई है। मार्च में जब क्रूड 140 बैरल डॉलर था (एक बैरल में 159 लीटर) तब अप्रैल में खुदरा महंगाई 8 साल के रिकॉर्ड स्तर 7.79प्रतिशत पर थी। महंगाई को कम करने के लिए आरबीआई ने मई से रेपो दरों में कटौती शुरू की। उम्मीद है कि नवंबर की महंगाई के आंकड़े जब इस हफ्ते आएंगे तो वह 6प्रतिशत रह सकते हैं। तेल महंगा होने का ज्यादा असर माल ढुलाई पर होता है। पेट्रोल और डीजल की घरेलू दरें इन ईंधनों की अंतरराष्ट्रीय कीमतों पर निर्भर करती हैं।

आरएसएस ने बढ़ाई वित्त मंत्री की मुश्किलें, ओपीएस -गौ यूनिवर्सिटी और चीनी सामान को लेकर रखीं मांगें

नई दिल्ली।
देश का 2023-24 का बजट कैसा होना चाहिए इसे लेकर केंद्र सरकार और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। वित्त मंत्री राज्य सरकारों के अलावा विभिन्न संगठनों, उद्योगपतियों सहित आर्थिक विशेषज्ञों से विचार-विमर्श कर बजट तैयार करने में जुटी हुई हैं। हालांकि इस बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संगठनों की कुछ मांगों ने वित्तमंत्री सीतारमण के माथे पर चिंता की लकीरें ला दी हैं। आरएसएस से जुड़े संगठनों ने वित्तमंत्री से पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल करने की मांग की है। वहीं दूसरी तरफ पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन आय में मुद्रास्फीति के आधार पर वृद्धि की मांग की है। संघ ने देश में 51 गौ-विश्वविद्यालय स्थापना के साथ चीन के साथ लगातार बढ़ रहे व्यापार घाटे पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए वित्त मंत्री को आयात होने वाले सामानों पर आयात शुल्क बढ़ाने का सुझाव दिया। हाल ही में हुए गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी ने पुरानी पेंशन को एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाया। इसका फायदा कांग्रेस पार्टी को कहीं न कहीं हिमाचल में देखने को मिला। लेकिन गुजरात के लोगों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। अब कांग्रेस 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भी इसे बड़ा मुद्दा बना कर और जोर-शोर से उठाने की तैयारी कर रही हैं। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से जुड़े संगठनों की तरफ से वित्त मंत्री को दी गई यह सलाह राजनीतिक रूप से बेहद अहम मानी जा रही है। फरवरी 2023 के बजट सत्र में जब वित्त मंत्री मोदी सरकार का बजट पेश करेंगी, तो वह केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल का पूर्ण आखिरी बजट होगा। इसलिए राष्ट्रीय स्वयं संघ और उससे जुड़े संगठन केंद्र सरकार को लोक लुभावन, मजदूर-किसान, संगठित एवं असंगठित और भारतीय उद्योगों के हित वाला बजट बनाने का सुझाव दिया है, जिससे लोगों की जेब में ज्यादा से ज्यादा पैसा जाए।

किसानों की उन्नति और ग्रामीण विकास पर ज्यादा जोर - वित्त मंत्री ने निर्मला सीतारमण ने आरएसएस से जुड़े विभिन्न संगठनों के साथ पिछले माह नवंबर में 21 से 29 के बीच बैठक की थी। इसमें संगठनों के साथ अधिकांश बैठकें ऑनलाइन ही हुई थीं। इस दौरान भारतीय किसान संघ (बीकेएस) ने किसानों की मुश्किलें दूर करने और कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपनी मांगों की एक लंबी-चौड़ी सूची वित्त मंत्री को दी। बैठक में मौजूद सूत्र ने अमर उजाला से चर्चा में कहा, बीकेएस ने कृषि के सारे इनपुट्स को जीएसटी फ्री करने, खेती की बढ़ी लागत के अनुपात में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने, खाद्य में सब्सिडी देने के अलावा डीबीटी के जरिए किसानों को आर्थिक सहायता देने और सिंचाई एवं नदी जोड़ो परियोजनाओं के लिए ज्यादा फंड देने का सुझाव दिया है। बीकेएस ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए जरूरी कदम उठाने के साथ ही देश में ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने सहित अन्य कई महत्वपूर्ण सुझाव भी वित्त मंत्री को दिए। संघ ने गायों पर केंद्रित जैविक खेती को लेकर अनुसंधान और नॉलेज बढ़ाने के उद्देश्य से देशभर में 51 यूनिवर्सिटी स्थापित करने का सुझाव भी दिया। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमशीलता विकसित हो सकेगी। बीकेएस ने ग्रामीण कृषि बाजारों (जीआरएएम) में 22,000 हाटों को विकसित करने की योजना में सुस्ती का मुद्दा भी उठाया। इस योजना की घोषणा दिवंगत पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने 2018-19 के बजट में 2,000 करोड़ रुपये के बजट आवंटन के साथ की थी। बीकेएस से जुड़े एक पदाधिकारी ने बताया कि इस आवंटन का अधिकांश हिस्सा खर्च नहीं हुआ है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार बढ़ाने के लिए इस योजना को नए सिरे से प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बीकेएस ने किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा तीन लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने की भी वकालत की। उन्होंने वित्त मंत्री से कहा, कार्ड धारकों को भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के सर्टिफिकेट की अनिवार्यता के बिना ही माइक्रो-प्रोसेसिंग खाद्य इकाइयों को स्थापित करने का लाइसेंस दिया जाना चाहिए। एफएसएसएआई प्रमाण पत्र हासिल करना एक लंबी और चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया है। सरकार के पास पहले से ही किसान क्रेडिट कार्ड धारकों का डाटा है और इसके आधार पर उन्हें उद्यमी बनने के लिए लाइसेंस दिया जाना चाहिए। यह रोजगार बढ़ाने में मदद करेगा।

कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना पर जोर - बैठक में भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने वित्तमंत्री से पुरानी पेंशन व्यवस्था को फिर से बहाल करने, न्यूनतम पेंशन की राशि को एक हजार से बढ़ाकर पांच हजार करने एवं इसे वीडीए के साथ लिंक करने, रिटायर्ड एवं पेंशनर्स को आयुष्मान भारत योजना के साथ जोड़ कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना को मजबूत करने और समाज के कमजोर वर्ग के हितों की सुरक्षा के लिए कई तरह के अन्य कदम उठाने का सुझाव दिया है। बैठक में बीएमएस ने सुझाव दिया कि ई-श्रम पोर्टल पर सरकार के पास असंगठित क्षेत्र के लगभग 28 करोड़ श्रमिकों का डाटा है। उनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए धन के आवंटन की आवश्यकता है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए उन्हें सबसे आखिर में मिलने वाले वेतन की 50 फीसदी पेंशन आवंटित की जा सकती है। बीएमएस ने घाटे में चल रहे पीएसयू को लेकर सरकार को अपनी नीति बदलने का सुझाव देते हुए इनसे जुड़े सभी लोगों के बकाए वेतन का भुगतान करने की भी मांग की। बीएमएस ने बजट का फोकस असंगठित क्षेत्र के लिए कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ गांव-आधारित, सूक्ष्म और लघु उद्योगों को बढ़ावा देने की वकालत की।

विमानन मंत्री सिंधिया ने बताया दिल्लीएयरपोर्ट पर कैसे कम होगी भीड़, उठाया जरूरी कदम

नई दिल्ली।
केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सोमवार को नई दिल्लीमें इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के हितधारकों के साथ ञ्ज3 के औचक दौरे के बाद आयोजित एक समीक्षा बैठक के विवरण का खुलासा किया।

मीडिया के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, सिंधिया ने इस बात पर प्रकाश डाला कि हवाई यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। प्रमुख टर्मिनस पर हवाई यात्रियों की ओर से भीड़भाड़ का अनुभव करने की शिकायत सोशल मीडिया पर की गई थी।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, हमने प्रवेश द्वारों की संख्या 14 से बढ़ाकर 16 कर दी है। हवाई अड्डे के अंदर अधिकारियों के साथ एक बैठक हुई, जिसमें हमने तय किया है कि प्रवेश से पहले प्रतीक्षा समय को प्रदर्शित करने वाले प्रत्येक प्रवेश द्वार पर एक साइनबोर्ड लगाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, इससे लोगों को गेट तक पहुंचने में मदद मिलेगी जहां न्यूनतम प्रतीक्षा समय है।

सिंधिया का सोमवार को अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के टर्मिनल 3 का औचक दौरा तब हुआ जब यात्रियों की भीड़भाड़ और भीड़-भाड़ की शिकायतें लगातार बढ़ रही थीं। सिंधिया के कार्यालय की ओर से जारी एक वीडियो में कहा गया, यह मंत्री का हवाईअड्डे का औचक दौरा था और उन्होंने सभी संदिग्ध भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया और हवाईअड्डे के कर्मचारियों के साथ बातचीत की ताकि अधिक से अधिक भीड़भाड़ से बचा जा सके।

सिंधिया ने मीडिया को बताया कि यात्रियों की आवाजाही को और आसान बनाने के लिए सुरक्षा प्रक्रिया के संबंध में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। दिल्लीहवाई अड्डे पर वर्तमान में कुल 13 लाइनें उपयोग में हैं, जिन्हें हमने बढ़ाकर 16 कर दिया है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि उड्डयन सचिव राजीव बंसल के साथ स्थिति का आकलन करने के बाद इसे जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। सिंधिया ने भीड़ से बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों की जांच के दौरान हवाईअड्डे के अधिकारियों और ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ कर्मियों को कई निर्देश दिए थे।

सिंगापुर और न्यूयॉर्क दुनिया के सबसे महंगे शहर

नई दिल्ली।
इस महीने की शुरुआत में जारी नवीनतम इकोनॉमिस्ट इंटेलिजेंस यूनिट (ईआईयू) वर्ल्डवाइड कॉस्ट ऑफ लिविंग (डब्ल्यूसीओएल) इंडेक्स ने सिंगापुर और न्यूयॉर्क शहर (यूएस) को संयुक्त रूप से दुनिया का सबसे महंगा शहर घोषित किया।

तेल अवीव (इज़राइल) जो 2021 में रैंकिंग में सबसे ऊपर था, तीसरे स्थान पर आ गया। तेल अवीव ने पिछले साल सबसे महंगे शहर का टैग प्राप्त किया था इसका मुख्य कारण शेकेल का मजबूत होना था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले इसमें लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि आई है, संपत्ति की कीमतों में दो वर्षों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ईआईयू की रिपोर्ट के अनुसार, इसके सर्वेक्षण में शामिल 172 प्रमुख शहरों में 2022 में रहने की औसत लागत 8.1 प्रतिशत बढ़ गई है। यह 20 वर्षों में डिजिटल कॉस्ट-ऑफ-लिविंग डेटा के अनुसार सबसे तेज दर है। इस वृद्धि का मुख्य कारण रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध है, जिसने अन्य चीजों के साथ-साथ ऊर्जा, भोजन और वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि की है। उच्च वैश्विक तेल की कीमतों के बीच पिछले एक साल में स्थानीय मुद्रा में एक लीटर पेट्रोल की कीमत में औसतन 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

इसके अलावा, महामारी के कारण भी आपूर्ति श्रृंखलाएं प्रभावित हुई हैं। युद्ध दोनों ने दुनिया भर में उत्पादन और व्यापार को बड़े पैमाने पर बाधित किया है। हैरानी की बात यह है कि रैंकिंग में पहली बार न्यूयॉर्क भी नंबर एक पर है, जबकि सिंगापुर दस साल में आठवीं बार इस सूची में नंबर एक पर है।

आंध्र प्रदेश में 53 कुओं की खुदाई पर 2,150 करोड़ रुपये का निवेश करेगी ओएनजीसी

नई दिल्ली। ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) की आंध्र प्रदेश में 53 संभावना वाले कुओं की खुदाई में 2,150 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। इनमें से 50 कुएं कृष्णा-गोदावरी (केजी) बेसिन के गोदावरी में जमीनी पीएमएल (पेट्रोलियम खनन पट्टा) ब्लॉक में हैं। शेष तीन कुएं सीडी-ओएनएचपी ब्लॉक में होंगे। आंध्र प्रदेश राज्य स्तरीय पर्यावरण प्रभाव आकलन प्राधिकरण (एसईआईएए) ने पिछले महीने हुई एक बैठक में पर्यावरण मंजूरी के लिए ओएनजीसी की ओर से रखे गए दो अलग-अलग प्रस्तावों को अपनी सहमति दे दी थी। ओएनजीसी के अनुसार, उसका भूगर्भीय और भूभौतिकीय अध्ययन के आधार पर राज्य के पूर्व और पश्चिम गोदावरी जिलों में केजी बेसिन पीएमएल ब्लॉक में 2021-28 के दौरान 50 कुओं में संभावना का पता लगाने का प्रस्ताव है।

लोकसभा में बोलीं वित्त मंत्री- देश के विकास को कुछ लोग मजाक समझ रहे, विपक्ष को इससे दिक्कत

नई दिल्ली।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में कहा है कि दूसरी सभी मुद्राओं की तुलना में भारतीय मुद्रा में मजबूती है। लोकसभा में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने विदेशी एक्सचेंज रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए यह सुनिश्चित किया है कि डॉलर की तुलना में रुपया बहुत ज्यादा कमजोर ना हो। वित्त मंत्री ने कहा कि हालांकि यह दुखद है कि संसद में मौजूद कुछ लोग भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि से नाखुश हैं। भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है पर विपक्ष को इससे दिक्कत है। लोकसभा में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि देश के हर व्यक्ति को भारत के विकास पर गर्व होना चाहिए पर कुछ लोग इसे मजाक समझ रहे हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को संसद में कहा कि संबंधित महालेखाकारों से प्रमाण पत्र के साथ संबंधित कागजात मिलने के बाद राज्य सरकारों के जीएसटी दावों का भुगतान कर दिया जाएगा। उन्होंने लोकसभा में यह भी कहा कि केंद्र सरकार राज्यों को सभी वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) मुआवजे का भुगतान करने के लिए प्रतिबद्ध है और पिछले पांच वर्षों से लगातार ऐसा कर रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि संबंधित महालेखाकार (एजी) का प्रमाण पत्र मिलते ही राज्यों को जीएसटी के तहत दिया जाने वाला मुआवजा जारी कर दिया जाएगा। सीतारमण बोलीं- एजी प्रमाणित दावों के आने में देरी से मुआवजा भुगतान में हो रही देरी राज्यों से एजी प्रमाणित दावे आने में देरी होती है, तो जाहिर है कि इस कारण जीएसटी मुआवजा के भुगतान में देरी होती है। जब राज्य के दावे के साथ एजी प्रमाण पत्र आएगा, उस समय पैसा भी जारी हो जाएगा।

अब फ्लाइट से सीधे नॉर्थ गोवा पहुंच सकेंगे

मोपा एयरपोर्ट पर कैसीनो, रिसॉर्ट और शॉपिंग प्लाजा; नाइट पार्किंग की भी सुविधा

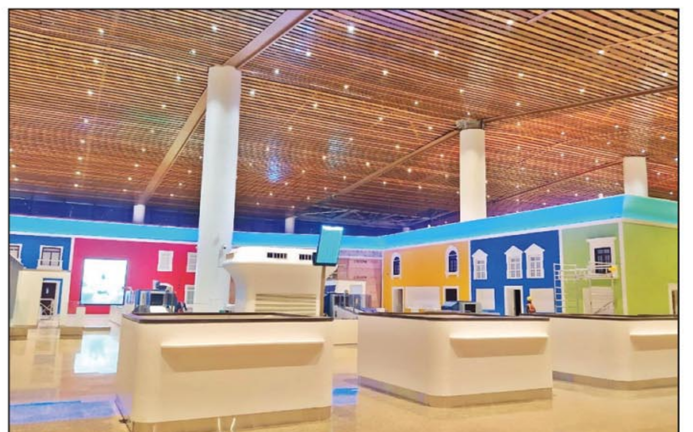

पणजी, गोवा।
भारत के पॉपुलर टूरिस्ट प्लेस गोवा में अब दो एयरपोर्ट हो गए हैं। साउथ गोवा में पहले से बने डाबोलिम एयरपोर्ट के बाद नॉर्थ गोवा में मोपा एयरपोर्ट भी तैयार हो गया है। नए एयरपोर्ट से गोवा की कनेक्टिविटी बढ़ेगी और टूरिज्म को बढ़ावा मिलेगा। जो पर्यटक नॉर्थ गोवा आना चाहते हैं, वे अब सीधे इसी एयरपोर्ट से पहुंच सकेंगे।

मोपा एयरपोर्ट से 380 जैसे जंबो एयरक्राफ्ट भी उड़ान भर सकते हैं और लैंड कर सकते हैं। इस एयरपोर्ट पर नाइट पार्किंग की सुविधा भी मिलेगी। वहीं यहां कैसीनो, इको रिसॉर्ट और शॉपिंग प्लाजा बनाए गए हैं। वर्तमान में मोपा एयरपोर्ट की क्षमता हर साल 44 लाख पैसेंजर को सर्व करने की है, जिसे बढ़ाकर 3.3 करोड़ तक किया जा सकता है।

मनोहर पर्रिकर के नाम पर बना नया एयरपोर्ट - नए बने मोपा एयरपोर्ट का नाम राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर के नाम पर रखा गया है। पहले से बने डाबोलिम एयरपोर्ट से मोपा की दूरी करीब 50 किलोमीटर है। इस एयरपोर्ट पर ऑपरेशन 5 जनवरी 2023 से शुरू होंगे।

नया एयरपोर्ट क्यों बनाया गया- मौजूदा डाबोलिम एयरपोर्ट, इंडियन नेवी के आईएनएस हंसा का हिस्सा है और सिविलियन फ्लाइट को संभालता है। यह साउथ गोवा में वास्को टाउन के पास स्थित है, जबकि नया एयरपोर्ट गोवा-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नॉर्थ गोवा के पेरनेम तालुका में बना है। पुराने एयरपोर्ट का निर्माण पुर्तगाली युग के दौरान वर्ष 1955 में किया गया था, लेकिन 2013 में उसे अपग्रेड कर दिया गया था। 2,870 करोड़ में बने मोपा एयरपोर्ट के पहले फेज का इनॉगरेशन पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को किया। एयरपोर्ट का काम 4 फेज में पूरा होगा। अभी मोपा एयरपोर्ट की क्षमता हर साल 44 लाख पैसेंजर को सर्व करने की है, जिसे बढ़ाकर 3.3 करोड़ तक किया जा सकता है। डाबोलिम एयरपोर्ट की वर्तमान क्षमता 8.5 मिलियन पैसेंजर पर एनम है यानी यहां हर साल 85 लाख यात्रियों को संभालने की कैपेसिटी है। इस एयरपोर्ट के पैसेंजर कैपेसिटी बढ़ाने की सीमित गुंजाइश थी, इसलिए नए एयरपोर्ट को बनाया गया है।

मोपा एयरपोर्ट पर नाइट पार्किंग की सुविधा - डाबोलिम एयरपोर्ट पर रात में पार्किंग की सुविधा नहीं थी। मोपा पर यह सुविधा है। वहीं डाबोलिम एयरपोर्ट पर कार्गो यानी माल परिवहन की सुविधा नहीं है, जबकि मोपा में 25 हजार मीट्रिक टन की क्षमता वाली कार्गो सुविधा होगी।

मोपा से कितनी फ्लाइट ऑपरेट होंगी - वर्तमान में, डाबोलिम एयरपोर्ट 170 डेली फ्लाइट ऑपरेट करता है, जिसमें चार से पांच डायरेक्ट इंटरनेशनल फ्लाइट शामिल हैं। ओमान एयर के अलावा किसी अन्य एयरलाइन ने यह घोषणा नहीं की है कि वह डाबोलिम से ऑपरेशन बंद कर देगी। मोपा एयरपोर्ट से 35 डोमेस्टिक और 18 इंटरनेशनल लोकेशन्स की कनेक्टिविटी होगी। इंडिगो और गो एयर ने मोपा एयरपोर्ट से फ्लाइट शुरू करने का ऐलान किया है। गो फर्स्ट हर हफ्ते 42 डायरेक्ट फ्लाइट ऑपरेट करेगा। 5 जनवरी से ये एयरलाइन मुंबई, हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए फ्लाइट शुरू कर रही है। वाडिया ग्रुप की एयरलाइन, वर्तमान में डाबोलिम से और के लिए 65 नॉन-स्टॉप फ्लाइट ऑपरेट करती है।

भारत-यूएई का संबंध बहुत खास, बदलती दुनिया को आकार देने के लिए इसका हो रहा इस्तेमाल

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा है कि मैं निश्चित रूप से भारत-यूएई संबंधों को इसमें ऊंचे स्थान पर रखता हूं, यह बहुत ही खास है। भारत-यूएई संबंधों पर ग्लोबल फोरम पैनल चर्चा में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि तथ्य यह है कि हम व्यापक आर्थिक सहयोग समझौते को जल्दी समाप्त करने में सक्षम थे और उसके बाद प्रभावी परिणाम सामने आए, यह दोनों देशों के रिश्तों के बारे में बहुत कुछ बताता है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी चर्चा अंतरिक्ष, शिक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य और स्टार्टअप के बारे में है। पुराना, पारंपरिक ऊर्जा व्यापार निवेश जारी है, लेकिन एक नया एजेंडा भी अस्तित्व में आ रहा है। भारत के विदेशी मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और यूएई दो ऐसे देश हैं जो बहुत सहज हैं, जो एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं ।

उर्फी जावेद के लिए काफी धमाकेदार रहा साल 2022

-उर्फी ने कपड़े छोड़ टेप पट्टी मोबाइल से बनाई ड्रेस

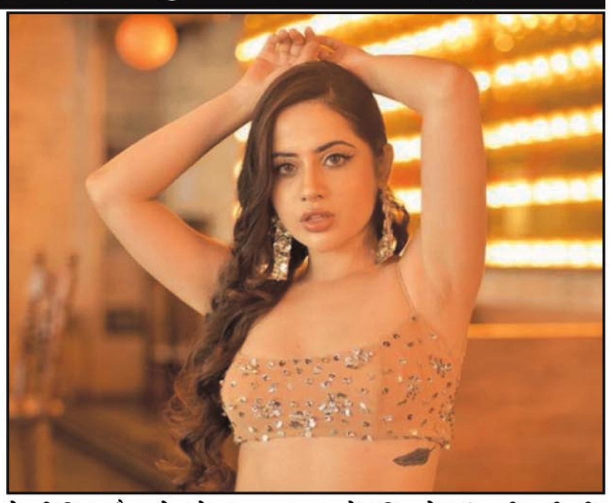

मुंबई (ईएमएस)। हमेशा विवादों में रहने वाली उर्फी जावेद के लिए साल 2022 काफी धमाकेदार रहा है। साल की शुरूआत उन्होंने बिकिनी और रिवीलिंग ड्रेस पहनकर किया था और अंत तक वो टेप पट्टी मोबाइल और झाली पर आ गईं।उर्फी ने एक से बढ़कर एक आउट्फिट को पहना और अपने फिगर को फ्लॉन्ट किया है। पहले शुरूआत कॉटन कैंडी से कर लेते हैं। उर्फी ने अप्रैल में इस ड्रेस को पहनकर तहलका मचा दिया था। उन्होंने एक वीडियो शेयर किया था जिसमें वो कॉटन कैंडी खा रही थीं। इसके बाद उन्होंने अपनी ड्रेस से कैंडी निकालकर खाना शुरू कर दिया था। उर्फी के इस लुक ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।याद है उर्फी जावेद की ये ड्रेस? यही वो येलो ड्रेस है जिसने सोशल मीडिया पर वॉर शुरू कर दी थी। ये ड्रेस पहनकर उर्फी एक इंटरव्यू के लिए निकली थीं और एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने उन्हें निशाने पर ले लिया था। उर्फी और चाहत के बीच की लड़ाई ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं।इसके साथ ही उर्फी जावेद को सेफ्टी पिन ने बनी इस ड्रेस में देखा गया। ब्लैक बिकिनी पर उर्फी ने इस ड्रेस को पहना था जिसने इंटरनेट पर लोगों को हैरान कर दिया था।हालांकि यूजर्स के होश उर्फी जावेद ने अपनी इस ब्लेड से बनी ड्रेस से उड़ाए थे। उन्होंने इस डेडली आउट्फिट को फ्लॉन्ट तो किया ही साथ ही बता दिया था कि वो फैशन के लिए किसी भी हद तक जा सकती हैं। सेफ्टी पिन और ब्लेड के अलावा उर्फी जावेद को ढेरों फूलों वाले आउट्फिट में भी देखा गया। लेकिन एक समय ऐसा आया जब फूल-पत्ती को छोड़कर उर्फी ने घड़ियां उठा ली थीं। उन्होंने घड़ियों से बनी स्कर्ट पहनी थी। उर्फी जावेद कभी भी ये बात बोलने और जताने में पीछे नहीं रहती हैं कि वो अपनी फेवरेट हैं। अपने इस लुक के साथ उन्होंने एक बार फिर इसी बात को साबित कर दिया था। वो अपनी ही फोटोज से बनी ड्रेस पहनकर सामने आई थीं। कुछ ना कुछ अलग सोचने वाली उर्फी जावेद ने अपने 3 मिलियन फॉलोअर्स पूरे होने की खुशी में पार्टी रखी थी। इस पार्टी में उन्हें कांच से बनी ड्रेस पहने देखा गया था। उर्फी ने बताया था कि इस ड्रेस का वजन 20 किलो है और उनकी गर्दन में इससे चोट भी लग गई थी। पत्थर से बना आउट्फिट पहनने के कुछ समय बाद उर्फी जावेद डिस्को बॉल भी बनी थीं। उन्होंने डिस्को लाइट जैसा मास्क पहना था और अपने आउट्फिट में भी ऐसा ही कुछ चिपकाया था। हैलोवीन 2022 को उरफी जावेद ने किसी ममी से प्रेरित होकर अपने लुक को बनाया था। लेकिन उसे वो अपना उर्फी ट्विस्ट देना नहीं भूलीं। बैन्डेज से उर्फी जावेद ने एक बोल्ड ड्रेस बनाई थी। इसके बाद आई मोबाइल की बारी। उर्फी जावेद ने ब्लू कलर का खूबसूरत पैंट-सूट पहना था। इसके साथ उन्होंने शर्ट और टॉप के बजाए दो मोबाइल फोन पहने। सोशल मीडिया पर उर्फी जावेद के आउट्फट और लुक्स को काफी पसंद किया जाता है। उनके डेयरिंग अंदाज के कई कायल हैं। लेकिन रोज उर्फी अपने नए-नए अवतारों के लिए ट्रोल भी होती हैं। कुछ यूजर्स ने उन्हें एक बार पत्थर मारने की बात लिखी थी और उर्फी ने पत्थरों से ही ड्रेस बना डाली।

डिलीवरी के एक महीने बाद फिट नजर आईं आलिया भट्ट यूजर बोले कमाल हो गया

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने एक महीने पहले बेटी राहा कपूर को जन्म दिया था। अब डिलीवरी के एक महीने बाद आलिया अपने डेली रूटीन में वापस लौट चुकी हैं। बुधवार सुबह आलिया भट्ट सेलिब्रिटी ट्रेनर अनुष्का के घर के बाहर स्पॉट हुई। सोशल मीडिया पर आलिया का वीडियो काफी वायरल हो रहा है। हर कोई उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहा है। आलिया को देख हर किसी का एक ही सवाल है कि आखिरकार इतनी जल्दी खुद को कैसे रिकवर कर लिया? योगा क्लास के बाहर आलिया ब्लैक कलर की लेगिंग्स और टी-शर्ट के साथ हुडी पहने नजर आई। बालों का बन बनाया हुआ था और नो मेकअप लुक में दिखाई दी। आलिया को इतना फिट देख सोशल मीडिया पर यूजर तरह तरह के कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा- वेट? मुझे लग रहा है कि यह एक पुराना वीडियो है. वह जल्द ही शेप में वापस आ गई है? बता दें कि आलिया हमेशा अपनी फिटनेस को लेकर काफी सजग रही हैं। उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी के दौरान भी योग और एक्साइज का पूरा ख्याल रखा था। मां बनने के बाद आलिया भट्ट दूसरी बार मीडिया के कैमरों में कैद हुई हैं। इससे पहले वह बहन शाहीन भट्ट के बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थी। एक ने लिखा-मानना पड़ेगा यार इन लोगों को प्रेग्नेंसी के बाद भी ऐसे लगते हैं। साल 2022 आलिया भट्ट के लिए बेहद खास रहा है। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड रणबीर कपूर संग इस साल 14 अप्रैल को शादी रचाई। वहीं दूसरी और इस साल एक्ट्रेस की सभी फिल्में हिट हुईं। आलिया भट्ट पिछली बार फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आई थीं। अब वह फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज की जाएगी। इसके अलावा कैटरीना कैफ और प्रियंका चोपड़ा के साथ जी ले जरा में भी नजर आएंगी।

ऋतिक ने एक पल का जीना पर डांस कर चौंकाया

जेद्दा में चल रहे रेड सी फेस्टिवल में बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन ने एक पल का जीना गाने पर डांस कर चौंका दिया। मीडिया के साथ बातचीत करते हुए ऋतिक ने अचानक डांस करना शुरू कर दिया। उन्होंने मेजबान को एक पल का जीना के हुक स्टेप्स भी सिखाए। जैसे ही उन्होंने नृत्य शुरू किया दर्शकों में बैठे लोग खुशी से चिल्लाने लगे। बाद में फेस्टिवल में ऋतिक को मार्शल आर्ट स्टार जैकी चैन से मिलने का मौका मिला। अभिनेताओं ने एक साथ एक तस्वीर के लिए पोज दिया। ऋतिक रोशन आखिरी बार विक्रम वेधा में नजर आए थे। वह अगली बार दीपिका पादुकोण अभिनीत फाइटर में दिखाई देंगे। बता दें कि एक पल का जीना गाना ऋतिक रोशन की पहली फिल्म कहो ना प्यार है का है।

मैं तुम्हे तुमसे ज्यादा प्यार करता हूं: विक्की कौशल

-पत्नी कटरीना को शादी की सालगिरह पर दी बधाई

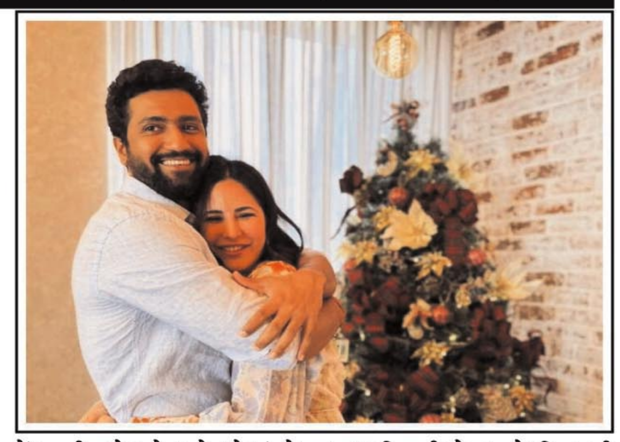

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड के हॉट कपल कटरीना कैफ और विकी कौशल की शादी को एक साल पूरे हो गए हैं। इस खास मौके पर उनके फैंस और परिवार के लोग काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं इस क्यूट कपल ने भी सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को खास अंदाज में शादी की बधाई दी है। शादी की पहली एनिवर्सरी पर कटरीना कैफ ने अपने पति को स्पेशल तरीके से विश किया है। कटरीना ने विक्की संग अपनी दो तस्वीरें और एक वीडियो पोस्ट किया है। पहली तस्वीर दोनों की शादी की है जिसमें दोनों काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं दूसरी फोटो में कटरीना अपने पति को निहारती दिख रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने रेड स्वेटर तो विक्की ने ब्लैक ड्रेस और कैप कैरी किया है। वहीं वीडियो में विक्की मस्ती भरे अंदाज में डांस करते दिख रहे हैं। इस दौरान उनके पास आग जल रही है। एक्टर ने हुडी पहनी हुई है। वहीं वीडियो के बैकग्राउंड में कटरीना के जोर-जोर से हंसने की आवाज आ रही है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए कटरीना ने कैप्शन में लिखा मेरे जीवन की रौशनी। एक साल मुबारक। कटरीना कैफ ने ही नहीं बल्कि विक्की कौशल ने भी पत्नी को बधाई दी है।

कटरीना कैफ ने ही नहीं बल्कि विक्की कौशल ने भी उन्हें शादी की बधाई दी है। विक्की ने भी कटरीना संग अपनी शादी की तस्वीर पोस्ट की है। इस तस्वीर के साथ विक्की ने अपने दिल की बात बयां की है। विक्की ने लिखा समय तेजी से उड़ता है। लेकिन ये समय आपके साथ एक जादुई तरीके से बीता है मेरे प्यार। हमारी शादी का एक साल मुबारक हो। मैं तुम्हे तुमसे ज्यादा प्यार करता हूं जितना तुम कभी सोच भी नहीं सकती! इस कैप्शन से साफ पता चल रहा है कि विक्की कटरीना को प्यार की किस हद तक चाहते हैं। इस तस्वीर को अब तक काफी व्यूज मिल चुके हैं।

प्रियंका को पहली बार मिला पुरुष कलाकारों के बराबर पेमेंट

-एक्ट्रेस ने एक साक्षात्कार में खुलासा किया

मुंबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस को उनकी आगामी अमेजॅन प्राइम वीडियो श्रृंखला सिटाडेल में पहली बार उन्हें अपने पुरुष सह-कलाकारों के समान पेमेंट मिला है। प्रियंका ने यह खुलासा हाल ही में एक साक्षात्कार में किया। उन्होंने आगे कहा कि वह इस मनोरंजन इंडस्ट्री में 20 साल से अभिनय कर रही हैं। प्रियंका ने एक साक्षात्कार में कहा बॉलीवुड में मुझे कभी वेतन समानता नहीं मिली। प्रियंका ने कहा मुझे अपने पुरुष सह-अभिनेता के वेतन का लगभग 10 प्रतिशत भुगतान किया जाता था। यह अंतर बड़ा है काफी बड़ा है और इतनी सारी महिलाएं अभी भी इससे निपटती हैं। उन्होंने आगे कहा महिला कलाकारों को मेरी पीढ़ी ने निश्चित रूप से समान वेतन के लिए कहा है। हमने पूछा है लेकिन हमें नहीं मिला।प्रियंका ने बॉलीवुड प्रोडक्शंस में काम करने के दौरान सेक्सिज्म के खिलाफ लड़ने के अन्य तरीकों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा सेट पर घंटों घंटों बैठना ठीक है जबकि मेरे पुरुष सह-अभिनेता समय पर नहीं आते थे और जब मर्जी हुई सेट पर पहुंच गए। तब जाकर शूटिंग शुरू होती थी। बता दें कि अमेजॅन प्राइम वीडियो की आगामी सिट-ाडेल एवेंजर्स इन्फिनिटी वॉर के निर्देशक जो और एंथोनी रूसो की है और इसमें एक कलाकारों की टुकड़ी है जो प्रियंका और रिचर्ड मैडेन द्वारा सुर्खियों में है। अपनी बात रखते हुए आगे अभिनेत्री ने कहा मुझे ब्लैक कैट और डस्की कहा जाता था। मेरा मतलब है उस देश में सांवली का क्या मतलब है जहां हम सचमुच सभी ब्राउन हैं? मैंने सोचा था कि मैं पर्याप्त रूप से सुंदर नहीं थी मुझे विश्वास था कि मुझे बहुत अधिक मेहनत करनी होगी हालांकि मुझे लगा कि मैं शायद अपने साथी अभिनेताओं की तुलना में थोड़ा अधिक प्रतिभाशाली हूं जिनकी चमड़ी गोरी थी।

अलख की मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे श्रीधर दुबे

वेब सीरीज फिजिक्स वाला में अभिनेता श्रीधर दुबे अलख पांडेय की मुख्य भूमिका करने जा रहे हैं। कहानी एक शिक्षक और उसके आस-पास की परेशानियों के इर्द-गिर्द घूमती है कि उसे छात्रों और कॉलेज के अधिकारियों को अवधारणा स्पष्ट करते समय किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। यह एक शिक्षक के रूप में उनके संघर्ष और असफलता और फिर लोकप्रिय होने और लोगों को यह समझाने की कहानी है कि शिक्षक होने का क्या मतलब है और शिक्षण के प्रभावी तरीके क्या हैं।जब उन्होंने एक कोचिंग सेंटर में भौतिकी शिक्षक के पद के लिए आवेदन किया तो उन्हें बहुत सारे मतभेदों का सामना करना पड़ा और उनसे पूछा गया कि क्या वह उन्हें इस विषय को समझा सकते हैं। उन्हें बताया गया कि फिजिक्स को जानना और उसे अच्छे से पढ़ाना दो अलग-अलग चीजें हैं। शिक्षण एक कला है जिसे आपको सीखने की आवश्यकता है। उनके कई दोस्तों ने उन्हें एक अच्छा शिक्षक बनने की सलाह दी और आखिरकार उन्होंने खुद को एक कोचिंग सेंटर तक सीमित रखने के बजाय ऑनलाइन कक्षाएं लेने का फैसला किया।

सिद्धार्थ शुक्ला के जन्मदिन पर शहनाज गिल ने शेयर किया दिल छू लेने वाला पोस्ट

दिवंगत अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला की आज 42वीं बर्थ एनिवर्सरी है। इस खास मौके पर जहां अभिनेता के फैंस उन्हें याद कर रहे हैं। वहीं अभिनेत्री शहनाज गिल ने सोशल मीडिया पर सिद्धार्थ की कुछ अनदेखी तस्वीरें साझा की हैं और इसके साथ ही उन्होंने एक दिल छू लेने वाला पोस्ट भी लिखा है। शहनाज गिल ने रात को 12 बजे सिद्धार्थ की एक तस्वीर शेयर की और उसपर लिखा, 'मैं तुमसे फिर मिलूंगी...' इसके साथ ही उन्होंने व्हाइट हार्ट इमोजी पर शेयर किया और लिखा 12:12। यानी 12 तारीख और बारहवां महीना।' इस-के साथ ही शहनाज गिल ने एक केक भी भी तस्वीर पोस्ट की जिसपर लिखा था 12:12। इसके अलावा शहनाज ने सिद्धार्थ की कुछ अनदेखी तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें से एक तस्वीर में सिद्धार्थ और शहनाज एक-दूसरे का हाथ थामे हुए हैं और शहनाज अपनी रिंग फ्लॉन्ट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर ये तस्वीरें वायरल हो रही है। वहीं यूजर्स शहनाज की हिम्मत भी बढ़ा रहे हैं। गौरतलब है कि सिद्धार्थ शुक्ला और शहनाज गिल की पहली मुलाकात कलर्स टीवी के शो बिग बॉस 13 में हुई थी। शो में दोनों के बीच नोकझोंक होती रहती थी लेकिन समय के साथ ये दोनों करीब आने लगे। दोनों की केमिस्ट्री फैंस के बीच काफी पसंद की जाती थी और फैंस ने इस जोड़ी को सिडनाज नाम दिया था। सिद्धार्थ इस शो के विजेता रहे। शो के दौरान शहनाज ने सिद्धार्थ के लिए अपना प्यार कबूल किया लेकिन सिद्धार्थ उन्हें दोस्त ही बताते रहे। इसके बाद सिद्धार्थ और शहनाज म्यूजिक वीडियो 'भुला दूंगा और सोना सोना में नजर आये, जिसे दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया। इसके अलावा दोनों ने साथ में कई रियलिटी शो में भी शिरकत की थी। दोनों अक्सर एक-दूसरे के वीडियोज सोशल मीडिया पर साझा करते थे। सिद्धार्थ और शहनाज एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के सबसे फेमस लव बर्ड्स में से एक थे। फैंस दोनों की शादी होते देखना चाहते थे, लेकिन 2 सितंबर 2021 को सिद्धार्थ के निधन के साथ ही यह जोड़ी भी टूट गई।

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने किया धमाल

एक्टर रणवीर सिंह और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने करंट लगा रे के लॉन्च के मौके पर मंच पर किया धमाल। यह गाना रोहित शेट्टी की सर्कस का है। गाने में तमिल किरदार निभाने वाली अभिनेत्री ने इवेंट शुरू होते ही अपने पति रणवीर के गाल पर एक किस किया। अपने हिस्से के लिए रणवीर एक बार फिर अपनी महिला के प्रेम पर फिदा हो गए और उन्होंने इसकी पुष्टि की जब उन्होंने कहा गाने की अवधि के दौरान मैं हमेशा उन्हें देखता रहता हूं और मैं वास्तविक जीवन के लिए भी ऐसा कह सकता हूं। मुझे लगा लोग इनको (दीपिका) ही देखेंगे तो मैं अपनी तरफ से थोड़ी ज्यादा प्रैक्टिस कर लेता हूं ताकि उनसे मैच कर सकूं।उन्होंने कहा मैं उन पर फिदा हूं। वह न केवल मनोरंजन की रानी है बल्कि मेरे जीवन की रानी भी है। कई हुक स्टेप्स से भरपूर इस गाने में रणवीर ने 10 दिनों तक अभ्यास किया था। फिल्म निमार्ता रोहित शेट्टी ने अपनी आगामी फिल्म सर्कस के गाने के लॉन्च के दौरान खुलासा किया कि वह अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के साथ अगले साल नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे।

रेगो ने लाइव बैंड के साथ एल्बम शूट किया

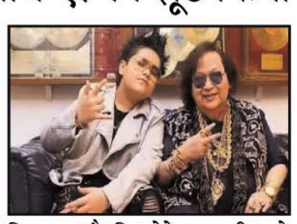

देश के उभरते हुए गायक स्वस्तिक बंसल डिस्को किंग स्वर्गीय बप्पी लहरी के पोते हैं। उन्होंने लाइव बैंड के साथ एल्बम शूट किया है। रेगो ने सुपरस्टिटियस एक्स रेगो शीर्षक से एल्बम में पहला गाना लॉन्च किया जो गानों का एक कलेक्शन है। एल्बम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा जस्टिन बीबर फ्रेडी मर्करी एडेल स्टीवी वंडर चार्ली पुथ ब्रूनो मार्स और ब्रायन एडम्स से भरा एल्बम कभी किसी ने जारी नहीं किया है इसमें कई गीत हैं। उन्होंने आगे कहा मैं इसे करके बहुत खुश हूं। मुझे विश्वास है कि मेरे दादाजी मुझे देख रहे हैं और मुझे आशीर्वाद दे रहे हैं आज मैं अच्छा काम कर रहा हूं। संगीत विरासत आगे बढ़ाते हुए रेगो लहरी परिवार में संगीतकारों चौथी पीढ़ी से संबंधित हैं उनके परदादा बंसारी लहरी-पहली महिला संगीतकार बप्पी लहरी रेमा और बप्पा लहरी हैं।

सूडोकु नवताल- 6547

★★★✯☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6546 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

शब्द पहेली - 7611

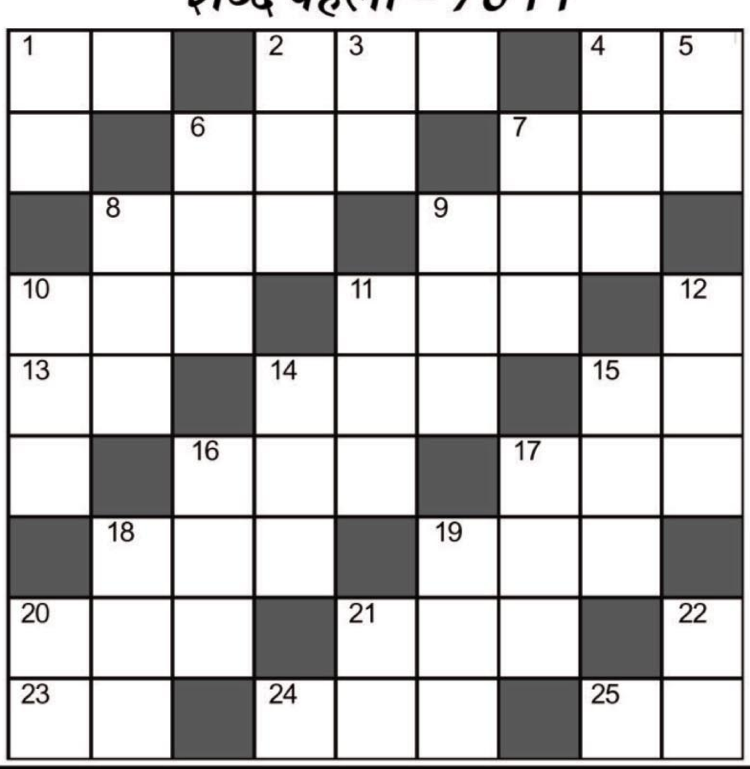

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -7610 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	वा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		रा	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		वा	च	न	
ना		ल	क	वा		ना	य	क
व	र		त	र	फ		न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

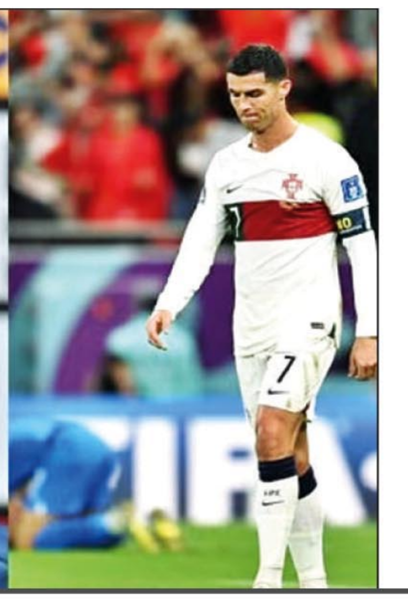

विश्व कप से बाहर होने पर रोनाल्डो बोले- हमेशा लड़ता रहूंगा, कोहली ने लिखा- आप हर खिलाड़ी की प्रेरणा

नई दिल्ली।

फीफा विश्व कप 2022 से रोनाल्डो की टीम पुर्तगाल बाहर हो चुकी है। इसी के साथ रोनाल्डो के विश्व चैंपियन बनने का सपना एक बार फिर टूट गया है। पुर्तगाल के लिए पांच विश्व कप जीतने वाले रोनाल्डो अब तक देश को फीफा विश्व कप की ट्रॉफी नहीं जिता पाए और अब उनका सपना अधूरा रहना लगभग तय है। 37 साल के रोनाल्डो के लिए अब अगला विश्व कप खेलना बहुत मुश्किल होगा। ऐसे में वह विश्व चैंपियन बनने का सपना कभी पूरा नहीं कर पाएंगे। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के बाद रोनाल्डो ने कहा है कि वह हमेशा देश के लिए लड़ते रहे हैं और उनका रवैया आगे भी ऐसा ही रहेगा। वहीं, विराट कोहली ने लिखा कि रोनाल्डो सभी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं और कोई ट्रॉफी खेल में उनके योगदान को कम नहीं कर सकती। फीफा विश्व कप 2022 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मोरक्को के खिलाफ पुर्तगाल को हार का सामना करना पड़ा। इसके साथ ही यह टीम विश्व कप से बाहर हो गई। इस मैच में रोनाल्डो को पुर्तगाल की शुरुआती टीम में शामिल नहीं किया गया था। वह लगातार दूसरे मैच में बेंच पर बैठे रहे। बाद में उन्हें मैदान पर भेजा गया, लेकिन वह भी कोई गोल नहीं कर सके। इस मैच में एकमात्र गोल 42वें मिनट में मोरक्को के युसुफ एन-नेसरी ने किया, जो निर्णायक साबित हुआ और मोरक्को ने यह मैच 1-0 से अपने नाम किया। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के बाद रोनाल्डो रोते हुए बाहर गए। इसके बाद उन्होंने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। रोनाल्डो ने लिखा- पुर्तगाल के लिए विश्व कप जीतना मेरे करियर का सबसे बड़ा और सबसे महत्वाकांक्षी सपना था। सौभाग्य से मैंने पुर्तगाल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई खिताब जीते, लेकिन अपने देश का नाम दुनिया में सबसे ऊंचे पायदान पर लाना मेरा सबसे बड़ा सपना था। मैं इसके लिए लड़ा। इस सपने के लिए कड़ा संघर्ष किया। 16 वर्षों में विश्व कप के पांच संस्करणों में मैंने हमेशा महान खिलाड़ियों के साथ और उनके समर्थन और लाखों पुर्तगालियों द्वारा समर्थन में खेला।

मैंने टीम के लिए अपना सब कुछ मैदान पर न्योछावर कर दिया। मैंने हमेशा लड़ाई की और उससे मुंह नहीं मोड़ा। अपने सपने को कभी नहीं छोड़ा। अफसोस कल सपना टूट गया। रोनाल्डो ने लिखा- उन विवादों पर प्रतिक्रिया देने लायक नहीं है। मैं बस इतना चाहता हूं कि आप सभी यह जान लें कि बहुत कुछ कहा जा चुका है, बहुत कुछ लिखा जा चुका है, बहुत कुछ अनुमान लगाया जा चुका है।

न्यूज ब्रीफ

पहले टेस्ट में कप्तानी करेंगे राहुल: चोट के चलते बाहर हुए रोहित की जगह ईश्वरन टीम में

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। रोहित शर्मा चोटिल होने की वजह से पहले टेस्ट में टीम का का हिस्सा नहीं होंगे। इसके चलते टीम इंडिया की कमान केएल राहुल को सौपी गई है। रोहित शर्मा की जगह इंडिया के कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को टीम में शामिल किया गया है। रोहित शर्मा बांग्लादेश के खिलाड़ी दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे। उन्हें बाएं अंगूठे में चोट आई थी। रोहित ने तीसरा वनडे मैच नहीं खेला था। अब उन्हें पहले टेस्ट मैच में भी रेस्ट दिया गया है। केएल राहुल की कप्तानी में भारत ने अब तक एक ही टेस्ट मैच खेला है। इसमें भारत को हार मिली थी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ इसी साल जनवरी में राहुल को कप्तानी सौपी गई थी। इसमें साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट से भारत को हराया था। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के स्क्वॉड में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और ऑल राउंडर रवींद्र जडेजा टीम में शामिल नहीं किए गए हैं। दोनों खिलाड़ी पिछले कुछ समय से चोटिल है और अभी तक वे इंजरी से उभर नहीं पाए। इस कारण दोनों को आराम दिया गया है। उनकी जगह नवदीप सैनी और सौरभ कुमार को टीम में शामिल किया गया है। बांग्लादेश टूर में इंडिया ने बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैच खेले। भारत ने 1-0 से टेस्ट सीरीज जीती। अभिमन्यु ईश्वरन ने इंडिया की कप्तानी की थी। उन्होंने दोनों ही मैचों में शतक जड़े थे। पहले मैच में ईश्वरन ने 141 और दूसरे टेस्ट में उन्होंने 157 रन बनाए थे। केएल राहुल (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, चेतेश्वर पुजारा (उपकप्तान), श्रेयस अय्यर, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), के एस भरत (विकेटकीपर), रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, शार्दूल ठाकुर, मोहम्मद सिराज, उमेश यादव,अभिमन्यु ईश्वरन, नवदीप सैनी, सौरभ कुमार, जयदेव उनादकट।

पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन को आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ से नवाजा गया

दुबई। पाकिस्तान की सलामी बल्लेबाज सिदरा अमीन को नवंबर में घरेलू सरजमीं पर आयरलैंड के खिलाफ हालिया सफल वनडे श्रृंखला में विशाल स्कोर बनाने के लिए आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथके रूप में नामित किया गया।

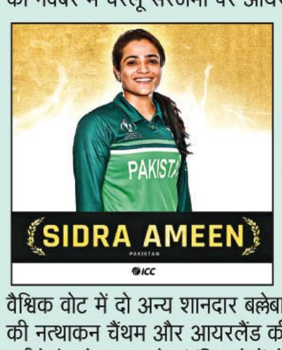

वैश्विक वोट में दो अन्य शानदार बल्लेबाजों में थाईलैंड की नत्थाकन चैंथम और आयरलैंड की गेबी लुईस ने महीने के दौरान अपने संबंधित मैचों में रनों का पहाड़ खड़ा किया। सिदरा ने अपने आईसीसी महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड का दावा किया। सिदरा ने कहा, मैं यह पुरस्कार अपने माता-पिता और उन सभी को समर्पित करना चाहती हूं, जिन्होंने हमेशा मेरा समर्थन किया और मेरी सफलता के लिए प्रार्थना की। आयरलैंड के खिलाफ बल्ले से मेरा प्रदर्शन, जिसने टीम को घर में वनडे श्रृंखला में आयरलैंड पर स्वीप का दावा करने में मदद की, वह हमेशा मेरे दिल के करीब रहेगा। श्रृंखला के माध्यम से 277 रन बनाने और केवल एक बार आउट होने के बाद, सिदरा ने वनडे में अपने उच्चतम स्कोर के साथ महीने की शुरूआत की, नाबाद 176, क्योंकि मेजबानों ने पहले मैच में 128 रन की जीत का दावा किया।

कॉनमेबोल बॉस ने 2030 विश्व कप की बोली को आगे बढ़ाया

दोहा। दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल प्रमुख एलेजांद्रो डोमिंग्वेज ने फीफा से आग्रह किया कि वह महाद्वीप को 2030 विश्व कप के लिए मेजबानी के अधिकार देकर पेले और डिएगो माराडोना को सम्मानित करे। रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त दक्षिण अमेरिकी प्रस्ताव है- जिसमें उरुग्वे, अर्जेंटीना, चिली और पैराग्वे शामिल हैं। उनको स्पेन, पुर्तगाल और यूक्रेन के साथ-साथ मिस्र, ग्रीस और सऊदी अरब के बीच सहयोग से जुड़ी यूरोपीय बोली से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। दोहा में एक कार्यक्रम के दौरान दक्षिण अमेरिकी परिसंघ कॉनमेबोल के प्रमुख डोमिंग्वेज ने कहा, सवाल फीफा के लिए है - वे पेले और बाद में माराडोना द्वारा बनाए गए इतिहास के साथ क्या करने की योजना बना रहे हैं। उरुग्वे द्वारा मेजबान के रूप में पहले विश्व कप जीतने के 100 साल बाद 2030 टूर्नामेंट होगा। डोमिंग्वेज ने कहा, यह वास्तव में एक पहचान है क्योंकि फुटबॉल केवल पैसे के बारे में नहीं है। यह इस प्रतियोगिता के बारे में नहीं होना चाहिए कि कौन विश्व कप के लिए सबसे अधिक पैसा लगाता है।

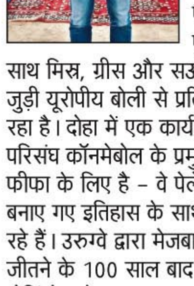

इंडियन विमेंस टीम की रोमांचक जीत

सुपर ओवर में ऑस्ट्रेलिया को हराया सीरीज एक-एक से बराबर

मुंबई।

आखिरी बॉल पर विद्या के चौके और स्मृति मंधाना की आकर्षक पारी के दम पर इंडियन विमेंस टीम ने 5 बार की टी-20 वर्ल्ड चैंपियन ऑस्ट्रेलिया पर रोमांचक जीत दर्ज की है। उसने सांसे थाम देने वाले मुकाबले में रविवार को ऑस्ट्रेलिया को 4 रन से हराया। अहम बात यह कि वनडे वर्ल्ड कप के 7 खिताब जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम इस साल पहला टी-20 मुकाबला हारी है। सुपर ओवर में मिली इस जीत से भारतीय टीम ने 5 टी-20 मैचों की सीरीज में 1-1 की बराबरी हासिल कर ली है। हजारों दर्शकों के बीच डीवाई पाटिल स्टेडियम में टीम इंडिया को जीत के लिए आखिरी बॉल में 5 रनों की जरूरत थी और विद्या ने चौका जमाकर मैच टाई कराया। ऐसे में मुकाबला सुपर ओवर में गया। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 रन बनाए। जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम 16 रन ही बना सकी। एक-एक ओवर के कॉन्टेस्ट में स्मृति मंधाना ने एक चौके और एक छक्के की मदद से 13 रन बनाए। जबकि रिचा घोष ने एक छक्का जड़ा। फिर रेणुका सिंह ने 20 रन का शानदार बचाव किया। हालांकि, उनके ओवर की आखिरी दो बॉल पर हीली ने चौका और छक्का जमाते हुए हार का अंतर कम कर दिया। इससे पहले मेहमानों ने टॉस हारकर बल्लेबाजी करते हुए एक विकेट पर 187 रन बनाए। ऐसे में भारतीय टीम को जीत के लिए 188 रनों का लक्ष्य मिला। जवाब में भारतीय टीम ने भी तय 20 ओवर में 5 विकेट पर इतने ही रन बनाए। उसकी ओर से स्मृति मंधाना ने 49 बॉलों पर 79 रनों की पारी खेली। शेफाली वर्मा ने भी स्मृति का अच्छा साथ दिया। उन्होंने 23 बॉल में 34 रन बनाए। इन दोनों के अलावा रिचा घोष ने नाबाद 26 और कप्तान हरमनप्रीत ने 21 रनों का योगदान दिया। कंगारू टीम की ओर से हीदर ग्राहम ने 3 विकेट लिए।

मूनी-मैग्रा ने की नाबाद 158 रनों की साझेदारी

ऑस्ट्रेलिया टीम की ओर से बेथ मूनी और तहलिया मैकग्रा के बीच दूसरे विकेट के लिए 158 रनों की पार्टनरशिप हुई। मूनी ने नाबाद 82 और मैकग्रा ने नाबाद 70 रन की पारी खेली। मेहमान टीम ने 29 रन पर पहला विकेट गंवाया था। तब एलीसा हेली 25 रन के निजी स्कोर पर आउट हुईं। उन्हें दीप्ति शर्मा ने विद्या के हाथों कैच कराया। भारतीय गेंदबाजों को यही एक विकेट मिला।

पहला: भारत-ऑस्ट्रेलिया मैच में सबसे बड़ा टोटल दोनों टीमों ने सबसे बड़ा टोटल (187 रन) साझा किया है। इससे पहले यह रिकार्ड (156) ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड के नाम था। जो उन्होंने 2020 में बनाया था।

दूसरा: हारी टीम की ओर से सबसे बड़ी साझेदारी मूनी-मैग्राथ के बीच नाबाद 158 रनों की साझेदारी हुई। यह हारी टीम की ओर से इस फॉर्मेट में महिला क्रिकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है। मेंस टी-20 में यह रिकॉर्ड 174* डिकॉक-मिलर के नाम दर्ज है। यह दोनों ही साझेदारियां भारत के खिलाफ ही बनी हैं।

तीसरा: भारत ने सबसे बड़ा स्कोर चेज किया टीम इंडिया ने सबसे बड़ा स्कोर चेज किया है। इससे पहले टीम ने 2020 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मेलबर्न में 177 रन चेज किए थे।

9 विकेट से गंवाया था पहला मुकाबला

टीम इंडिया ने सीरीज का पहला मुकाबला 9 विकेट से गंवाया था। यह मुकाबला डीवाई पाटिल स्टेडियम में 9 दिसंबर को खेला गया था। उस मैच में भारत ने 173 रन का टारगेट दिया था। जिसे ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक विकेट पर हासिल कर लिया था।

भारतीय ओलंपिक संघ की पहली महिला अध्यक्ष बनीं पीटी उषा, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने की तारीफ

नई दिल्ली।

राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को दिग्गज एथलीट और राज्यसभा की सदस्य पीटी उषा की जमकर तारीफ की। पीटी उषा हाल ही में भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष बनी हैं। वह इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला और ओलंपियन हैं। धनखड़ ने पीटी उषा की सराहना करते हुए कहा, उनका योगदान प्रेरणादायक है।

धनखड़ ने सुबह 11 बजे उच्च सदन को संबोधित करते हुए कहा मैं भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष बनने वाली पहली महिला और ओलंपियन बनने पर इस हाउस की एक प्रतिष्ठित सदस्य श्रीमती पी.टी. उषा जी को बधाई देता हूं। उन्हें किसी परिचय की आवश्यकता नहीं है। पीटी उषा 20 साल की उम्र में 1984 में लॉस एंजिल्स में ओलंपिक फाइनल में प्रवेश करने वाली पहली भारतीय महिला भी थीं। आगे चलकर उन्होंने जकार्ता में एशियाई चैम्पियनशिप में पांच स्वर्ण पदक जीतने का रिकॉर्ड बनाया। अर्जुन और पद्मश्री पुरस्कार विजेता, श्रीमती पी.टी. उषा वर्तमान में खेल और खेल शिक्षा को बढ़ावा देने में काम कर रही हैं। माननीय सदस्य, श्रीमती पी.टी. उषा जी, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष और इस प्रतिष्ठित सदन के सदस्य दोनों के रूप में खेल के निर्वाह में योगदान करती हैं और देश के लिए एक अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मददगार हैं। उनका योगदान प्रेरक है।

निर्विरोध अध्यक्ष बनी हैं पीटी उषा

भारतीय ओलंपित संघ के चुनाव में पीटी उषा को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। 1960 के बाद पहली बार कोई खिलाड़ी आईओए का अध्यक्ष बना है। महाराजा यादविंदर सिंह (1938-1960) पिछले ऐसे अध्यक्ष थे जो खिलाड़ी रह चुके थे। चुनाव उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त किए गए उसके पूर्व जज नागेश्वर राव की देखरेख में संपन्न हुए। पीटी ऊषा के अध्यक्ष चुने जाने से आईओए में गुटीय राजनीति के कारण पैदा हुआ संकट भी समाप्त हो गया। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने इस महीने चुनाव नहीं कराने की दशा में आईओए को निलंबित करने की चेतावनी दी थी।

पीटी ऊषा ने क्या कहा

पीटी ऊषा ने अध्यक्ष बनने के बाद कहा, 13 साल को छोड़कर मैंने अपना पूरा समय खेल को दिया है। चाहे वह एक एथलीट, कोच या प्रशासन के रूप में हो। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं आईओए प्रमुख या संसद सदस्य बनूंगी। एथलीट आयोग के सदस्यों ने मुझे अपना नामांकन दाखिल करने के लिए प्रेरित किया। हम खेलों की बेहतरी के लिए सामूहिक प्रयास करेंगे, ताकि अंतरराष्ट्रीय पटल पर हमारा तिरंगा ऊंचा रहे। हम देश के लिए और पदक लाने के लिए राष्ट्रीय महासंघों, एथलीटों और कोचों के साथ काम करेंगे।

22 साल बाद पाकिस्तान में टेस्ट सीरीज जीता इंग्लैंड: पाक अब वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की रेस से भी बाहर

मुल्तान।

17 साल बाद पाकिस्तान दौरा कर रही इंग्लैंड की टीम ने 3 टेस्ट मैचों की सीरीज जीत ली है। उसने दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान को 26 रनों से हराया। इस जीत के साथ ही इंग्लिश टीम ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इंग्लैंड ने 22 साल बाद पाकिस्तान को उसके घर में टेस्ट सीरीज में हराया है। इससे पहले उसने 2001 में तीन टेस्ट मैचों की सीरीज 1-0 से जीती थी। यह सीरीज गंवाने के साथ ही पाकिस्तान वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में फाइनल की रेस से बाहर हो गया है। वह पॉइंट टेबल में छठे पायदान पर है। उसके 42.42 प्रतिशत पॉइंट हैं। जबकि इंग्लैंड जीत के साथ 5वें नंबर पर आ गया है। अंग्रेजों के 44.44प्रतिशत अंक हैं। ऑस्ट्रेलिया पहले, साउथ अफ्रीका दूसरे, श्रीलंका तीसरे और इंडिया चौथे नंबर पर है। मुल्तान में अंग्रेजों ने आखिरी पारी में पाकिस्तान को 102.1 ओवर में 328 रन पर ऑलआउट कर दिया। पाक की ओर से सउद सकील ने सबसे ज्यादा 94 रन बनाए। जबकि इमाम उल हक ने 60 रनों का योगदान दिया। ओपनर अब्दुल्लाह शकील और मोहम्मद नवाज ने एक समान ने 45-45 रन की पारियां खेलीं। वहीं, मोहम्मद रिजवान ने 30 रन जोड़े। इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने आखिरी पारी में 4 विकेट चटकाए। ओली रोबिन्सन और जिमी एंडरसन को 2-2 विकेट मिले। पाक टीम ने 198/4 के स्कोर से चौथे दिन की शुरुआत की। उसे आखरी पारी में जीत के लिए 355 रनों का टारगेट मिला। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने शानदार गेंदबाजी की। उन्होंने 21 ओवर में 65 रन देकर 4 विकेट चटकाए। वुड ने अब्दुल्लाह, नवाज, शकील और जाहिद मोहम्मद को आउट किया। इंग्लिश टीम की ओर से दूसरी पारी में हैरी ब्रूक ने शतक जमाया। उन्होंने 108 रन बनाए। कप्तान बेन स्टोक्स 41 रन बनाकर पवेलियन लौटे। ऑली रॉबिंसन 3, मार्क वुड 6 और जेम्स एंडरसन 4 रन बनाकर आउट हो गए। जैक लीच (0) के साथ नाबाद थे। पाकिस्तान की तरफ जाहिद महमूद ने 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम ने दूसरी पारी में अब तक 198 रन जोड़े। अब्दुल्ला शफीक और मोहम्मद रिजवान ओपनिंग करने उतरे। शफीक (45) और रिजवान (30) रन बनाकर पवेलियन लौटे। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कप्तान बाबर आजम नहीं चले। वे 1 रन बनाकर आउट हो गए। ऑली रॉबिंसन ने उन्हें बोल्ड किया। इमाम उल हक ने 60 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। सऊद शकील (54) और फहीम अशरफ (3) नाबाद है।

भारत का बिग बैंग आईईएसएफ एशिया ओपन ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा

मुंबई। इंटरनेशनल एस्पोर्ट्स फेडरेशन (आईईएसएफ) ने अगले साल 30 जनवरी से 15 मार्च तक पहले एशिया ओपन ईस्पोर्ट्स चैंपियनशिप (एशिया ओपन) शुरू करने के लिए भारत के बिग बैंग मीडिया वेंचर्स (बीबीएमवीपीएल) के साथ हाथ मिलाया है। अब तक आयोजित किए गए सबसे बड़े ईस्पोर्ट्स टूर्नामेंटों में से एक, एशिया ओपन में एशिया और मध्य पूर्व के करीब 40 देशों की भागीदारी देखने को मिलेगी, जो गेमर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने और समुदायों का निर्माण करने के लिए एक अभूतपूर्व मंच प्रदान करेगा। अपने पहले सीजन में ऑनलाइन आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बेहद लोकप्रिय ई-फुटबॉल गेम, पीईएस सहित 4 प्रमुख ईस्पोर्ट्स खिताब शामिल होंगे। एस्पोर्ट्स-फॉर-ऑल के सिद्धांतों के लिए प्रतिबद्ध, एशिया ओपन तीन कौशल-आधारित श्रेणियों के साथ प्रत्येक गेमर को मौका देगा।

दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल प्रमुख की मांग, पेले-माराडोना को सम्मान दे फीफा, इन देशों में हो 2030 विश्व कप

दोहा।

फीफा विश्व कप 2022 का आयोजन कतर में हो रहा है। यह टूर्नामेंट अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। अब सिर्फ चार टीमें खिताब जीतने की दौड़ में बनी हुई हैं और एक सप्ताह के अंदर इस विश्व कप का चैंपियन मिल जाएगा। हालांकि, इस विश्व कप के खत्म होने से पहले ही 2030 विश्व कप की मेजबानी के लिए सभी देश जोर लगाना शुरू कर चुके हैं। दक्षिण अमेरिका के फुटबॉल प्रमुख ने कहा कि फीफा को पेले और डिएगो माराडोना जैसे दिग्गजों की विरासत का सम्मान करना चाहिए और 2030 विश्व कप की मेजबानी दक्षिण अमेरिकी देशों को देनी चाहिए। 2030 शताब्दी विश्व के मेजबान का फैसला 2024 में होना है और इसके लिए कई देश दावेदारी पेश कर रहे हैं। अलेजांद्रो डोमिंगुएज ने कहा कि फीफा विश्व कप के मेजबान के चयन की प्रक्रिया में पैसे पर कम ध्यान देना चाहिए। 1930 में उरुग्वे ने फीफा विश्व कप की मेजबानी की थी, जिसमें कुल 13 टीमें शामिल थीं। 2030 विश्व कप के लिए उरुग्वे ने अर्जेंटीना, चिली और पैराग्वे के साथ मिलकर मेजबानी के लिए दावेदारी पेश की है। 2030 विश्व कप में कुल 48 टीमें शामिल होंगी और यह दूसरा मौका होगा, जब इतनी बड़ी संख्या में टीमें विश्व कप का हिस्सा बनेंगी। दक्षिण अमेरिकी देश उरुग्वे, अर्जेंटीना, चिली और पैराग्वे को मुख्य चुनौती स्पेन, पुर्तगाल और यूक्रेन से मिलेगी, जिसे यूईएफए का समर्थन प्राप्त है। रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब मिस्त्र और ग्रीस के साथ मिलकर बोली लगा सकता है। बीमार पेले के सम्मान में एक समारोह में डोमिंगुएज से पूछा गया कि क्या ब्राजील के पूर्व स्टार पेले और अर्जेंटीना के दिवंगत महान माराडोना की विरासत फीफा को मेजबान देश का चयन करने में मदद कर सकती है। जवाब में उन्होंने कहा कि फीफा को पैसे और फुटबॉल के बीच चयन करना है। दक्षिण अमेरिकी परिसंघ के प्रमुख ने कहा सवाल फीफा के लिए है - वे पेले और बाद में माराडोना द्वारा बनाए गए इतिहास के साथ क्या करने की योजना बना रहे हैं उन्हें वास्तव में जड़ों की ओर वापस जाना चाहिए, क्योंकि फुटबॉल केवल पैसे के बारे में नहीं है। यह इस प्रतियोगिता के बारे में नहीं होना चाहिए कि कौन विश्व कप के लिए सबसे ज्यादा पैसा लगाता है। डोमिंगुएज ने पेले और माराडोना का जिक्र करने के साथ कहा कि उरुग्वे पहले विश्व कप का मेजबान है और उसे ही सदी के विश्व कप की मेजबानी मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा यह पहचानना भी जरूरी है कि इसे किसने संभव बनाया है। डोमिंगुएज ने कहा कि यह भी प्रस्ताव दिया था कि ब्राजील 82 वर्षीय पेले को सम्मानित करने के लिए अपनी राष्ट्रीय शर्ट बदल दे।

उम्र 70 की, जज्बा 17 का और चेहरे पर वक्त की सिलवटें

फिर भी उम्र को ठेंगा दिखा रहे हैं यहा के बुजुर्ग लोग

जमशेदपुर।

इंसान में अगर जज्बा और हौसला हो तो वह कुछ भी हासिल कर सकता है, चाहे वह उम्र के किसी भी पड़ाव पर क्यों न हो। जिस उम्र में लोग खाट पकड़ लते हैं, उस उम्र में ये बुजुर्ग दूसरों की खाट खड़ी करने में लगे हैं। जी हां, उम्र 70 की, लेकिन इनकी हौसलों की ना पुछिए जनाब। इस उम्र में भी 17 साल के युवाओं जैसा जोश बरकरार है। 100 मीटर दौड़ में जब बुजुर्गों ने दौड़ लगाई तो दर्शकों के मुंह से बरबस ही निकल पड़ा-वाह बाबा, क्या फर्राटा लगाया है। इनकी उम्र पर जज्बा भारी है। जिंदगी के झंझावातों को झेलने वाले इन बुजुर्गों के चेहरे पर वक्त की सिलवटें साफ नजर आ रही हैं। ये ऐसे लोग हैं जो खुद लोगों के लिए प्रेरणा हैं। जीवन की हर एक परेशानी से लड़कर उन्होंने अपनी पहचान बनाई है और आने वाली पीढ़ी के लिए ये मिसाल हैं। इस उम्र में भी ये लोग युवाओं को मेहनत व जज्बे का पाठ पढ़ा रहे हैं।

गम्हरिया स्टेशन रोड के निवासी अचिंतो प्रमाणिक के लिए दौड़ लगाना किसी जुनून से कम नहीं है। वे 70 वर्ष के हैं लेकिन कॉलेज के दिनों से लेकर अब तक थके नहीं हैं। झारखंड स्टेट मास्टर्स एथलेटिक्स में इन्होने 100, 400 और 1500 मीटर की दौड़ में स्वर्ण पदक जीता हैं। अचिंतो ने बताया कि गोवा, हैदराबाद, बेंगलुरु सहित कई प्रतियोगिताओं में वो अपना जलवा बिखेर चुके हैं। प्रति किलोमीटर पांच मिनट की गति से दौड़ लगाने वाले अचिंतो 16 अक्टूबर को दिल्लीमें आयोजित वेदांता हाफ मैराथन में चौथे स्थान पर और कोलकाता इंटरनेशनल मैराथन के 65 से अधिक आयु वर्ग में एक बार स्वर्ण और एक बार रजत पदक जीत चुके हैं। उन्होंने बताया कि वे हर दिन 20 किलोमीटर की दौड़ लगाते हैं और उन्हें कोई बीमारी नहीं है।

कहते हैं, जब मन में लगन हो तो इंसान किसी भी चुनौती को पार कर सकता है। कदमा स्थित टीएस फ्लैट में रहने वाली गृहिणी एम शांति से प्रेरणा लीजिए, जो 48 साल की उम्र में ट्रैक पर धुरंधरों को टक्कर दे रही हैं। 2020 में जब पुरा देश लॉकडाउन का संकट झेल रहा था तब पति एमएएन राजू ने दौड़ने के लिए प्रेरित किया। एमएएन राजू जमशेदपुर रन ए थान, भुवनेश्वर मैराथन व नोवामुंडी मैराथन में हिस्सा लेते रहे हैं। शुरुआत में शांति को झिझक हुई, लेकिन कुछ दिनों बाद ट्रैक से अटूट नाता जुड़ गया।

राजेंद्र विद्यालय की शिक्षिका ललिता राव ने तीन स्वर्ण जीत कर सभी को चौंका दिया। 45 साल से अधिक आयु वर्ग में ललिता राव ने शॉटपुट, डिस्कस थ्रो व लंबी कूद में स्वर्ण जीता। ललिता की प्रेरणा उनके पति श्रीनिवास राव हैं, जो पूर्व एथलीट रह चुके हैं। ललिता की बिटिया ने चर्च स्कूल, बेल्डीह की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में पांच स्वर्ण पदक हासिल किये हैं। मास्टर्स एथलेटिक्स में 45 वर्ष के गोलमुरी निवासी चंद्रिका प्रसाद ने 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। प्राइवेट जॉब करने वाले चंद्रिका बताते हैं कि उन्हें दौड़ने का बहुत शौक है। पहले उन्हें शुगर की समस्या थी, लेकिन जबसे दौड़ को अपने जीवन में शामिल किया तबसे सभी बीमारियां पीछे छूट गईं। अब आलम ये है कि ड्यूटी से कितने भी थक कर क्यों न लौटे, हर शाम एग्रिको मैदान में 10 किलोमीटर की दौड़ जरूर लगाते हैं। चंद्रिका प्रसाद कई प्रतियोगिताओं में पदक जीत चुके हैं। गम्हरिया के रहने वाले 70 साल के अचिंतो प्रमाणिक हो या राजेंद्र विद्यालय की शिक्षिका ललिता राव, जिन्होंने ट्रैक से झोली भरकर सोना उठाया।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन में उठे विद्रोह के सुर

हैदराबाद। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के अध्यक्ष मोहम्मद अजहरुद्दीन को नए पदाधिकारियों का चुनाव कराने के फैसला करने वाले सदस्यों के बहुमत के साथ विद्रोह का सामना करना पड़ा, यहां तक कि पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान भी अवहेलना करते रहे। अजहरुद्दीन पर तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए प्रतिद्वंद्वी गुट जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर एन शिवलाल यादव और अरशद अयूब शामिल हैं, उन्होंने 10 जनवरी तक चुनाव कराने की ठान ली है। एक अभूतपूर्व घटनाक्रम में, अजहर का विरोध करने वाले एचसीए सदस्यों ने राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम के बाहर एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) आयोजित की, क्योंकि अजहर के आदेश पर कथित रूप से स्टेडियम के द्वार बंद कर दिए गए थे।

इस कंपनी में कुत्ते करते हैं स्वागत

चंडीगढ़ मनीमाजरा स्थित क्यू ब्लॉक्स टेक्नोलॉजी प्रा लि एक ऐसी कम्पनी है, जहां आने-जाने वालों का स्वागत कुत्ते करते हैं। आपको सुनकर थोड़ा अजीब लगेगा लेकिन यह सच है। दफ्तर में अच्छा माहौल और तनावग्रसत को दूर करने के लिए इस कम्पनी ने 2 पालतू कुत्तों कार्लोस और चतुर का सहारा लिया है। ये कंपनी भी गूगल के नक्शेकदम पर चल पड़ी है। और अपने कर्मचारियों को कई तरह की सहूलियतें भी दे रही हैं। मनीमाजरा स्थित इस कम्पनी में कार्लोस और चतुर नाम के ये दोंनो डॉग दफ्तर में घूमते रहते है और अन्दर आने-जाने वालों का स्वागत करते है। चतुर नाम का यह डॉग एक-एक कर सभी कर्मचारियों से मिलता है। जबकि कार्लोस नाम का यह डॉग दफ्तर के केबिन के पास बनी सीट पर बैठा रहता है। इस आफिस में दिन की शुरूआत इन दोनों डॉग से होती है कई कर्मचारी तो इनको अपनी गोद में बिठाने के लिए उतावले रहते है। इस कम्पनी में मिलने वाली सुविधाओं के कर्मचारी कायल हैं कर्मचारियों को घर जैसा खाना मुहैया करवाया जाता है। कम्पनी में स्त्रूकर, टेबल टेनिस भी है। काम से जब मर्जी ब्रेक लेकर इन सुविधाओं का मजा लिया जाता है।

दिल को हेल्दी रखना है तो पिएं ब्लैक टी

काली चाय वजन घटाने में मदद करती है, ये बात तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। जी हां, एक नए शोध से यह बात सामने आई है कि काली चाय दिल को दुरुस्त रखने में बहुत मददगार होती है। काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। एक ताजा शोध में यह बात सामने आई है। इस शोध में काली चाय में पाए जाने वाले एक विशेष तत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया है।

आपके रेजर से हो सकते हैं ये संक्रमण और इनसे ऐसे बचें

आपके रेजर से हो सकते हैं कई संक्रमण और इनसे बचाव जरूरी है। आजकल क्लीन शेव बॉडी रखने का चलन है और क्लीन शेव बॉडी पाने के लिए रेजर आसानी से उपलब्ध हैं और यह साधारण तरीके से इस्तेमाल होने वाला सबसे पसंदीदा विकल्प है। हालांकि रेजर से बॉडी को सही तरीके से शेव करना बहुत ही सरल है, लेकिन सही रेजर का उपयोग न करने से आप कई प्रकार के इंफेक्शन की चपेट में आ सकते हैं। अगर आप भी इंफेक्शन के कारण और इससे बचने के उपाय जानना चाहते हैं, तो इस आर्टिकल को जरूर पढ़ें!

हेपेटाइटिस

व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखना, स्वस्थ रहने की कुंजी है। और जब बात आती है रेजर तो सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। क्योंकि हेपेटाइटिस से संक्रमित व्यक्ति के साथ इसे शेयर करने से, इस समस्या का खतरा आपमें और भी बढ़ जाता है। इसलिए रेजर को किसी से भी शेयर न करें और इसे इस्तेमाल करने से पहले और बाद में इसे गर्म पानी से अच्छे से धो लें।

स्टाफीलोकोकस इंफेक्शन

रेजर को शेयर करने और इस्तेमाल के बाद कीटाणुनाशक का उपयोग न करने से आपमें बैक्टीरियल इंफेक्शन को खतरा बहुत अधिक बढ़ जाता है, इसमें स्टाफीलोकोकस इंफेक्शन सबसे आम है। स्किन इंफेक्शन, यह आमतौर पर रेजर के गलत इस्तेमाल से दर्दनाक रैशेज और छाले के रूप में प्रकट होते हैं। इसलिए शेविंग करते समय सावधान रहना चाहिए और रेजर को शेयर करने और गंदे रेजर के इस्तेमाल से बचना चाहिए।

फंगल इंफेक्शन

रेजर के गीला रहने या उपयोग के बाद ठीक से साफ न करने पर उसमें सूक्ष्म कीटाणुओं को गढ़ बन जाता है। और इससे फंगल या यीस्ट इंफेक्शन होने की संभावना बहुत ज्यादा होती है। इसके अलावा, गंदा रेजर इस्तेमाल करने से फलिक्यलाइटिस और रिगवार्म इंफेक्शन भी हो सकता है। इसलिए फंगल इंफेक्शन से बचने के लिए हर बार इस्तेमाल के बाद इसे अच्छे से साफ करें और सुखाये। ऐसा न करने पर आप भी आम संक्रमण के अलावा विभिन्न बैक्टीरियल और वायरल इंफेक्शन की चपेट में आ सकते हैं।

इंटेस्टाइनल बैक्टीरियल ओवरग्रोथ के संकेत

छोटी आंत के ऊपरी हिस्से व ग्रास नली के निचले भाग में अधिक मात्रा में अम्ल का स्राव होने से या सुरक्षा आवरण के नष्ट होने से वहां जख्म हो जाते हैं । ऐसे में उपचार में देरी हो जाने पर रोगी के अन्दरूनी जख्मो में खून निकलने लगता है। जो मल द्वारा या उल्टी द्वारा बाहर आता है। ऐसी अवस्था में रोगी की स्थित बिगड़ने लगती है। इसका दूसरा कारण अमीबा बैक्टीरिया का होना भी है। इसकी वजह से भी लिवर में फोड़ा बन सकता है और पेट दर्द बना रहता है। अपने रहन-सहन व खान-पान के तरीकों में बदलाव लाकर हम इस रोग पर नियंत्रण रख सकते हैं। इसके लक्षणों के बारे मे पढ़े।

बैक्टीरियल ओवरग्रोथ के लक्षण

इस प्रकार के रोगियों में सीने व पेट के मिलन स्थल पर 'जलन के साथ दर्द' होता है जो कंधों, पीठ और हाथ तक फैल जाता है। यदि घाव पेट यानी आमाशय में है तो दर्द भोजन के आधे से डेढ़ घंटे के भीतर शुरू हो जाता है और यदि घाव 'छोटी आंत' में है तो दर्द भोजन के 3 या 4 घंटे बाद होता है। इस रोग का दर्द ज्यादातर मध्यरात्रि में होता है जिस से व्यक्ति की नींद उचट जाती है, क्योंकि उस समय पेट में भोजन न होने से वह खाली होता है जिस से अम्ल के विध्वंस को रोकने वाला कोई नहीं होता। जब पेट में अम्ल अधिक मात्रा में बनता है तो दबाव बढ़ने से कई बार यह अम्ल छाती के बीचोंबीच भोजन नली को भी क्षति पहुंचाते हुए मुंह के रास्ते भी बाहर निकलता है।छोटी आंत में सूजन होने के कारण मल के साथ खून का आना, मल का रंग गहरा काला होना ,पेट मे दर्द, ऐंठन, एनीमिया, वजन घटना, दस्त जैसे लक्षण दिखने लगते है। ये लक्षण ज्यादा या कम हो सकते है। पर इन्हे नजरदांज नहीं किया जा सकता ।

व्यायाम से करे इसका इलाज

पीठ के बल लेटकर दोनों हाथों को सिर के पीछे बांध लें। पैरों को जमीन से लगा रहने दें और सीधे रखें। केवल ऊपरी धड़ को उठाएं। वापस पहली अवस्था में आ जाएं। थोड़े आराम के बाद इसी तरह दस-पन्द्रह बार करें। इस कसरत में जानने योग्य बात यह है कि धड़ उठाते समय उसकी मांसपेशियों पर अधिक जोर डालने में हाथ की स्थिति का बहुत बड़ा सहयोग रहता है। धड़ को उठाने के लिए हाथों को ऊपर सीधे तान कर रखें और धड़ को उठाने के साथ-साथ हाथों को सामने की ओर ले जाएं। अल्कोहल और मांस का सेवन बंद कर दें। तनावों से दूर रहकर अपनी दिनचर्या में अधिक सुधार कर पेट के दर्द और पेट कई रोगों से बचा जा सकता है।

कलर और कैरेक्टर का सुंदर कॉम्बिनेशन

कई बार लोग अपने घरों के डेकोरेशन को लेकर काफी सीरियस होते हैं। वे चाहते हैं कि जब भी कोई मेहमान उनके घर आए तो उनके घर का इंटीरियर देखकर दंग रह जाए। ऐसे में लोग घरों को सजाने को लेकर कई प्रयोग करते हैं, लेकिन घर को ठंड में ज्यादा देखभाल की जरूरत होती है, तो आइए आज हम आपको बताते हैं ठंड के मौसम में घर किस तरह से सजाएं।

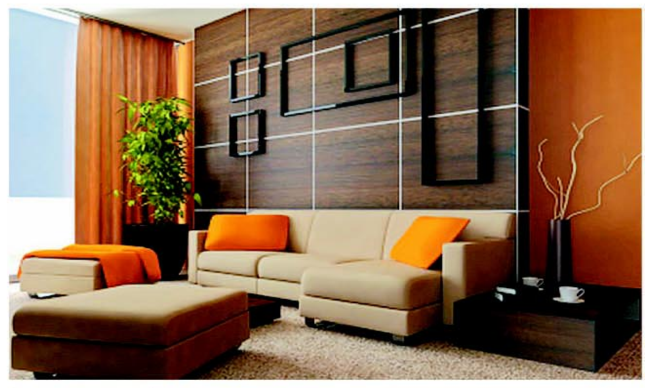

कलात्मकता...

कूल सीजन में कलर और कैरेक्टर को मिलाकर सुंदर सजावट का कांबिनेशन बनाएं और देखिए कि रंग व आकृतियों का मिश्रण किस तरह कमरे की खूबसूरती को बढ़ा देता है वो भी तब जब आपकी कल्पनाशीलता उसे और अधिक निखार दें। इस मौसम में चटख रंग अच्छे लगते हैं। रंगों के साथ फैब्रिक्स व टेक्सटाइल्स का उपयोग सजावटी चीजों के साथ कमरे के बैकग्राउंड को और भी निखार देता है। कलात्मक तरीके से लगाई गई मूर्तिनुमा आकार के लैंप, डेलिकेट फानूस इंटीरियर की स्टाइल को सुंदर बनाते हैं।

ग्लास के प्रयोग से नया लुक

कमरे में विभिन्न कोणों से आने वाले प्रकाश के लिए जरूरी है कि कमरे के आकार, साइज, स्टाइल और रंगों का विशेष ध्यान रखा जाए तथा उसी के अनुसार कमरे की हर चीज की फिटिंग व प्रेजेंटेशन हो। इस मौसम में मोटे पर्दें ठंड से बचाव करते हैं। बहुत अधिक फंक्शनल फिटिंग कमरे की डिजाइन को प्रभावित करती है, खासकर बाथरूम व किचन की। छोटी-बड़ी चीजों का मॉर्डन या हाईटेक या क्लासिक तरीके से किया गया डिजाइन घर को इस मौसम में विशेष खूबसूरती प्रदान करता है। सिंक या किचन में टाइल्स, मार्बल्स या ग्लास का उपयोग भी एक नया लुक देती है।

HEALTH

प्रतिस्पर्धा भरी दुनिया में अस्वस्थ होने का जोखिम

ये तनाव कहीं ले न ले आपकी जान

बदलाव के प्रति होने वाली एक भावनात्मक और शारीरिक प्रतिक्रिया है तनाव। हर किसी को तनाव होता है। तनाव सकारात्मक और आपको ऊर्जा देने वाला भी हो सकता है या अस्वास्थ्यकर और स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं पैदा करने वाला भी। हो सकता है कि कम समय-अंतरालों तक रहने वाला तनाव आपको प्रभावित न करे, लेकिन लंबे समय तक बना रहने वाला तनाव आप पर प्रभाव डाल सकता है या हृदय रोग, हृदयाघात, उच्च रक्तचाप, डायबिटीज, आंतों में गड़बड़ी, दमा या गठिया जैसी कुछ बीमारियों को और अधिक बिगाड़ सकता है।

टेंशन के कई कारण...

प्रत्येक व्यक्ति के लिए तनाव के अलग-अलग कारण होते हैं। तनाव के कुछ सामान्य कारणों में परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु, बीमारी, अपने परिवार की देखरेख करना, रिश्तों में बदलाव आना, काम, नौकरी बदलना, जगह बदलना और पैसा हो सकते हैं। यहां तक कि देर तक इंतजार करना, विलंब हो जाना या भारी ट्रैफिक होना जैसी छोटी-छोटी चीजें भी तनाव का कारण हो सकती हैं।

काउंसलर की लें मदद

यदि आपको आवश्यकता हो तो किसी चिकित्सक से मदद प्राप्त करें। तनाव का सामना करने और समस्याओं से निपटने में काउंसलर आपकी मदद कर सकता है। उदासी के एहसास, घबराहट या सोने की समस्या दूर करने में सहायता के लिए आपका डाक्टर आपको दवाइयां लिखकर दे सकता है। कर्म पर ध्यान दें, परिणाम स्वतः ही उपयुक्त होगा। परिणाम चिंता का कारण है। अपने को श्रेष्ठ बनाएं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा रखें। दूसरों की तरह करने का प्रयत्न न करें। 'उसकी साड़ी मेरी साड़ी से सफेद कैसे' के चक्कर में न पड़ें। थोड़ा बहुत तनाव अच्छा है, इसको हम स्ट्रेस कहते हैं। इसके चलते हम प्रगति करते हैं।

इस तरह करें सामना...

तनाव के लक्षणों पर ध्यान न दें। जब ये प्रकट हों तो इसके कारण से बचने या इनके प्रति अपनी प्रतिक्रिया को बदलने की कोशिश करें। कुछ ऐसा करें जो आपको तनावमुक्त करे, जैसे-धीरे-धीरे और गहरी सांसें लेना, हाथ-पैर फैलाकर किए जाने वाले व्यायाम, योग, मालिश, ध्यान, संगीत सुनना, पढ़ना, गुनगुने पानी से स्नान करना या शॉवर लेना। कोई शौक पालें या कुछ ऐसा करें, जिसमें आपको आनंद आता है। जिन चीजों को आप नहीं बदल सकते, उन्हें स्वीकार करना सीखें। सकारात्मक सोच रखें। सीमा तय करें। 'नहीं' कहना सीखें। एक समय पर एक काम करें। हर रात 8 घंटे की नींद लें।

रेसिपी

ऐसे बनाएं सूजी स्लाइस

सामग्री

ब्रैड स्लाइस 5-6, टमाटर 2 कटे हुए, प्याज 1 बारीक कटा हुआ, ताजी क्रीम या मलाई 1 बड़ा चम्मच, सूजी 3 बड़े चम्मच, शिमला मिर्च 1 बारीक कटी हुई, हरा धनिया 2 चम्मच, लाल मिर्च पाऊडर आधा छोटा चम्मच, जीरा 1 छोटा चम्मच, चाट मसाला आधा छोटा चम्मच, नमक स्वादानुसार

विधि

एक बोल में टमाटर, प्याज, खीरा, शिमला मिर्च, हरा धनिया, जीरा, चाट मसाला, लाल मिर्च पाऊडर एवं नमक डाल कर अच्छी तरह मिला लें । फिर इसमें ताजी क्रीम या मलाई और सूजी भी मिला दें । अब इस मिश्रण को ब्रैड के एक स्लाइस पर फैला दें और ऊपर से थोड़ी सूखी सूजी छिड़क दें। तवे को गर्म करें और उस पर थोड़ा सा घी डाल कर फैला दें। ब्रैड के स्लाइस को गर्म तवे पर दोनों तरफ से करारा होने तक सेंक लें। सारे ब्रैड स्लाइस इसी तरह से सेंक लें। गर्मा-गर्म वैज सूजी स्लाइस हरी चटनी या सॉस के साथ सर्व करें।

मटर और पुदिने की टिक्की

सामग्री

1 कप उबले हुए हरे मटर
1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू
2 टेबल-स्पून कटा हुआ पुदिना
नमक सवादअनुसार
1 1/2 टी-स्पून गरम मसाला
2 हरी मिर्च , कटी हुई
तेल , तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को मिलाकर मिक्सर में पीसकर दरदरा मिश्रण बना लें (जरुरत हो तो थोड़े पानी का प्रयोग करें)। मिश्रण को 8 से 10 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग की गोल टिक्की बना लें। मध्यम आंच पर कढ़ाई में तेल गरम करें और टिक्की को दोनो तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज में निकालकर गरमा गरम परोसें।

ये कॅरियर आपको जल्द बनाएंगे अमीर

हर इंसान अमीर बनने के ख्वाब देखता है। कॉलेज खत्म होने के बाद हम सबके सामने कॅरियर को चुनने का विकल्प होता है। हम उसी कॅरियर को चुनना चाहते हैं, जिसमें हम ज्यादा से ज्यादा पैसा कमा सकें और अपनी लाइफ को सही मायने में सैटल कर सकें। इस सबके लिए जरूरी है कि हम ऐसे कॅरियर का चुनाव करें जो हमें बहुत दूर तक ले जाएं। इसी से संबंधित हम आज आपको बताने जा रहे हैं कुछ ऐसे कॅरियर विकल्पों के बारे में जो आपके गोल को सही तरीके से चुनने में आपकी मदद करेंगे।

कोडिंग-डिकोडिंग दिमाग की उपज

आज के जमाने में कोडिंग-डिकोडिंग, प्रोग्रामिंग, डिजाइनिंग सब सॉफ्टवेयर क्रिएटर की दिमाग की उपज हैं, जो आज हम रोजमर्रा के लिए फेसबुक व अन्य वेबसाइट के माध्यम से इस्तेमाल करते हैं। इस जॉब के लिए आप में मैनेजमेंट स्किल के साथ इंट्रापर्सनल स्किल का होना भी जरूरी है।

बनें सॉफ्टवेयर क्रिएटर

सॉफ्टवेयर क्रिएटर सॉफ्टवेयर प्रोडक्टस को डेवेलप करता है। अगर आप टेक्नोलॉजी में रुचि रखते हैं और नए-नए आइडिया सोचने में महारत हासिल रखते हैं तो यह जॉब आपके लिए है। मार्केट में हमेशा नए व हाई लेवल सॉफ्टवेयर की जरूरत रहती है। ऐसे में आपको अच्छी सैलरी पर जॉब मिल जाएगी। इस प्रोफेशन में आपके दिमाग का नए आइडिया के सोचने के लिए तेज होना जरूरी है साथ में आपके पास इंजीनियरिंग की डिग्री भी होनी चाहिए।

सबक लेकर पाएं तरक्की की राह

हर वर्ष कोई न कोई सीख दे जाता है। वर्ष 2014 ने भी ऐसी कई बातें सिखाई हैं, जिनसे सबक लेकर वर्ष 2015 में आप तरक्की की राह पकड़ सकते हैं। अधिकतर बिजनेस प्रतिभाओं की कमी से जूझ रहे हैं, जिससे जूनियर लीडर्स को अधिक मौके मिल रहे हैं। यह रुझान अगले 4-5 साल कायम रहेगा। यानि इस साल भी अधिक जवान लोगों को तरक्की मिलेगी। इस मौके का लाभ लें। इस वर्ष कैंपस में मिलने वाले इंटर्नशिप के मौके 20 प्रतिशत बढ़ गए। यह रुझान भी जारी रहेगा। यदि आप छात्र हैं तो इस मौके का फायदा उठाएं। कई कंपनियों में जवान लोगों के लीडरशिप संभालने के बीच रिटायर हो रहे कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के लिए भी कंपनियां कई प्रस्ताव दे रही हैं। यदि आप रिटायर हो रहे हैं तो पार्टटाइम काम करने का ऑफर भी हासिल कर सकते हैं। पारम्परिक नौकरी का ढंग तथा रिपोर्टिंग स्ट्रक्चर में बदलाव हो रहे हैं। ऐसे में लोगों से मेल-मिलाप के कौशल को सुधारिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**